ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हिंदू समुदाय को शैक्षिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से विकसित होना चाहिए... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 17 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-47

पीएम मोदी ने टेक्सटाइल निर्यात 2030 तक नौ लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा

भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है तो उसमें भी हमारे टेक्सटाइल उद्योग की भूमिका महत्वपूर्ण

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की प्रगति में टेक्सटाइल उद्योग की भूमिका के महत्व को रेखांकित करते हुए रविवार को इस उद्योग के सामने टेक्सटाइल निर्यात 2030 तक तीन गुना करके नौ लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा और उम्मीद जतायी की यह लक्ष्य उससे पहले हासिल कर लिया जाएगा।

श्री मोदी राजधानी के भारत मंडपम में कपड़ा क्षेत्र की विशाल प्रदर्शनी 'भारत टेक्सट 2025' का भ्रमण करने के बाद वहां उपस्थित भागीदारों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,भारत अतीत में जब समृद्ध था तो उसमें देश के वस्त्र उद्योग का बड़ा योगदान था, आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है तो उसमें भी हमारे टेक्सटाइल उद्योग की भूमिका महत्वपूर्ण है।

श्री मोदी ने कहा,हम दुनिया के छठे सबसे बड़े टेक्सटाइल और एपैरल एक्सपोर्टर हैं। हमारा टेक्सटाइल निर्यात तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। अब हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक हम इसे नौ लाख करोड़ रुपए तक लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज उद्यमियों के उत्साह से यह जान पड़ता है कि 'आप यह लक्ष्य समय से पहले ही हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में टेक्सटाइल उद्योग का योगदान इस समय 11 प्रतिशत है तथा सरकार के प्रयासों के परिणाम स्वरूप इस क्षेत्र में पिछले 10 वर्ष में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश दो गुना हुआ है। उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र से कपड़ा उद्योग की कर्ज की मांग को पूरा करने के लिए भी कहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार के बजट में देश में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और सूक्ष्म लघु और मझोले उद्यमों की परिभाषा बदलने कपड़ा क्षेत्र को भी फायदा होगा जो रोजगार का एक बड़ा स्रोत है।

श्री मोदी ने देश में सूती कपड़ा उद्योग के प्रोत्साहन के लिए बजट में कपास मिशन और सरकार की 5एफ (खेत से लेकर विदेशी बाजार तक की मूल्य श्रृंखाला को प्रोत्साहित करने की) पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, पिछले साल मैंने टेक्सटाइल इंडस्ट्री में फार्म,फाइबर, फैब्रिक, फैशन और फॉरेन जैसे 5एफ फैक्टर्स की बात की थी.. यह विजन अब भारत के लिए एक मिशन बनता जा रहा है। उन्होंने टेक्सटाइल क्षेत्र को कचरा कम से कम सृजित करने , पुनर्चक्रण और फैशन में बदलवा के कारण दुनिया भर में हर महीने फेंके जाने वाले कपड़ों का प्रयोग कर नयी-नयी चीजें बनाने के अवसर की संभावनाओं के दोहन ▶10पर

हिंदू राष्ट्र खत्म करने में अमेरिकी फंडिंग

नेपाल के सांसद ने की जांच की मांग

काठमांडू,16 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल को संवैधानिक हिंदू राष्ट्र का दर्जा खत्म करके धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित करने के पीछे अमेरिकी फंडिंग की जांच करने की मांग राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसद ने रविवार को सदन के भीतर की है। नेपाल को हिन्दू राष्ट्र खत्म करने और धर्मांतरण के लिए 100 मिलियन डॉलर की अमेरिकी फंडिंग होने का दावा किया गया है। प्रतिनिधि सभा में रविवार को शून्य समय में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के सांसद धवल शमशेर राणा ने नेपाल के संवैधानिक हिंदू राष्ट्र के दर्जे को समाप्त कर धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करने और धर्मांतरण के लिए अब तक 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किए जाने का आरोप लगाया।

उन्होंने इस मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति गठन करने की मांग की है। सांसद राणा ने कहा कि अमेरिकी फंडिंग का पैसा किस-किस नेता को मिला, इसकी सच्चाई देश और दुनिया के सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नेपाल में हुए जनांदोलन में कभी भी हिन्दू राष्ट्र को समाप्त करके धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करने की मांग नहीं उठी थी। सांसद राणा ने यह भी कहा कि देश में राजतंत्र की समाप्ति के बाद कुछ प्रमुख दलों के दर्जन भर नेताओं ने अंतरिम संविधान की घोषणा की थी, जिसमें नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित कर दिया गया था।

सांसद राणा ने सरकार से इसकी न्यायिक जांच कराकर दोषियों को सजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नेपाल की पहचान विश्व के एकमात्र हिंदू राष्ट्र के रूप रही है। इसलिए धर्मनिरपेक्षता को खारिज करके फिर से हिंदू राष्ट्र की घोषणा संसद से किए जाने की मांग भी की है ।

लालच लेकर जबरन ईसाई बनाने का आरोप

तमिलनाडु, पुडुचेरी, गोवा से आये प्रचारकों को पुलिस ने हिरासत में लिया

बीकानेर,16 फरवरी (एजेंसियां)। ईसाई मिशनरियां जबरन कन्वर्जन की अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही हैं। ताजा मामला बीकानेर के मुक्ता प्रसाद थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने एक घर में दबिश देकर ईसाई प्रचारकों को हिरासत में लिया है, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं। हिंदू संगठन भी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के अनुसार बंगलानगर क्षेत्र में एक घर के अंदर प्रार्थना सभा के नाम पर कन्वर्जन की कोशिश की जा रही थी। हिंदू संगठनों को यह बात पता चली तो वे मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस प्रचारकों को थाने लेकर गई। पता चला कि वे तमिलनाडु, पुडुचेरी और गोवा से बीकानेर आए हैं।

जिस घर में यह गतिविधि चल रही थी, वह मकान किराए पर लिया गया था। घर में पुरुष, महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। कुछ लोग असाध्य रोगों से पीड़ित थे। विश्व हिंदू परिषद और हिंदू जागरण मंच के ▶10पर

महाराष्ट्र-दिध्री के बाद ममता के किले की फतह की तैयारी

एक्टिव हुआ संघ, मोहन भागवत ने संभाली हिंदूओं को जगाने की कमान

बर्धमान,16 फरवरी (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने बेबाक बयानों के लिए पूरे देश में चर्चित हैं । महाराष्ट्र-दिल्ली के विधानसभा चुनाव में आरए-सएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जिसकी बदौलत दोनों राज्यों में भाजपा ने वापसी की थी। अब मोहन भागवत और आरएसएस की निगाहें पश्चिम बंगाल पर है। यहां पर एक रैली को संबोधित करते हुए प्रमुख ने विविधता में एकता पर जोर दिया और कहा हमें हिंदू समाज को एकजुट और संगठित करने की जरूरत है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया की विविधता को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि हिंदू समाज का मानना है कि एकता में ही विविधता समाहित है। बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में एकता की जरूरत है और अच्छे समय में भी चुनौतियां बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, हमें हिंदू समाज को एकजुट और संगठित करने की जरूरत है।समस्याओं की प्रकृति क्या है इसके बजाए यह महत्व रखता है कि हम उनका सामना करने के लिए कितने तैयार हैं।

बता दें कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने पहले रैली आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद रैली आयोजित की जा रही है। भागवत ने कहा कि देश का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था। ▶10पर

कौन बनेगा दिल्ली का मुख्यमंत्री?

आज भाजपा विधायक दल की बैठक में होगा फैसला

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली भाजपा के विधायक दल की बैठक सोमवार 17 फरवरी को हो सकती है। यह बैठक दिल्ली भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर तीन बजे के करीब हो सकती है। इस बैठक में पार्टी के जीते हुए विधायकों से मुख्यमंत्री पद के लिए उनकी राय पूछी जा सकती है। संभव है कि विधायकों की बैठक में पार्टी के आलाकमान द्वारा तय किए गए चेहरे पर सर्वानुमति बनाने की कोशिश की जाए। इसके बाद में दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का नाम सामने आ सकता है। इसके पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा के सभी महामंत्रियों से बैठक कर दिल्ली के नए चेहरे के बारे में बातचीत की थी। माना जाता है कि इस बैठक में सभी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए इस बात पर विचार किया गया था कि दिल्ली की कमान किसके ▶10पर

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सीढ़ी पर एक यात्री के फिसलने से हुई दुर्घटना : रेलवे

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कल रात दुर्घटना का कारण फुटओवर ब्रिज की प्लेटफॉर्म नंबर 14 एवं 15 को उतरने वाली सीढ़ी पर एक यात्री का असावधानी वश फिसलना और उसके पीछे कई यात्रियों का चपेट में आना था।

उत्तर रेलवे के मुख्य प्रवक्ता ने आज सुबह यहां यह जानकारी दी और यह भी कहा कि कल रात भगदड़ की घटना के प्रभावित लोगों के लिए रेलवे द्वारा मुआवजा राशि वितरित की जा रही है।प्रवक्ता के अनुसार मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा रहा है जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को ढाई-ढाई लाख रूपये और मामूली रूप से घायल लोगों को एक-एक लाख का मुआ-वजा दिया जा रहा है। दुर्घटना की वजह के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि जिस समय एक दुखद घटना घटित हुई उस समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर पटना की ओर जाने वाली मगध एक्सप्रेस और प्लेटफॉर्म नंबर 15 पर जम्मू की तरफ जाने वाली उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन खड़ी थी। इस दौरान फुटओवर ब्रिज से 14 नंबर और 15 नंबर प्लेटफॉर्म की तरफ आने वाली सीढ़ियों पर एक यात्री के फिसल कर गिरने से उनके पीछे के कई यात्री इसकी चपेट में आ गए और यह दुखद घटना घटित हुई। इस हादसे की उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा जांच की जा रही है।

हालांकि रेलवे के प्रवक्ता ने हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इस बारे में आग्रह पूर्वक पूछने पर कहा कि पूरी घटना की आधिकारिक एवं विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। रात में मीडिया रिपोर्टों में इस दुर्घटना में लोगों की मौत होने की बात कही गई जिनकी संख्या अलग अलग बताई गई थी। लेकिन कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं बताया गया। अपुष्ट रिपोर्टों में मृतकों की संख्या 18 तक बताई गई है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अन्य नेताओं ने दुर्घटना पर गहरा दुख और हताहतों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री मोदी ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से परेशान। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने ▶10पर

भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हुई

नयी दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है, जबकि अन्य 12 लोग घायल हुए हैं। एक अस्पताल के अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी रविवार दी। एलएनजेपी अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मृतकों में पांच बच्चे और 11 महिलाएं शामिल हैं।अधिकारी ने बताया, मृतकों की संख्या बढ़कर 18 हो गयी है। इसमें पांच बच्चे और 11 महिलाएं शामिल हैं। अन्य 12 लोगों को चोटें आई हैं।

रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों को 2.5-2.5 लाख रुपये तथा मामूली रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। ▶10पर

भगदड़ की जांच के लिए दो सदस्यीय पैनल गठित, उच्च स्तरीय जांच शुरू

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। रेलवे ने रविवार को कहा कि समिति में उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) नरसिंह देव और इसके प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (पीसीएससी) पंकज गंगवार शामिल हैं। रेलवे ने कहा कि समिति ने घटना की उच्च स्तरीय जांच (एचएजी) शुरू की है। जांच के हिस्से के रूप में, समिति ने जांच में सहायता के लिए रेलवे स्टेशन से सभी वीडियो फुटेज हासिल करने का आदेश दिया है।

सर्राफ़ा बाज़ार

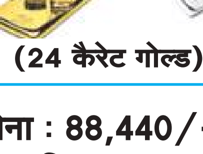

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,440/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 99,990/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^{0}
न्यूनतम : 22^{0}

एलन मस्क के DOGE ने रद्द की भारत में 21 मिलियन डॉलर की मतदाता फंडिंग

अमित मालवीय बोले-इससे किसे फायदा होने वाला था?

वाशिंगटन,16 फरवरी (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद कई तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क के नेतृत्व वाले अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) भारत में वोटर टर्नआउट के लिए निर्धारित 21 मिलियन डॉलर की फंडिंग को रद्द कर दिया है। ये वो फंडिंग है, जिसका इस्तेमाल भारत के चुनावों में किया जाना था। डीओजीई एलन मस्क के नेतृत्व वाला विभाग है, जो कि तमाम तरह की फंडिंग पर नजर रखता है। 21 मिलियन की फंडिंग को खत्म करने के बाद विभाग ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ये पैसे अमेरिकी टैक्सपेयर्स के हैं, जिन्हें अलग-अलग मदों के लिए खर्च करने थे, लेकिन इन सभी को रद्द कर दिया गया है। इस खुलासे के बाद सियासी जगत में हड़कंप सा मच गया है। भाजपा की आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय हैरानी जताई है। उन्होंने कहा एक्स के जरिए कहा, मतदाता मतदान के लिए 21 मिलियन डॉलर? निश्चित तौर पर ये भारत की चुनावी प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप है। इससे किसे लाभ हो सकता है? निश्चित तौर पर सत्तारूढ़ दल को तो नहीं होने वाला।एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग की ओर से 723 मिलियन डॉलर की कटौती की घोषणा कर रखी है। ▶10पर

'हाथ-पैर बांध दिए थे, दूर भेजने पर होता हैं पछतावा'

अमेरिका से निर्वासित भारतीयों के परिजनों ने सुनाई अपनी आपबीती

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार (15 फरवरी, 2025) देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इसी के साथ इन लोगों का अमेरिका में बेहतर भविष्य बनाने का सपना भी टूट गया।

अमेरिका में बेहतर भविष्य के सपने लिए ये लोग पहाड़ियों, जंगलों और समुद्र के खतरनाक रास्तों से गुजरते हुए गए थे, लेकिन सीमा पर ही पुलिस ने इन्हें पकड़ लिया था। इसके बाद अब इन लोगों को अमेरिका से निष्कासित कर दिया गया। भारत आने के बाद इन युवकों ने अपनी आपबीती बताई है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, नवांकोट के रहने वाले मंगल सिंह थिंड अपने पोते जसनूर सिंह को लेने एयरपोर्ट आए थे। इस दौरान उन्होंने बताया, एजेंट ने हमें बताया कि हमारे बच्चे को सीधे अमेरिका ले जाया जाएगा, लेकिन उसे कोलंबिया ले जाया गया और 3।5 महीने तक वहीं रहने को कहा गया, फिर जहाज से पनामा ले जाया गया, जहां उसे घने जंगलों को पार करना पड़ा। वह हमसे रोजाना दो बार बात करता था। हमने उसे चोट में और थके हुए देखा है। उसे दूर भेजने पर पछतावा हो रहा है।

फिरोजपुर के रहने वाले सौरव ने बताया कि पहाड़ी इलाके से अमेरिका में घुसने ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया कांग्रेस की ताकत हैं: डीके शिवकुमार

विरोधाभासी बयान देने वालों पर नजर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया कांग्रेस पार्टी की ताकत हैं। पार्टी को पंचायत से लेकर संसद तक सभी चुनावों के लिए उनकी जरूरत है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मंत्री सतीश जारकीहोली के इस बयान पर प्रतिक्रिया दी कि सिद्धरामैया अगले चुनावों के लिए अपरिहार्य हैं, उन्होंने कहा हमें कोई भ्रम नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी विरोधाभासी बयान देने वालों पर नजर रख रही है। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरामैया को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनाया है। वे हमारे नेता हैं। इस पर किसी चर्चा की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिद्धरामैया के नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। सिद्धरामैया अच्छा काम कर रहे हैं। सरकार अच्छा शासन कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा की कोई जरूरत नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि वह पार्टी संबद्धता को भूलकर सिंचाई के लिए लड़ेंगे, उन्होंने कहा मैं राज्य के भूमि और जल हितों की रक्षा के लिए सभी के साथ हाथ मिलाऊंगा। एक ही दिन में महादयी परियोजना के कार्यान्वयन पर हस्ताक्षर करने का अवसर मिला। मैंने इस बारे में सभी केंद्रीय मंत्रियों से बात की है। यह सिर्फ देवेगौड़ा की लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा कि यह राज्य की जनता का संघर्ष है।

हम सिंचाई के मुद्दे पर राजनीति नहीं करते। हमें इसकी जरूरत भी नहीं है। वे शायद राजनीति खेलने के आदी हैं। लेकिन हमारे पास यह नहीं है। हमने पहले भी सिद्धरामैया के नेतृत्व में लड़ाई लड़ी है और कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा मैं जानता हूं कि उस समय उन्होंने हमारी कितनी आलोचना की थी। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने संसद में एक भी दिन महादयी भद्रा ऊपरी नदी मुद्दे पर चर्चा नहीं की। उन्होंने वह पैसा भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हम राज्य सरकार की ओर से किसी भी तरह की राहत देने के लिए तैयार हैं।

हमने बेंगलूरु को आवश्यक पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए हैं। जैसे ही मैं जल संसाधन मंत्री बना, मैंने बेंगलूरु के लिए 6 टीएमसी पानी आरक्षित करने का सरकारी आदेश जारी किया। शिवकुमार ने अपना असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उनके माध्यम से विरोधाभासी बयान दिए जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने तालुक पंचायत और जिला पंचायत चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आरक्षण भी तैयार है। यह संभव है कि अदालतें किसी भी समय कोई निर्देश जारी कर दें। चुनावों की घोषणा भी तुरंत कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु परियोजना के लिए विधायक रिजवान अरशद की अध्यक्षता में जनता की राय एकत्रित की जा रही है ताकि बीबीएमपी के लिए भी चुनाव कराए जा सकें। जिला पंचायत, तालुक पंचायत और निगम चुनाव कराने तथा उम्मीदवारों के चयन के लिए स्थानीय स्तर पर समन्वय एवं समन्वय के लिए केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष की अध्यक्षता में अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है। समिति के नेता अपने अधिकार क्षेत्र का दौरा करेंगे और पार्टी को रिपोर्ट सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि यह समिति 50 प्रतिशत महिला आरक्षण के अनुरूप महिला नेताओं की पहचान करने का काम करेगी।

बेंगलूरु मेट्रो किराया वृद्धि को लेकर प्रदर्शन करने वाले 16 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु पुलिस ने हाल ही में नम्मा मेट्रो किराए में वृद्धि को लेकर बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) और राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेने वाले 16 व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कॉटनपेट पुलिस ने शुक्रवार दोपहर को केम्पेगौड़ा मेट्रो स्टेशन के सामने अनधिकृत रूप से एकत्र होने का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया।

यह विरोध बीएमआरसीएल द्वारा 2017 के बाद पहली बार मेट्रो किराए में संशोधन करने के निर्णय के जवाब में किया गया है। हाल ही में लागू हुए संशोधित किराया ढांचे में विभिन्न दूरी स्लैब में 5 से 10 की वृद्धि की गई है, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया है।

यात्रियों ने वित्तीय बोझ को लेकर चिंता जताई है, खासकर उन दैनिक मेट्रो उपयोगकर्ताओं के लिए जो किफायती परिवहन के लिए इस सेवा पर निर्भर हैं। सहायक उप-निरीक्षक रंगप्पा डी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, वह और उनका एक सहकर्मी दोपहर के समय गुब्बी थोटाडप्पा रोड पर गश्त कर रहे थे, जब उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों को मेट्रो स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन करते देखा। समूह ने कथित तौर पर मेट्रो प्राधिकरण और राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए, किराया संशोधन का विरोध किया।

रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को कर्नाटक उच्च न्यायालय के 3 मार्च, 2022 के आदेश के बारे में सूचित किया, जो प्रदर्शनों और जुलूसों को फ्रीडम पार्क तक सीमित करता है। हालांकि, कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर निर्देश की अवहेलना की और अपना विरोध जारी रखा। इसके बाद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सतर्क किया गया और कॉटनपेट और उप्परपेट पुलिस स्टेशनों से अतिरिक्त बल तैनात किया गया। बाद में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया और सीएआर मुख्यालय ले जाया गया, जहाँ उनका विवरण दर्ज किया गया। यह एफआईआर कर्नाटक पुलिस अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत दर्ज की गई है, जिसमें धारा 189 (अवैध सभा), धारा 190 (अवैध सभा के सदस्यों को सामूहिक अपराधों के लिए उत्तरदायी ठहराना) और धारा 223 (सार्वजनिक आदेशों की अवज्ञा) शामिल हैं।

आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी का फाल्गुनी होली चातुर्मास अलसूर में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी, डा. पदम मुनिजी, जय धुरंधर मुनि जी, जय पुरंदर मुनि जी, जय कलश मुनि जी का आगामी फाल्गुनी होली चातुर्मास श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में होगा। अलसूर श्रावक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा के नेतृत्व में रविवार को अनंतपुर में विराजित आचार्य जी की सेवा में पहुंचा। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संघ की ओर से विनती रखते हुए कहा कि 58 वर्ष के लम्बे अंतराल के पश्चात जय गच्छ के किसी आचार्य का अलसूर में यह होली चातुर्मास होगा और इस उपलब्धि हेतु समस्त संघ में अपूर्व उत्साह है। आचार्य पार्श्वचंद्र जी ने संघ की विनती स्वीकार कर मार्च के दूसरे सप्ताह तक बेंगलूरु पहुंचने की संभावना व्यक्त की और खूब धर्म ध्यान व तप त्याग की प्रेरणा दी। आचार्य की सहमति पाकर अलसूर संघ ने जयकारों के साथ अपनी खुशी व्यक्त की और एक दूसरे को बधाई दी। प्रकाश चंद नाहटा, उगम राज मुथा, तेजराज तातेड, मनोज गादिया, धनपत राज तातेड, गौतम चंद छाजेड़, उत्तम चन्द तातेड भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। इस अवसर पर जयमल जैन श्रावक संघ, कर्नाटक के अध्यक्ष उत्तमचंद गादिया, मंत्री सुरेन्द्र बेताला तथा कार्यकारिणी के सदस्य व अनंत पुर संघ अध्यक्ष बसंत मुकलिया के साथ अनेक गणमान्य जन भी उपस्थित थे। सभी ने अलसूर संघ को बधाई दी।

गोदावरी-कृष्णा-कावेरी सिंचाई परियोजना के तहत कर्नाटक को 25 टीएमसी पानी मिलना चाहिए: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा ने राज्य के जल हिस्से को बढ़ाकर 25 टीएमसी करने पर जोर दिया और कहा कि राजनीति को आवश्यक सिंचाई परियोजनाओं में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

गोदावरी-कृष्णा-कावेरी सिंचाई परियोजना के तहत कर्नाटक को 25 टीएमसी पानी मिलना चाहिए और उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के साथ मिलकर इस मुद्दे पर लड़ने की कसम खाई। पूर्व प्रधानमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, मुझे इस लड़ाई में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और कांग्रेस सांसदों के साथ शामिल होने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। जब कर्नाटक के हितों की बात आती है, तो भाजपा, कांग्रेस और जेडी(एस) को अपने मतभेदों को दूर करके एक साथ काम करना चाहिए। मैं इस तरह के एकजुट प्रयास से पीछे नहीं हटूंगा।

जेडी(एस) के संरक्षक ने फिर से पुष्टि की कि उनकी पार्टी सिंचाई मामलों में सक्रिय रूप से शामिल है और नदी-जोड़ने और सिंचाई परियोजनाओं को लागू करने में राज्य सरकार के साथ पूरा सहयोग करेगी। सिंचाई कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है और इसे राजनीतिक मुद्दा बनाना अनुचित है। पिछले दिनों सिद्धरामैया सिंचाई मामलों पर चर्चा करने के लिए मेरे घर आए थे। उस समय, हम एक-दूसरे से बात भी नहीं करते थे, फिर भी मैं उनके साथ खड़ा था। मुझे कोई शिकायत नहीं है। गौड़ा ने कहा, राजनीति को सिंचाई के मुद्दों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्होंने संसद में इस मुद्दे को उठाया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सी आर पाटिल से गोदावरी-कृष्णा-कावेरी परियोजना के तहत कर्नाटक के हिस्से का पानी बढ़ाने की अपील की थी। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर 2022 और 2024 में जल शक्ति मंत्री को पत्र लिखा था।

वर्तमान में कर्नाटक को 15.891 टीएमसी आवंटित किया गया है, लेकिन मैं आग्रह कर रहा हूं कि इसे बढ़ाकर 25 टीएमसी किया जाए। मैंने संसद में पूछा है कि गोदावरी नदी से 15.91 टीएमसी पानी को घाटप्रभा नदी में कैसे मोड़ा जाएगा। यह कैसे संभव है? गोदावरी के पानी को कावेरी नदी से कहां जोड़ा जाएगा? परियोजना का विवरण स्पष्ट नहीं है, और कर्नाटक को सटीक जानकारी की आवश्यकता है। मैं इस बारे में प्रधानमंत्री को लिखूंगा। कांग्रेस नेताओं के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा और जेडी(एस) के सांसद कर्नाटक के लिए सिंचाई के मुद्दे नहीं उठा रहे हैं, गौड़ा ने कहा कि कांग्रेस ने कई सिंचाई परियोजनाएं शुरू कीं, लेकिन वह कार्यान्वयन के लिए धन आवंटित करने में विफल रही। उन्होंने कहा कर्नाटक को गोदावरी-कृष्णा-कावेरी परियोजना से 25 टीएमसी पानी मिलना चाहिए। यह एक बड़ा उद्देश्य है और इसमें राजनीति का कोई स्थान नहीं है। आंतरिक मतभेद इस मुद्दे को कमजोर करेंगे। हमें कर्नाटक के लिए मिलकर लड़ना होगा। उनके अनुसार, तमिलनाडु से अतिरिक्त पानी समुद्र में बह रहा है। कर्नाटक को जल आवंटन में न्याय मिलना चाहिए। यह मेरी अंतिम इच्छा है। मरने से पहले मैं सिंचाई मामलों में राज्य के साथ हुए अन्याय को ठीक होते देखना चाहता हूं। मैं अगले चार साल तक जीवित रह सकता हूं और इस दौरान मैं इस मुद्दे को सुलझाने के लिए लड़ूंगा। गौड़ा ने कहा मैं इस लड़ाई के लिए सभी को एक साथ लाऊंगा। पूर्व पीएम ने कहा कि कर्नाटक को कावेरी और कलसा-बंडूरी परियोजनाओं में गंभीर अन्याय का सामना करना पड़ा है और अब गोदावरी-कावेरी परियोजना के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। उन्होंने कर्नाटक भर के राजनीतिक नेताओं से एकजुट होकर आवाज उठाने का आग्रह किया।

विशाल निशान यात्रा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जीण माता सेवा समिति के तत्वावधान में फाल्गुन मास के अवसर पर रविवार को प्रातः 9 बजे से विशाल निशान यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नेलमंगला केएमसी ग्लास फैक्ट्री में सर्व प्रथम निशान पूजन व ज्योत प्रज्वलित की गई। उपस्थित भक्त जयकारों के साथ भक्ति रंग में डूबे हुए थे। सभी भक्तों को निशान वितरण कर गाजेबाजे के साथ निशान यात्रा एलचागिरी स्थित जीण माता मंदिर के लिए रवाना हुई। नाचते गाते भक्त मन्दिर पहुँचे और माँ जीण भवानी को निशान चढ़ाया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजू भूतड़ा, सचिव आर. किशन सोलिवाल, अनूप अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, रवि अग्रवाल, किशन सोलिवाल, मुकेश शर्मा सहित सभी ने सुंदर आयोजन के लिए सभी भक्तों का आभार जताया। दादी धाम प्रचार समिति ने निशान यात्रा के दौरान जलपान की सेवा का लाभ लिया। दादी धाम प्रचार समिति के सदस्यों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया।

पूर्व भाजपा सांसद शिवराम गौड़ा फिर से कांग्रेस में हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री, सांसद और भाजपा नेता एल आर शिवराम गौड़ा अपने बेटे चेतन गौड़ा और आप नेता बृजेश कलप्पा के साथ रविवार को कांग्रेस पार्टी में फिर से शामिल हो गए। यह कार्यक्रम बेंगलूरु में कांग्रेस कार्यालय में उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार की मौजूदगी में हुआ। नेताओं के साथ भाजपा और आप दोनों के समर्थक भी थे। मांड्या जिले के प्रमुख नेता शिवराम गौड़ा और कोडागु जिले के बृजेश कलप्पा आधिकारिक तौर पर कांग्रेस में वापस आ गए। हालांकि घुटने की समस्या के कारण मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इसमें शामिल नहीं हो पाए, लेकिन केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य डॉ. जी सी चंद्रशेखर अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत करने के लिए मौजूद थे।

अभिनेता योगी बाबू की कार हुई दुर्घटनाग्रस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता योगी बाबू की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि यह हादसा उस समय हुआ जब अभिनेता बेंगलूरु लौट रहे थे। अभिनेता योगी बाबू की कार रविवार सुबह वालाजपेट टोल प्लाजा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जब वाहन का नियंत्रण खो गया और वह बैरिकेड से टकरा गई। कार दुर्घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का मुआयना किया। पता चला है कि अभिनेता योगी बाबू दुर्घटना में बाल-बाल बच गए और उन्हें कोई चोट नहीं आई। अभिनेता योगी बाबू ने खुद सोशल मीडिया पर इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। मैं ठीक हूं। योगी बाबू ने स्पष्ट किया यह किसी कंपनी की कार थी। इसने बैरिकेड को टक्कर मारी और बस यही हुआ। सभी सुरक्षित हैं, किसी को चोट नहीं आई। मैंने देखा कि क्या हुआ और आखिरकार सभी को वहां से भेज दिया। इस बारे में कुछ अफवाहें फैल रही हैं। ये सभी झूठी हैं, कृपया अफवाहों पर विश्वास न करें।

पंचायतों के लिए विकेंद्रीकरण सूचकांक में कर्नाटक देश में शीर्ष पर: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को कहा कि भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) और पंचायत राज मंत्रालय के एक अध्ययन के अनुसार, पंचायतों को सत्ता के विकेंद्रीकरण में कर्नाटक पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य की मान्यता जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा मुझे यह साझा करते हुए गर्व हो रहा है कि इसने वित्तीय स्वायत्तता और जवाबदेही में देश का नेतृत्व किया है। उन्होंने कहा इसने बिजली के विकेंद्रीकरण सूचकांक में शीर्ष रैंक (72.23) हासिल की है। वित्त और जवाबदेही में, राज्य प्रभावी वित्तीय आवंटन और समय पर धन जारी करने, 15वें वित्त आयोग के अनुदानों के कुशल उपयोग, मजबूत ग्राम सभाओं और सामाजिक लेखा परीक्षा में आगे है। मंत्री प्रियांक खड़गे के नेतृत्व में ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग ने ग्रामीण विकास को बढ़ाने के लिए पंचायतों को संसाधन और स्वायत्तता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विकेंद्रीकरण केवल एक अवधारणा नहीं है - यह कर्नाटक में एक वास्तविकता है। सिद्धरामैया ने कहा एक मजबूत पंचायत प्रणाली का मतलब मजबूत ग्रामीण विकास, भागीदारीपूर्ण लोकतंत्र और समावेशी विकास है। सिद्धरामैया द्वारा अपने पोस्ट के साथ साझा किए गए दस्तावेज में, वित्तीय, कार्यों और कार्यकारी के आवंटन के मामले में पंचायतों को शक्ति के विकेंद्रीकरण में पहले स्थान पर है। इसके बाद केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश का स्थान है।

हिंदू समुदाय को शैक्षिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से विकसित होना चाहिए: शोभा करंदलाजे

साधु संगम पट्टिना सहकारी समिति के नए भवन का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने रविवार को कहा कि हिंदू समुदाय को शैक्षिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से विकसित होना चाहिए। इसके लिए सभी को संगठित होना चाहिए। वे मल्लेश्वरम के सुब्रहण्य नगर में साधु संगम पट्टिना सहकारी समिति के नए भवन का उद्घाटन करते हुए बोल रही थीं।

राज्य में सबसे छोटा समुदाय होने के बावजूद, हमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मुख्यमंत्री चंद्रू की भूमिका बहुत बड़ी है।

उन्होंने बताया कि वे अभिनेता और राजनीतिक नेता के रूप में उभरे हैं और समुदाय का नाम रोशन कर रहे हैं। वर्तमान समुदाय के युवाओं में अधिक समझ है। उन्होंने कहा कि भले ही जनसंख्या अधिक नहीं है, लेकिन हमारी इच्छा बढ़ने की है। उन्होंने कहा कि आपका समाज इस बात का प्रमाण है कि छोटे समुदाय भी अपनी आवाज उठा सकते हैं, भले ही कई समुदाय बड़े हों। वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में विधायकों और सांसदों सहित कई क्षेत्रों में शक्तिशाली समुदायों का प्रभुत्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि आप भी एकजुट होकर संगठित होंगे तो आपको भी वह योग मिलेगा। केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा देश में ऐसे कई समुदाय हैं जिनकी कोई आवाज नहीं है। चार मेमो ट्रेनें बेंगलूरु और मैसूरु जिलों तक चलाई जाएंगी। इसकी कीमत मात्र 35 रुपये है। आप मेमो ट्रेन से तुमकुरु और बेंगलूरु के बीच मात्र 20 रुपये में यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने इस सारी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेलवे भर्ती परीक्षा कन्नड़ में लिखने की अनुमति दे दी है। इससे कन्नड़ लोगों को अधिक रोजगार मिलेगा। चुनाव हर पांच साल में एक बार आते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि जब वह अपने द्वारा चुने गए लोगों को न्याय दिलाते हैं तो उन्हें अच्छा जनप्रतिनिधि होने का अहसास होता है। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने कहा कि औसत हिंदू समाज एक छोटा समाज हो सकता है। सामान्य हिन्दू समाज भी इस उपलब्धि में पीछे नहीं रहा है। बच्चों को शिक्षित किया जाना चाहिए। हिंदू समुदाय एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दे रहा है। सहकारी क्षेत्र जनता का आंदोलन होना चाहिए और संशोधन जनता के लाभ के लिए किए गए हैं। किसी सहकारी संगठन को निहित स्वार्थों के हाथों में नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक आपके पैसे और आपके मार्गदर्शन से चलेगा। उन्होंने कहा कि समाज के शिक्षित एवं बुद्धिमान लोगों को केवल अपने परिवार पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि हिंदू समाज के रूप में एकजुट होकर काम करना चाहिए, जिससे उन्हें शिक्षा एवं राजनीति के क्षेत्र में अधिक राजनीतिक शक्ति मिलेगी। विधायक डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि समुदाय के विकास के लिए स्थापित सहकारी बैंक समुदाय के संगठन और आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने साधु संगम रक्षक संघ के माध्यम से सहयोग देने के सिद्धांत पर सामुदायिक संगठन पर जोर दिया है।

वित्तीय प्रबंधन में कांग्रेस सरकार रही विफल: बोम्मई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने स्वयं मेट्रो किराए में बढ़ोतरी की सिफारिश की है। मूल्य वृद्धि के संबंध में मुख्यमंत्री का निर्देश इसका प्रमाण है। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह आर्थिक रूप से दिवालिया हो चुकी है और हर चीज में बढ़ोतरी कर रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा राज्य सरकार पूरी तरह दिवालिया हो चुकी है। इसके लिए वह सभी कीमतें बढ़ा रहा है। मेट्रो का किराया बढ़ाने वाले हम नहीं हैं। एक समिति है जो कीमतें निर्धारित करती है। मेट्रो किराये पर राज्य सरकार का पूर्ण अधिकार है। इसमें राज्य के अधिकारी भी शामिल हैं। राज्य सरकार ने स्वयं इसकी सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि मूल्य वृद्धि के संबंध में मुख्यमंत्री का निर्देश इसका प्रमाण है। राज्य सरकार सब कुछ इसलिए जुटा रही है क्योंकि वह वित्तीय रूप से दिवालिया हो चुकी है। बिजली, पानी और दूध की कीमतों सहित सभी कीमतों में वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार वित्तीय प्रबंधन में विफल रही है। मैसूरु में उदयगिरि दंगों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जब सरकार ने पुराने हुब्बल्ली मामले को वापस ले लिया, तो यह स्पष्ट हो गया कि सरकार किसके पक्ष में थी। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि पुलिस स्टेशन पर हमले के पीछे कौन है। पीएफआई ने पहले भी तनवीर सैत पर हमला किया था। आज वे ताकतें फिर से एकजुट हो गई हैं। इसलिए राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले लोग चिंतित हैं। उनके पास लोगों की सुरक्षा करने की कोई शक्ति नहीं है। मुख्यमंत्री को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। पुलिस को हमले के बारे में सब कुछ पता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि राजनीतिक दबाव के कारण कार्रवाई नहीं की जा रही है।

गारंटी योजनाओं को लेकर कांग्रेस में गहरा असंतोष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा बजट पेश करने में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं, वहीं गारंटी योजनाओं को लेकर कांग्रेस में तीव्र असंतोष की आवाज उठने लगी है। यदि सरकार पंचखत्री योजनाओं पर निर्भर रहेगी तो कांग्रेस पार्टी को दिल्ली की तरह ही कर्नाटक में भी अगले चुनाव में असफलता का सामना करना पड़ेगा। इसलिए बी.के.हरिप्रसाद समेत वरिष्ठ नेताओं ने बार-बार चेतावनी देना शुरू कर दिया है कि घोषणापत्र में किए गए वादों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। पंचखत्री परियोजनाओं की लागत लगभग 59,000 करोड़ रुपये है, जिससे अन्य विकास कार्यों के लिए कोई धनराशि नहीं बचती। विशेष रूप से विधायक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए धन की कमी होगी और कई लोग खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। नेताओं का तर्क है कि पंचखत्री योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के कारण ही कांग्रेस पार्टी तीन विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल करने में सक्षम हुई। लेकिन ज्यादातर नेता इससे इनकार करते हुए कहते हैं कि अरविंद केजरीवाल देश के पहले नेता हैं जिन्होंने मुफ्त उपहार देना शुरू किया है। लेकिन विधानसभा चुनाव में जनता ने उनका हाथ नहीं थामा। नेता चेतावनी दे रहे हैं कि अगर कांग्रेस पार्टी अभी नहीं जागी तो भविष्य में उसे काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को आगामी बजट में कांग्रेस पार्टी की विचारधाराओं पर आधारित कार्यक्रमों पर अधिक जोर देना चाहिए। कुछ नेता मांग कर रहे हैं कि विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जाए।

सिद्धरामैया लगातार सभी को आश्वस्त कर रहे हैं कि मौजूदा आर्थिक स्थिति में किसी भी अन्य प्रकार के वित्तीय बोझ को संभालना आसान नहीं होगा। जहां कुछ विधायक चुप हो गए हैं और सिद्धरामैया के जवाब में बोलने में असमर्थ हैं, वहीं अन्य विधायक बेशर्मी से अपनी राय व्यक्त करके शर्मिंदगी पैदा कर रहे हैं। सिद्धरामैया, जो इस बार अपना 16वां बजट पेश कर रहे हैं, पर पंचखत्री परियोजनाओं को जारी रखने का दबाव है। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों की मांगों पर भी विचार किए जाने की जरूरत है। अपनी बीमारी के बावजूद सिद्धरामैया ने बजट प्रस्तुति के लिए व्यापक तैयारियां की हैं और हर चीज संभालने का वादा किया है।

अपने मंत्री पद से नाखुश कई नेता अप्रत्यक्ष रूप से पंचखत्री योजनाओं पर हमला कर रहे हैं, जिससे उनकी अपनी पार्टी में अधीरता पैदा हो रही है। एक ओर, केपीसीसी अध्यक्ष के परिवर्तन को लेकर काफी असमंजस की स्थिति है। जहां एक ओर जगह-जगह गुटबाजी और अलग-अलग बैठकें हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर डी.के. शिवकुमार का गुट अंदर ही अंदर अफवाह फैला रहा है कि मुख्यमंत्री बदल जाएगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की हार एक राजनीतिक सबक के रूप में काम करनी चाहिए। पता चला है कि कुछ लोगों ने स्थिति स्पष्ट करते हुए पत्र लिखे हैं, तथा चेतावनी दी है कि यदि कांग्रेस पार्टी केवल पंचखत्री योजनाओं पर निर्भर रही तो वह कर्नाटक में अपनी जमीन खो देगी।

9 विश्वविद्यालयों को बंद करने की योजना शिक्षा पर अंकुश लगाने का प्रयास: प्रहलाद जोशी

शिक्षा हर किसी का मौलिक अधिकार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने स्नातकों के लिए युवा निधि गारंटी की घोषणा करने वाली राज्य कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यह अक्षम्य है कि वह अब ऐसे स्नातकों को तैयार करने वाले विश्वविद्यालयों को बंद करने की योजना बना रही है।

मंत्री ने राज्य मंत्रिमंडल उपसमिति द्वारा प्रदेश में 9 विश्वविद्यालयों को बंद करने के निर्णय पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जहां पिछली भाजपा सरकार के दौरान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रदेश भर में 10 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए थे, वहीं कांग्रेस सरकार उन्हें बंद करके विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के सपने को तोड़ रही है। शिक्षा हर किसी का मौलिक अधिकार है। हालाँकि, राज्य सरकार इसे हटा रही है। एक ओर तो वह युवाओं को आधे-अधूरे मन से वित्त पोषण उपलब्ध करा रही है, वहीं दूसरी ओर वह छात्रों की शिक्षा पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सरकार पर शिक्षा के मौलिक अधिकार का हनन करने का आरोप लगाया। यह निंदनीय है कि राज्य की कांग्रेस सरकार विश्वविद्यालयों को राजस्व का स्रोत और एक वस्तु के रूप में देख रही है। यह सरकार, जो यह बहाना बनाती है कि विश्वविद्यालय वित्तीय और भूमि की कमी से जूझ रहे हैं, वित्तीय कठिनाइयों का सामना करने वाली पहली सरकार है। इसलिए, उन्होंने ऐसी कार्रवाई करने के कदम की आलोचना की। मंत्री जोशी ने सुझाव दिया है कि डीसीएम डी.के. शिवकुमार द्वारा विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित करने से पहले बेहतर होगा कि वे अपनी सरकार और विभागों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित करें। भाजपा सरकार ने राज्य के सभी हिस्सों में उच्च शिक्षा सुलभ बनाने के लिए कुल 10 विश्वविद्यालय स्थापित किए। हालांकिमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार का हासन, मांड्या चामराजनगर, कोडागु, हावेरी, बागलकोट, कोप्पल, महारानी क्लस्टर और नृपतुंगा विश्वविद्यालयों को बंद करने और बीदर विश्वविद्यालय को अकेला छोड़ने का निर्णय इस क्षेत्र के छात्रों का शोषण करने के समान है। इसके अलावा, कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक की तटीय सुरक्षा के लिए आवश्यक ईंधन में कटौती का आदेश दिया है। तटीय सुरक्षा के मुद्दे पर ईंधन में कटौती उनके प्रशासन की विफलता का उदाहरण है।

चुनावों के दौरान, अवैज्ञानिक वादे करके और उन्हें पूरा न करके, कीमतें बढ़ाने की धमकी देकर लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रशासन में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। व्यापक भ्रष्टाचार, विभिन्न घोटाले और अवैज्ञानिक घोषणाएं राज्य को न केवल वित्तीय रूप से बल्कि बौद्धिक रूप से भी दिवालियापन की ओर ले जा रही हैं।

राज्य की कांग्रेस सरकार विश्वविद्यालय की जगह बार बंद करें: आर. अशोक

सरकार व्यवस्थित तरीके से विश्वविद्यालयों को बंद कर रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शनिवार शाम को राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार को बार बंद करने चाहिए, न कि विश्वविद्यालय। विधानसभा में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता ने कहा विश्वविद्यालयों को बंद करने से छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए पड़ोसी राज्यों में जाना पड़ता है। राज्य सरकार को बार बंद करने चाहिए, न कि राज्य के विश्वविद्यालयों को। कांग्रेस सरकार व्यवस्थित तरीके से विश्वविद्यालयों को बंद कर रही है, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने किसान सम्मान और विद्यानिधि जैसी विभिन्न योजनाओं को बंद कर दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार 4 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश कर रही है, लेकिन वे विश्वविद्यालयों के लिए 342 करोड़ रुपये भी आवंटित नहीं कर सकते। उन्होंने कहा अगर वे इतनी राशि वहन नहीं कर सकते, तो बजट क्यों पेश करें? वे 3,000 बार बंद नहीं करेंगे, लेकिन वे विश्वविद्यालयों को बंद कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अब युवाओं को स्नातक करने से रोकने के लिए विश्वविद्यालयों को निशाना बना रही है, जिसके परिणामस्वरूप अंततः युवा निधि योजना को बंद कर दिया गया है। अशोक ने कहा अन्य राज्यों और देशों से छात्र शिक्षा के लिए कर्नाटक आते हैं, लेकिन सरकार मांड्या विश्वविद्यालय को बंद कर रही है और इसकी जगह मनोरंजन पार्क और जल क्रीड़ा सुविधा बना रही है। उन्होंने कन्नड़ भाषी आबादी वाले जिले में शिक्षा की उपेक्षा करने के लिए सरकार की आलोचना की। अशोक ने बताया कि नए शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है, अतिथि व्याख्याताओं को वेतन नहीं मिला है, नई शिक्षा नीति (एनईपी) लागू नहीं हुई है, कक्षाओं की मरम्मत के लिए कोई धन नहीं है और पाठ्यपुस्तकों और वर्दी के लिए कोई बजट नहीं है। इसके अलावा, कोई नया कॉलेज नहीं खोला गया है। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि कर्नाटक के छात्रों को अब शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ेगा। उन्होंने सवाल किया कि कर्नाटक उद्योगों को कैसे आकर्षित कर सकता है, जबकि कंपनियां यहां निवेश करने का एकमात्र कारण कुशल प्रतिभाओं की उपलब्धता है। अशोक ने चेतावनी दी कि विश्वविद्यालयों को बंद करने का निर्णय चामराजनगर, कोप्पल और मांड्या जैसे पिछड़े जिलों को बुरी तरह प्रभावित करेगा, जिन्हें शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय दिए गए थे। उन्होंने पूछा कि इन जिलों के गरीब परिवार अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए कहां भेजेंगे। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि लोग पहले से ही माइक्रोफाइनेंस ऋण के कारण संघर्ष कर रहे हैं, और अब उन्हें अन्य जिलों में शिक्षा के लिए ऋण लेना होगा। उन्होंने भविष्यवाणी की कि प्रभावित समुदाय सरकार के खिलाफ विरोध में उठ खड़े होंगे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण ने कहा कि आठ विश्वविद्यालयों को बंद करना प्रगति के लिए एक झटका होगा। उन्होंने कांग्रेस पर सभी क्षेत्रों में प्रतिगमन का कारण बनने और युवाओं की शैक्षिक आकांक्षाओं को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि सिद्धरामैया ने बजट प्रस्तुति के दौरान बी.आर. अंबेडकर और वचन कवियों को उद्धृत किया, लेकिन अब विश्वविद्यालयों को बंद कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि समान अवसरों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आवश्यक है और कहा कि कई जिलों में वर्षों पहले गठित होने के बावजूद अभी भी समर्पित विश्वविद्यालयों का अभाव है। अश्वथ नारायण ने कहा कि कांग्रेस सरकार धन की कमी के कारण विश्वविद्यालयों को बंद कर रही है। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान, नए पदों का सृजन किए बिना बल्कि मौजूदा पदों को पुनर्वितरित करके विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई थी। उन्होंने 2021 के नामांकन के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कर्नाटक में औसत कॉलेज नामांकन दर 33 प्रतिशत थी, जबकि चामराजनगर में यह केवल 10 प्रतिशत, मांड्या में 15 प्रतिशत और बागलकोट में 16 प्रतिशत थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यह कदम युवाओं को शिक्षा से वंचित करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि विश्वविद्यालयों को राजस्व पैदा करने वाली दुकानों के रूप में नहीं बल्कि शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों के रूप में देखा जाना चाहिए, जो सरकार की जिम्मेदारी है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि बी.आर. अंबेडकर ने शिक्षा को प्राथमिकता दी और कांग्रेस सरकार को केवल मुफ्त चावल देने के बजाय ऐसा ही करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा के लिए 350 करोड़ रुपये आवंटित करने से इनकार करते हुए 4 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रशंसा की, लेकिन राज्य सरकार पर शिक्षा से अधिक अचल संपत्ति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

विश्वविद्यालयों को नष्ट करने की कोशिश

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केंद्र सरकार द्वारा स्थापित जन औषधि (सस्ती दवा) केंद्रों को बंद कर रही है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रेलवे कनेक्टिविटी को 40,000 किलोमीटर तक बढ़ाया है। नारायणस्वामी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह नए विश्वविद्यालयों की घोषणा करने के बजाय भाजपा द्वारा बनाए गए विश्वविद्यालयों को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कांग्रेस को भाजपा द्वारा बनाए गए विश्वविद्यालयों को ध्वस्त करने के बजाय और अधिक विश्वविद्यालय स्थापित करने का संकल्प लेना चाहिए था। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को राजस्व स्रोत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

शिवकुमार का अश्विनी वैष्णव के बयान पर पलटवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के उस बयान पर विरोध जताया है जिसमें उन्होंने कहा था कि शहर में सुरंग सड़कों का निर्माण वैज्ञानिक रूप से संभव नहीं है। अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि सुरंग सड़कों के जरिए यातायात की भीड़ को नियंत्रित करना संभव नहीं है। शिवकुमार ने सवाल उठाया कि यह परियोजना महाराष्ट्र में क्यों की जा रही है। केंद्रीय राजमार्ग और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बेंगलूरु में सुरंग सड़क के निर्माण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। अगर ऐसा है तो अश्विनी वैष्णव विरोध क्यों कर रहे हैं? बेंगलूरु सुरंग परियोजना और अश्विनी वैष्णव के बीच क्या संबंध है? उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अन्य लोगों को अपने-अपने विभागों के काम करने में संबंधित मंत्रियों के साथ सहयोग करना चाहिए। शहर में चल रहे विभिन्न सड़क कार्यों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सड़कें 30 वर्षों तक अच्छी स्थिति में रहें, इसके लिए 1500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। यह कार्य लागत पर किया गया है। अतीत में कई सड़कों पर 150 किमी सफेदी की गई थी। सफेद टॉपिंग कार्य के लिए 1,700 करोड़ रुपये खर्च आएगा। आने वाले दिनों में 450 किमी अतिरिक्त सड़क जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि व्हाइट टॉपिंग कार्य के लिए विस्तृत योजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के तरीकों का उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए बीडब्ल्यूएसएसबी, बीईएससीओएम और यातायात पुलिस सहित विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि ये सड़कें अगले 30 वर्षों तक अच्छी स्थिति में रहेंगी। हमारी प्राथमिकता यह है कि काम की गुणवत्ता अच्छी हो। मैंने स्वयं इसकी जाँच की है। उन्होंने यह भी कहा कि विशेषज्ञों द्वारा निरीक्षण भी कराया जाएगा।

महाकुंभ सनातन सभ्यता की जीवंतता का प्रमाण: धर्मेंद्र प्रधान

महाकुंभ नगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को प्रयागराज के पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने महाकुंभ 2025 में शामिल होने को सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा, हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि महाकुंभ 2025 में भाग लेने का अवसर मिला। हम यहां आकर बेहद खुश हैं।त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान करने के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, महाकुंभ, सनातन सभ्यता, संस्कृति, दर्शन और हमारी शाश्वत परंपराओं की जीवन्तता का प्रमाण है। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की दिव्य धाराओं के संगम में सपरिवार आस्था की डुबकी लगाना मेरा असीम सौभाग्य है। एकता के महाकुंभ में अमृत स्नान मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभूति है। मां गंगा सभी का कल्याण करें, यही कामना है। हर हर गंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रीगण भी उपस्थित रहे। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने भी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया। मंत्रियों ने मां गंगा का विधिवत पूजन कर राष्ट्र और जनकल्याण की कामना की।

महाकुंभ में नागा संतों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए भरी हुंकार

नागा साधुओं ने नदी शुद्धिकरण का संकल्प लिया

महाकुंभनगर, 15 फरवरी (एजेंसियां)। संगम की रेत पर नागा साधुओं ने एकजुट होकर पर्यावरण संरक्षण के लिए हुंकार भरी। इस ऐतिहासिक आयोजन में विभिन्न अखाड़ों के नागा साधुओं ने पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ नदी शुद्धिकरण का संकल्प लिया। नागा संन्यासियों को संबोधित करते हुए वाटर विमन शिप्रा पाठक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर यदि आज हम नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां महाकुंभ के मोक्ष और पुण्य को तरस जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान नागा साधुओं ने संकल्प लिया कि हर व्यक्ति हर वर्ष एक पौधा लगाएगा और उसका संरक्षण करेगा। इस पहल के जरिए देशभर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।अमृतेश्वर महादेव पीठाधीश्वर श्री सहदेवानंद गिरी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जब अध्यात्म और पर्यावरण एक साथ खड़े हैं। वहीं, दिगंबर शक्ति गिरी ने कहा कि इस पहल को पूरे भारत में फैलाया जाएगा। जिससे देश को हरा-भरा बनाया जा सके। महाकुंभ में हुए इस अनोखे संगम ने यह सिद्ध कर दिया कि जब धर्म और पर्यावरण एक साथ आते हैं, तो एक नया जागरण जन्म लेता है।

संतों ने कहा कि नागा साधु केवल तपस्वी नहीं, बल्कि राष्ट्र रक्षकों का इतिहास भी रखते हैं। जब-जब राष्ट्र पर आक्रमण हुआ, नागाओं ने तलवार उठाई है। अब समय आ गया है कि वे त्रिशूल, डमरू और तलवार के साथ यह संदेश दें कि नदियों के दोहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने सपा सुप्रीमो पर साधा निशाना

फ्रस्टेट हो चुके हैं अखिलेश यादव : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, 15 फरवरी (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव फ्रस्टेट हो चुके हैं। विधानसभा उपचुनाव में 10 में से 8 सीटों पर वे बुरी तरह से पराजित हुए हैं।

वे हार के सदमे में हैं। यही कारण है कि महाकुंभ में उमड़ा जनज्वार उन्हें भा नहीं रहा है, जनआस्था उन्हें स्वीकार नहीं हो रही है। उनके मित्र राहुल गांधी इंडियन स्टेट से लड़ने की बात कर रहे हैं। अखिलेश यादव सनातन धर्म से द्रोह कर रहे हैं। भाजपा का विरोध करते करते सनातन धर्म का विरोध करने लगे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में भारत इंफ्रास्ट्रक्चर, नवाचार, अंतरिक्ष विज्ञान समेत हर क्षेत्र में विश्व पटल पर दमदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लाशों पर राजनीति करने वाले लोग हैं। इन्हें प्रभु रामलला की जन्मभूमि पर बना भव्य मंदिर और महाकुंभ भा नहीं रहा है।

पाठक ने कहा कि भारत जब अपनी सांस्कृतिक चेतना को तेजी के साथ दुनिया के पैमाने पर पसारने का काम कर रहा है तो इन्हें अच्छा नहीं लग रहा है। महाकुंभ में भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना के महोत्सव में आस्था और आध्यात्मिक आह्लाद का अनूठा संगम हो रहा है। विश्व सनातन भारतीय संस्कृति और परंपराओं का दर्शन कर रहा है। जाति-पाति, ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी से उठकर करोड़ों लोग डुबकी लगाकर जीवन को धन्य मान रहे हैं। यही अनेकता में एकता और भारत की मजबूती का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कुंभ पहले भी आयोजित होते रहे, लेकिन कभी किसी भी सरकार ने इतना ध्यान नहीं दिया। महाकुंभ का आयोजन ऐसा कार्यक्रम बन गया है, जहां दुनिया भारत की तरफ देख रही है।

महाकुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर संत समाज अभिभूत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों से किया संवाद

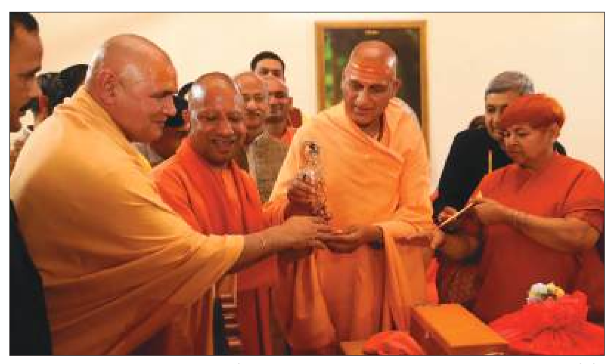

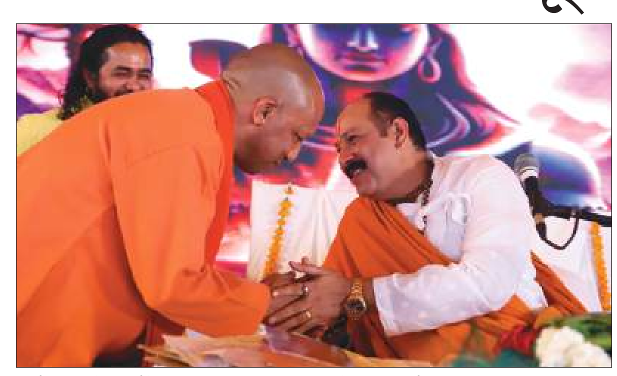

महाकुंभ नगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को प्रयागराज स्थित महाकुंभ नगर पहुंचे, यहां उन्होंने विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया और साधु संतों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने यहां जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी से भेंट कर महाकुंभ की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इसके बाद वे सदाफल आश्रम स्थित स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट पहुंचे, जहां उन्होंने साधु-संतों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने संत समाज के साथ संवाद कर महाकुंभ की व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया और संतों ने योगी सरकार की तैयारियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री सेक्टर 21 में प्रसिद्ध कथावाचक प्रदीप मिश्रा की कथा में शामिल हुए। यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद वे सेक्टर 18 स्थित प्रभु प्रेमी संघ अंबाला शिविर पहुंचे, जहां संतों का सानिध्य प्राप्त किया। महाकुंभ 2025 का यह आयोजन 144 वर्षों के पुण्य संयोग में हो रहा है, जिसमें अब तक करीब 52 करोड़ श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं। दिव्य और भव्य महाकुंभ की सराहना न केवल देशभर के श्रद्धालु कर रहे हैं बल्कि विदेशी पर्यटक भी इसकी भव्यता से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पा रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं और साधु-संतों से संवाद करते हुए कहा कि सरकार ने महाकुंभ की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए हर प्रयास किए हैं। उन्होंने संत समाज और श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में भी धार्मिक आयोजनों को इसी भव्यता और दिव्यता के साथ सम्पन्न किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में स्थिति सामान्य नहीं: महबूबा

श्रीनगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थिति 'सामान्य' नहीं है।

सुश्री मुफ्ती ने श्रीनगर में मीडियाकर्मियों से कहा, अपने मुंह मियां मिट्ठू होने का मतलब यह नहीं है कि कश्मीर में सब कुछ ठीक है। उन्होंने कहा कि कश्मीर के लोग सब कुछ चुपचाप देख रहे हैं और यह मत मानिए कि यह सामान्य स्थिति है।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, कश्मीर में कुछ भी सामान्य नहीं है। अगर स्थिति ठीक होती, तो गृह मंत्री सुरक्षा समीक्षा बैठकें नहीं बुलाते। उपराज्यपाल भी जम्मू में एक और कश्मीर में एक सुरक्षा समीक्षा बैठकें बुला रहे हैं।

उन्होंने कहा, लोगों को उम्मीद थी कि जब चुनी हुई सरकार बनेगी तो कर्मचारियों की बर्खास्तगी में कमी आएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जिन तीन अधिकारियों को बर्खास्त किया गया, उनमें से एक कांस्टेबल फिरदौस था, जो आतंकवादी हमले में घायल हो गया था और उसके शरीर पर 50 टांके लगे थे। वह 2022 से श्रीनगर के पुराने इलाके कमरवारी में रह रहा है और अपने पैतृक घर नहीं गया है।

सुश्री मुफ्ती ने कहा, मैं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अनुरोध करती हूं कि चूंकि उन्हें लोगों ने बड़ा जनादेश दिया है और बड़ी जिम्मेदारी उठानी है, संसद में 2019 में लिए गए नाजायज और असंवैधानिक फैसले पर क्या वह मुहर लगाने जा रहे हैं? अगर ऐसा होता है, तो अनुच्छेद 370 और 35ए का हमारा मामला कमजोर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा में बिजनेस रूल में पीडीपी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद लोन और इंजीनियर राशिद की अवामी इत्तिहाद पार्टी को सदस्य नहीं चुना गया है, इसके बजाय भारतीय जनता पार्टी को चुना गया है। उन्होंने कहा, मैं भाजपा सरकार से कहना चाहती हूं कि 2016 में जम्मू-कश्मीर के अलगाववादियों से बात करने के लिए प्रतिनिधिमंडल यहां भेजा गया था, लेकिन उन्होंने (अलगाववादियों ने) कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और उन्हें लगा कि पथराव या पुलिस थानों और अस्पतालों को जलाने से जम्मू-कश्मीर का मुद्दा हल हो जाएगा..लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा, अगर भारत सरकार जम्मू-कश्मीर को सम्मान के साथ अपने साथ रखना चाहती है, तो दिवंगत पीडीपी संरक्षक मुफ्ती मोहम्मद सैयद द्वारा दिये गये रोड मैप का पालन करें और जम्मू-कश्मीर के लोगों के पास उनकी शिकायतों के निवारण के लिए आने का यह सबसे अच्छा समय है।

सुश्री मुफ्ती ने सरकार से रावलकोट, मुजफ्फराबाद से व्यापार फिर से शुरू करने और जम्मू सियालकोट मार्ग को भी फिर से खोलने का आग्रह किया। उन्होंने बाहरी जेलों में बंद बंदियों और विचाराधीन कैदियों को कश्मीर वापस लाने का आग्रह किया ताकि उनके रिश्तेदार उनसे मिल सकें और निर्दोष लोगों को गिरफ्तार करना बंद किया जा सके।

द्वीपों की सुरक्षा और अवैध अतिक्रमण से निपटने के लिए बेट द्वारका में सैन्य अभ्यास जल-थल-रक्षा 2025 का आयोजन

द्वारका (गुजरात),16 फरवरी (एजेंसियां)। द्वारका और उसके आस-पास के द्वीपों में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, खासकर हाल ही में हुए अवैध अतिक्रमणों के जवाब में, बेट द्वारका में जल-थल-रक्षा 2025 नामक सैन्य अभ्यास का आयोजन किया गया। बड़े पैमाने पर किए गए इस अभ्यास में 11 अहमदाबाद और 31 जामनगर सेना इकाइयों के साथ-साथ भारतीय तटरक्षक और समुद्री पुलिस ने भी भाग लिया।सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल अमोल अवाटे ने अभ्यास के बारे में विस्तार से बताया और कहा, द्वारका और उसके आस-पास के द्वीपों की सुरक्षा और हाल ही में हुए अवैध अतिक्रमण को ध्यान में रखते हुए, भारतीय सेना ने जल-थल-शक्ति अभ्यास 2025 का आयोजन किया। इसमें 11 अहमदाबाद, 31 जामनगर, भारतीय तटरक्षक और समुद्री पुलिस ने भाग लिया।उन्होंने कहा, इस अभ्यास की निगरानी देवभूमि द्वारका के जिला प्रशासन, वन विभाग, गुजरात ऊर्जा के समुद्री बोर्ड, एनएसजी द्वारा की गई। अभ्यास के दौरान, यह अभ्यास किया गया कि आतंकवादी हमले या युद्ध के दौरान सरकारी विभागों और अर्धसैनिक बलों और रक्षा बलों के बीच किस तरह का समन्वय होना चाहिए। अभ्यास के एक वीडियो में सुरक्षा कर्मियों को होवरक्राफ्ट के माध्यम से तट पर तैनात किया गया, जहाँ उन्होंने महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को सुरक्षित करने और संभावित भूमि-आधारित खतरों का जवाब देने का अभ्यास किया।

इससे पहले, भारतीय सेना के सैनिकों ने हाल ही में एक्स विंग्ड रेडर नामक एक व्यापक प्रशिक्षण अभ्यास में भाग लिया। अभ्यास में विशेष हवाई अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें उच्च स्तर की परिचालन तत्परता और अंतर-सेवा समन्वय का प्रदर्शन किया गया। एक विज्ञप्ति के अनुसार, अभ्यास में फिक्स्ड-विंग और रोटरी-विंग दोनों विमानों से विभिन्न हवाई प्रविष्टि तकनीकों का पूर्वाभ्यास शामिल था, जिससे भाग लेने वाले कर्मियों के कौशल में वृद्धि हुई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गार्ड ऑफ चेंज समारोह के नए प्रारूप का अवलोकन किया

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में नए प्रारूप में गार्ड ऑफ चेंज समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम का अवलोकन किया।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह समारोह अगले शनिवार यानी 22 फरवरी से बड़ी संख्या में आगंतुकों के लिए खुला रहेगा, जिसमें लोग राष्ट्रपति भवन की पृष्ठभूमि में एक गतिशील दृश्य और संगीत प्रदर्शन देख सकते हैं।

राष्ट्रपति के अंगरक्षक दल की टुकड़ियों और घोड़ों तथा पारंपरिक गार्ड बटालियन की टुकड़ियों के साथ-साथ पारंपरिक सैन्य ब्रास बैंड बड़े क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम के नए प्रारूप का हिस्सा हैं।

आगंतुक इस कार्यक्रम को देखने के लिए राष्ट्रपति भवन की साइट पर अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं।

इंडोनेशिया में भारतीय नौसेना की धमक

अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू में भाग लेने पहुंचे आईएनएस शार्दुल और पी-8आई विमान

नई दिल्ली,16 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस शार्दुल और लंबी दूरी की समुद्री निगरानी पी-8आई विमान इस समय अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू (आईएफआर) में हिस्सा लेने के लिए इंडोनेशिया के बाली पहुंच गए हैं। प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय नौसैनिक कार्यक्रम की समीक्षा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति करेंगे और इसमें विभिन्न देशों के नौसेना बल भाग लेंगे। इंडोनेशियाई नौसेना का अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू 22 फरवरी तक चलेगा।

भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा संगोष्ठी और सामरिक फ़्लोर गेम्स सहित विभिन्न उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों में भी भाग लेगी। इसके अतिरिक्त चालक दल बहुराष्ट्रीय गतिविधियों जैसे- शहर परेड, मूंगा और मैंग्रोव पौधरोपण, समुद्र तट की सफाई में भी शामिल होगा, जो पर्यावरण संरक्षण और समुद्री सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। आईएफआर के बाद आईएनएस शार्दुल और पी-8आई अभ्यास कोमोडो में भाग लेंगे। यह बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है, जिसका उद्देश्य समुद्री अंतर-संचालन और क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना है।

भारत और इंडोनेशियाई नौसेना के मजबूत संबंध हैं, क्योंकि पिछले माह जनवरी में इंडोनेशिया में हुए अभ्यास 'ला पेरोस' में आईएनएस मुंबई और पी-8आई विमान ने भागीदारी की थी। इस बार गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो के साथ उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारत आया था।

इसी हिस्से के रूप में इंडोनेशियाई नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ एडमिरल मुहम्मद अली भी भारत यात्रा पर आये थे। इस अभ्यास में भारतीय नौसेना की नियमित भागीदारी क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) को बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय नौसेनाओं के साथ जुड़ने की भारतीय प्रतिबद्धता की पुष्टि है।

कुंभ की आस्था और जलवायु सम्मेलन का शुभारंभ

प्रलय की प्रतीक्षा न करें, धरती को हराभरा बनाएं : सीएम योगी

महाकुंभ नगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज महाकुंभ में कुंभ की आस्था और जलवायु परिवर्तन विषयक जलवायु सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य ही केवल इस सृष्टि का एकमात्र जीव नहीं है। जीव जंतुओं का जीवन चक्र मनुष्य के साथ और मनुष्य का जीवन चक्र उनके साथ जुड़ा हुआ है। उनका अस्तित्व रहेगा तो हमारा भी अस्तित्व रहेगा और यदि उन पर संकट आएगा तो हमारे अस्तित्व पर भी संकट आएगा।

उन्होंने कहा कि हम प्रलय की प्रतीक्षा ना करें, बल्कि अभी से धरती को हरा भरा बनाएं। कुंभ का भी यही संदेश है। हम सबको आस्था के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के कारकों पर भी विचार करते हुए उसके निवारण का उपाय करना होगा। उन्होंने कहा कि जीव सृष्टि और जंतु सृष्टि के संरक्षण के साथ ही मानव सृष्टि की सुरक्षा और संरक्षण हो पाएगा। इस दौरान सीएम योगी ने दिल्ली में हुई घटना पर अफसोस जताते हुए सभी पुण्य आत्माओं के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में जब जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं तो एक-दूसरे पर दोषारोपण होने लगता है। यही स्थिति महाकुंभ में भी देखने को मिल रही है। एरियल सर्वे में देख रहा था कि पार्किंग की जगह खाली है, लेकिन हर व्यक्ति सड़क पर अपनी गाड़ी खड़ी करके संगम स्नान को जा रहा है। अगर वही व्यक्ति पार्किंग के स्थान पर अपना वाहन पार्क करे तो हो सकता है कि उसे 100 मीटर ज्यादा पैदल चलना पड़े, लेकिन सड़क पर कहीं जाम नहीं होगा और आसानी से वह संगम में स्नान कर सकेगा। उन्होंने कहा कि इस जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए हम सब कहां भागीदार हैं, इसके बारे में चिंतन करना और उसे अपने व्यवहारिक जीवन में उतारना, यह सचमुच महाकुंभ का हिस्सा बनना चाहिए। इसे हर किसी को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

सीएम योगी ने कहा कि 13 जनवरी से लेकर 16 फरवरी के बीच 52 करोड़ श्रद्धालु मां गंगा, यमुना और मां सरस्वती की इस पावन त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। 52 करोड़ लोग तब यहां डुबकी लगा पा रहे हैं, जब मां गंगा, यमुना और मां सरस्वती की कृपा से यहां अविरल जल उन्हें मिल पा रहा है। तभी तो यहां डुबकी लगा रहा है उसे आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव मिल रहा है। इस अनुभव को जब वह अपने गांव में और आसपास के क्षेत्र में साझा कर रहा है, तभी वहां से बड़े पैमाने पर श्रद्धालु यहां आकर इस पूरे आयोजन को सफलता की नई ऊंचाई तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको सोचना होगा की कार्बन उत्सर्जन और पर्यावरण के प्रदूषण का कारण जलवायु परिवर्तन है। जलवायु परिवर्तन का ही कारण है कि धरती माता की धमनियों के रूप में जिन नदियों को अविरल बहना चाहिए था वह सूखती जा रही हैं। अनुमान कीजिए, अगर शरीर की रक्त धमनियां सूख गई तो शरीर की स्थिति क्या होगी। अगर धरती माता की धमनियां सूख गईं या प्रदूषित हो गई तो जिन धमनियों से रक्त का प्रवाह होना चाहिए उसकी क्या स्थिति होगी।

सीएम योगी ने कहा कि धरती माता के साथ खिलवाड़ न हो, इसको ध्यान में रखते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक को प्रतिबंधित किया गया है। उत्तर प्रदेश में पिछले 8 वर्षों के अंदर हमारी सरकार ने 210 करोड़ वृक्षारोपण किया है। वन विभाग के द्वारा जो वृक्ष लगाए गए हैं उसमें 70 से लेकर 80 फीसदी पौधे सुरक्षित हैं। वहीं विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से जो वृक्षारोपण हुआ है उसमें भी 60 से 70 फीसदी पौधे सुरक्षित हैं। डीजल से चलने वाली बसों के स्थान पर इलेक्ट्रिक बसों को प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए पॉलिसी बनाई और अनेक कार्यक्रम बढ़ाए गए हैं। मर चुकी नदियों को फिर से पुनर्जीवित करने का काम किया। आज जो संगम में इतना पावन स्नान एक साथ एक दिन में करोड़ों लोग कर पा रहे हैं। जितनी भीड़ कभी मौनी अमावस्या को जुटती थी उतनी भीड़ हर दिन हो रही है। नदियों को चैनेलाइज किया गया। संगम क्षेत्र का दायरा बढ़ाया गया। संगम में हर समय 10 हजार से 11 हजार क्यूसेक जल हमेशा मौजूद रहे इसको सुनिश्चित किया गया।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार अपने स्तर पर कार्य कर रही है, लेकिन हमारा भी प्रयास होना चाहिए कि हम भी इसमें कैसे भागीदार बन सकते हैं। दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग करना क्या हम रोक पाएंगे, क्या नदियों पर कब्जा करना और प्रदूषण करने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण कर पाएंगे, वन्य जीवों के प्रति क्या हमारे मन में भी संवेदना जागृत होगी, क्योंकि जैसे हमारा जीवन चक्र है ऐसे ही धरती माता का भी अपना एक जीवन चक्र है। हम दोनों को एक साथ जोड़ करके देखेंगे तब यह सृष्टि रहेगी। एक पेड़ मां के नाम, एक पेड़ आस्था के नाम लगाने के क्रम में हम भी सहभागी बन सकें। इस अवसर पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, परमार्थ आश्रम के प्रमुख स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनि, जगद्गुरु स्वामी मुकुंदानंद, वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना एवं राज्य मंत्री केपी मलिक समेत विधायक व अधिकारी उपस्थित रहे।

महाकुंभ में त्रिजटा स्नान करके स्वयं को धन्य माना

कई राजनीतिक दिग्गजों ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर, 15 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ-2025 में हर एक क्षण विशिष्ट है और हर एक दिन का अपना महत्व है जिसका साक्षात्कार करने दुनिया भर से सनातनी खंचे चले आ रहे हैं। शनिवार को फाल्गुन कृष्ण तृतीया के अवसर पर एक ओर दंडी स्वामियों का त्रिजटा स्नान सम्पन्न हुआ, वहीं इस दिन के विशेष महत्व को देखते हुए राजनीति जगत के दिग्गजों का तांता भी महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगा रहा। शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पत्नी सोनल शाह ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया। वहीं, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने पत्नी के साथ स्नान करके संगम स्नान को पूर्ण किया। केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह और चिराग पासवान ने भी शनिवार को आस्था की डुबकी लगाई। उनके अतिरिक्त, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कांग्रेस के सांसद व बीसीसीआई सचिव राजीव शुक्ला, अपर्णा यादव तथा महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश नारायण राणे ने भी शनिवार को महाकुंभ के अंतर्गत आस्था की पवित्र डुबकी लगाकर खुद को धन्य माना। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए यह बेहद सुखद क्षण है। महाकुंभ का साक्षी बनना और स्नान करना बेहद सौभाग्य की बात है। योगी सरकार शानदार काम कर रही है, उनके अतिरिक्त इस प्रकार का वृहद आयोजन संभव नहीं है। सीएम योगी और पीएम मोदी की डबल इंजन की जोड़ी ही इतने वृहद स्तर पर इतना भव्य आयोजन करना सकती है। केंद्री मंत्री की पत्नी लक्ष्मी पुरी ने कहा, महाकुंभ के इस अवसर पर आकर अलौकिक आनंद प्राप्त हो रहा है। यहां की व्यवस्थाएं भी उतनी ही भव्य व दिव्य हैं जितना इस परम पवित्र स्थान का महत्व है।

केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने कहा, मैं मानता हूं कि हम अपने जीवन में इस महाकुंभ के साक्षी बनने के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। यहां आना एक अद्भुत अनुभव रहा है। यहां की व्यवस्थाएं सराहनीय हैं। महाकुंभ में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में इस तरह की उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं, चाहे वह राम मंदिर का अभिषेक समारोह हो, महाकुंभ हो या अनुच्छेद 370 को हटाना हो। यहां फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाए गए हैं, जो स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, महाकुंभ में पूरे परिवार के साथ पूरी श्रद्धा के साथ आया हूं। लंबे समय से मन में इच्छा थी कि इस महासमागम का हिस्सा बनूं। भगवान सभी के जीवन में खुशियां दे, तरक्की दे। हमारा देश-प्रदेश खुशहाल बने और प्रधानमंत्री मोदी का सपना साकार हो इसी कामना के साथ हम आए हैं। जिस प्रकार स्थानीय प्रशासन के द्वारा और सीएम योगी द्वारा स्वयं मॉनिटरिंग इतनी बड़ी व्यवस्था को सफल बनाया वह अनुकरणीय है। इतनी बड़ी व्यवस्था को लागू कराना आसान काम नहीं है, बावजूद इसके सभी व्यवस्थाएं बहुत बेहतर रहीं। कांग्रेस नेता व सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, यह एक अद्भुत अनुभव है। यह एक आध्यात्मिक आयोजन है। करोड़ों लोग बिना किसी निमंत्रण के कुंभ में आते थे, यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। मैं भी बचपन से ही इस आयोजन में आता रहा हूं। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा बिष्ट यादव ने कहा, महाकुंभ बहुत दिव्य है। यहां प्रधानमंत्री मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से बड़ी संख्या में लोग त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं।

महामहिम ने महाकुंभ में लगाई हाजिरी

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने त्रिवेणी संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभनगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

तीर्थराज प्रयागराज में महाकुंभ-2025 के महासमागम में रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रविवार को उन्होंने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और महाकुंभ में सम्मिलित होने के अवसर को उन्होंने विशिष्ट बताया। त्रिवेणी संगम में स्नान के साथ ही बड़े हनुमान मंदिर, अक्षयवट और सरस्वती कूप में विधिवत दर्शन-पूजन व अर्चन किया। महाकुंभ में डुबकी लगाकर अभिभूत हुईं राज्यपाल ने कहा यह एक अलग प्रकार का दिव्य अनुभव है जो वर्षों तक स्मृतियों में रहेगा। उन्होंने कहा कि डुबकी लगाने के बाद

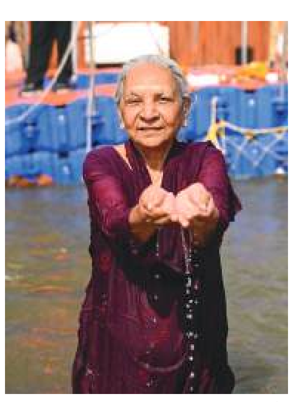

एक विशिष्ट प्रकार का अनुभव हो रहा है जो तीर्थराज प्रयागराज की आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर रहा है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तीर्थराज प्रयागराज न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि सारे देश और विश्व की आस्था के केंद्र में है। ऐसे में, देश-दुनिया से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु यहां आ रहे हैं। इस सारी व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए योगी सरकार और स्थानीय प्रशासन बधाई का पात्र है। उन्होंने प्रयागराज आकर विभिन्न घाटों पर स्नान करने वाले स्नानार्थियों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार सुव्यवस्थित तरीके से लोग स्नान करके अपने गंतव्य स्थलों को जा रहे हैं वह अद्भुत है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रविवार को प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचीं। एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर के जरिए वह डीपीएस अरैल पहुंचीं जहां रिजर्व्ड हेलिपैड पर उनका हेलिकॉप्टर उतरा। यहां से अरैल घाट से मोटर फ्लोटिंग जेटी के जरिए वह त्रिवेणी संगम पहुंचीं जहां उन्होंने विधिवत स्नान व पूजन-अर्चन किया। इसके बाद मोटर फ्लोटिंग जेटी के जरिए उन्होंने किला घाट पहुंचकर अक्षयवट का पूजन-अर्चन किया। इसके उपरांत, सरस्वती कूप व बड़े हनुमान मंदिर में भी उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन किया।

यूपी ने कठिन कार्य को सरलतापूर्वक संभव बनाया: नितिन गडकरी

नितिन गडकरी ने परिवार के साथ संगम में लगाई डुबकी

महाकुंभनगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

तीर्थराज प्रयागराज में महाकुंभ-2025 के महासमागम की दिव्यता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। प्रतिदिन यहां दिग्गजों का तांता लगा रहता है जो पुण्य की डुबकी लगाकर खुद को धन्य मानते हैं। इसी क्रम में, रविवार को केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पत्नी व परिवार समेत त्रिवेणी संगम में स्नान करके खुद का जीवन धन्य माना। प्रयागराज एयरपोर्ट पे पहुंचने के बाद सीएम योगी ने उनका स्वागत कर अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया। इसके उपरांत, गडकरी त्रिवेणी संगम पहुंचे जहां उन्होंने पत्नी व परिवार के साथ विधिवत स्नान व पूजन-अर्चन किया। गडकरी त्रिवेणी संगम में स्नान कर अभिभूत दिखे और यह प्रसन्नता उनके चेहरे पर

स्पष्ट रूप से देखी जा सकती थी। उन्होंने योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इतने बड़े पैमाने पर होने वाले कार्यक्रम के लिए इतनी अच्छी व्यवस्था की है जो सरल नहीं है। उनके अनुसार, यह प्रयास कड़ी मेहनत का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन ने काफी मेहनत की है जो स्पष्ट तौर पर दिख रही है।

यही कारण है कि देशभर से लोग इस महासमागम में आने को लेकर उत्साहित व आनंदित हैं और खुद आकर यहां मिल रही अभूतपूर्व व्यवस्था का साक्षात्कार करना चाहते हैं।

गडकरी ने त्रिवेणी स्नान को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि महाकुंभ महापर्व देश भर की आस्था का केंद्र है। यही कारण है कि देशभर से लोग यहां गाड़ी लेकर आ रहे हैं। गडकरी ने बताया कि मेरे शहर नागपुर से भी हजारों लोग गाड़ियां लेकर यहां आए हैं। मेरे साथ कैबिनेट के सहयोगी भी साथ आए हैं। यहां के प्रशासन, पुलिस व कर्मचारियों ने अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की हैं। मां गंगा में आशीर्वाद हम सबको प्राप्त हो। निश्चित रूप से विश्व के कल्याण हो, सबका कल्याण हो यही हमारी भावना है। गडकरी ने त्रिवेणी संगम में पत्नी व परिवार के साथ स्नान किया और गंगा जल का आचमन कर सबके कल्याण की प्रार्थना की। घाट पर स्नान करने जुटी स्नानार्थियों की भारी भीड़ का उन्होंने अभिवादन भी किया। इस दौरान औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी व परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी उपस्थित रहे। गडकरी ने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी स्नान व पूजन की वीडियो व तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, प्रयागराज... हर हर गंगे। प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान व पूजन-अर्चन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, पवित्र निर्मल मां गंगा का आशीर्वाद मिला। गडकरी ने सीएम योगी से मुलाकात का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया और लिखा कि महाकुंभ में पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज आगमन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज हवाई अड्डे पर स्वागत किया।

महाकुंभ का कीर्तिमान, सनातन की अद्भुत सुनामी

महाकुंभ में पहुंचे 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालु

महाकुंभ नगर, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

पावन संगम की धर्मधरा में धर्म, अध्यात्म एवं आस्था के महासंगम प्रयागराज महाकुंभ में रविवार तक करीब 52 करोड़ लोग पुण्य स्नान कर चुके हैं। मात्र 33 दिनों में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन से इतिहास बन गया है। यह भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय एकता की मिसाल है। सनातन के इस विराट दर्शन के अलग-अलग निहितार्थ साधु समाज, धर्माचार्य और शोध संस्थान बता रहे हैं।

संगम नगरी प्रयागराज की धरती पर 13 जनवरी से आयोजित हो रहा दिव्य-भव्य व नव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम महाकुंभ 2025 इतिहास रच चुका है। महाकुंभ के समापन के पूर्व ही 33 दिनों में 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम की है। साधु संत और धर्माचार्य

इस उपलब्धि को सनातन की बता रहे हैं। सनातन धर्म के ध्वज वाहक 13 अखाड़ों में सबसे पहले अस्तित्व में आए श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी का कहना है कि महाकुंभ में उमड़ा जन आस्था का यह सैलाब सनातन धर्म की सुनामी है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि यह महाकुंभ धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी सहभागिता बन गया है।

भारत के इस बिराट समागम में महाकुंभ के समापन के 12 दिन पहले ही 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अबतक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। महाकुंभ की सहभागिता पर शोध कर रही विभिन्न शोध संस्थानों ने इसे लेकर अपने अपने तथ्य पूर्ण विश्लेषण किए हैं। महाकुंभ और तीर्थ स्थलों पर शोध कर रहे सरस्वती पत्रिका के संपादक और प्रयाग गौरव पुस्तक के लेखक रवि नंदन सिंह बताते हैं कि सत्ता और संस्कृति हमेशा से एक दूसरे को प्रभावित करते रहे हैं। सनातन को केंद्र में रखकर चल रही सत्ता की अभिव्यक्ति भी इस महा कुंभ में हुई है। दिव्य,भव्य और डिजिटल महाकुंभ के केंद्र में सनातन और युवा दोनों थे। डिजिटल महाकुंभ के संकल्प से तकनीकी और युवाओं की निकटता बढ़ी। जो युवा पूर्व की सत्ता में धर्म और सनातन को लेकर उदासीन या निरपेक्ष था अब उत्सुकतावश वह सनातन को निकट से देखने महाकुंभ आया। इस तरह सत्ता में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का हिंदुत्व और सनातन का चेहरा युवाओं के लिए नया सोसाइटी का फेस बन गया। तीर्थ स्थलों पर शोध और अध्ययन करने वाली संस्था पिलग्रिम सोसाइटी ऑफ इंडिया के प्रो डीपी दुबे भी मानते हैं कि महाकुंभ के इस नए कीर्तिमान के केंद्र में युवा सनातन नेतृत्व का एक बड़ा चेहरा है।

भोजन के बाद क्यों खाते हैं सौंफ, पान

स्वस्थ शरीर के लिए पाचन का सही होना जरूरी है। यदि पाचन तंत्र में कोई गड़बड़ी होती है तो शरीर में कई तरह की समस्याएं सामने आती हैं। मसलन गैस्ट्रिक, एसिडिटी, कब्ज, डायरिया, अपच, बदहजीम आदि। कुछ घरेलु नुस्खों को अपनाकर पेट को गैस और अपच से छुटकारा दिला सकते हैं। खाना खाने के बाद कुछ चीजों के सेवन से पाचन में काफी सहायता मिलती है। साथ ही, ये माउथ फ्रेशनर का भी काम करता है।

- एक कप पानी में सौंफ, इलायची और अदरक व एक चुटकी हींग अच्छी तरह से मिक्स करें। पेट में गैस बनने से रोकने के लिए हर बार खाना खाने के बाद एक टुकड़ा अदरक चबाना न भूलें।
- कब्ज की समस्या होने पर सौंफ का सेवन करें। सौंफ का सेवन पाचन और कब्ज से निजात दिलाने में काफी मददगार है।
- अगर आपके मुंह से हमेशा बदबू आती रहती है तो आप इलायची का ज्यादा इस्तेमाल करें। इलायची मुंह की बदबू हटाने में सबसे कारगर साबित होती है और इलायची व पुदीनायुक्त पान चबाने से भी मुंह की बदबू से निजात मिलती है।
- खाना खाने के बाद इलायची का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व खाने को पचाने में मदद करते हैं। साथ ही इसके रासायनिक गुण की वजह अंदरुनी जलन में भी राहत मिलती है। अगर आपको लगातार उल्टी जैसा महसूस हो रहा हो तो भी आप छोटी इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- इलायची के रासायनिक गुण शरीर में मौजूद फ्री-रेडिकल और दूसरे विषैले तत्वों को दूर करने का भी काम करता है। इससे रक्त भी साफ होता है।
- कफ की समस्या होने पर अदरक युक्त चाय पिएं। इसका सेवन करने से ठंड की वजह से गले में खराश और कफ की समस्या से निजात मिलती है। मधु के साथ अदरक के छोटे टुकड़े को चबाकर भी इसमें आराम मिलता है।
- पान कई बीमारियों का नाश करता है। यदि आप केवल पान के पत्ते का इस्तेमाल करते है तो यह काफी लाभकारी हो सकता है। इसे खानें से गंभीर से गंभीर बीमारियों से निजात मिल सकता है। इसमें कई तरह के एंटीसेप्टिक गुण छिपे हैं।
- पान के पत्ता का वैसे माउथ फेशनर की तरह इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन इसे चबाने से हमारें लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। जब हम इसे चबा कर खाते है तब हमारी लार ग्रंथि पर असर पड़ता है। इससे सलाइव लार बनने में मदद मिलती है। जो हमारी पाचन तंत्र के लिए बहुत ही जरुरी है। अगर आपने भारी भोजन भी कर दिया है उसके बाद आप पान खा लें। इससे आपको भोजन आसानी से पच जाएगा।
- पान के पत्तों में कई ऐसे यौगिक होते हैं जो सांसों में बदबू को खत्म करता है। इसके अलावा पान में लौंग, सौंफ, इलायची जैसे विभिन्न मसाले मिलने से ये एक बेहतरीन माउथ-फ्रेशर भी बन जाता है।
- अगर आपको मसूड़ों में गांठ, सूजन जा फिर खून आ रहा हो तो इसके लिए पान के पत्तों को पानी में उबालकर उन्हें मैश कर लें। इन्हें मसूड़ों पर लगाने से खून बहना बंद हो जाता है।
- पान के पत्ते के रस को गैस्ट्रोप्रोटेक्टिव गतिविधी के लिए भी जाना जाता है जिससे गैस्ट्रिक अल्सर को रोकने में मदद मिलती है।
- इसका आयुर्वेद में बाल तोड़ फोड़े-फुंसी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पान के पत्ते गरम करके उसमें आरंडी का तेल लगाकर फोड़े पर लगाने से आराम मिलता है।
- पान के पत्ते के डंठल को आरंडी के तेल में मिलाकर खाने से कब्ज से राहत पाई जा सकती है। इसके अलावा पान के पत्ते के साथ फ्लैक्सीड, त्रिफला और नींबू के सेवन से भी कब्ज का इलाज किया जा सकता है।

पेनकिलर है हानिकारक

जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर आते हैं जब हमें पेनकिलर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। विशेषत आस्टियो-आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाओं का सेवन करने की आदत हो जाती है। ऐसे मरीजों को यदि हृदय रोग भी हो तो ये दवाएं उनके लिए बहुत खतरनाक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त अधिक मात्रा में या पेनकिलर का अधिक सेवन हमारे गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर सकता है।

दिल की हिफाजत के लिए पैदल चलें

आपने बुजुर्गों को अकसर यह कहते सुना होगा कि पैदल चलना सेहत के लिए अच्छा है। अब तो विज्ञान ने भी इसे सच साबित कर दिया है। शोधकर्ताओं के अनुसार भारतीय जीवनशैली में आने वाले बदलाव की वजह से अगले दो दशकों में यहां हृदय रोग के बढ़ने की आशंका है। इस नतीजे पर पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने लगभग चार हजार प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया।

एलर्जी के कितने रूप

एलर्जी तब होती है, जब शरीर किसी पदार्थ के प्रति प्रतिक्रिया करता है। एलर्जी को हल्के में लेना सेहत के लिए भारी पड़ सकता है, लेकिन कुछ सजगताएं बरतकर एलर्जी से बचा जा सकता है। फिर भी अगर कोई शख्स एलर्जी से ग्रस्त हो ही गया, तो उसका इलाज संभव है ...

देश में लगभग 25 फीसदी जनसंख्या एक या एक से अधिक एलर्जी से संबंधित रोगों से ग्रस्त है। वे पदार्थ जिनके कारण शरीर में प्रतिक्रिया होती है, एलर्जन कहलाते हैं। एलर्जी के विभिन्न प्रकार होते हैं। एटॉपिक डर्मेटाइटिस यह भी एलर्जी का एक प्रकार है, जिसमें त्वचा में सूजन आ जाती है। यह समस्या उन लोगों में ज्यादा पाई जाती है, जिनके परिवार के अन्य सदस्यों में भी एलर्जी के लक्षण पाए जाते हैं।

खाद्य पदार्थों से होने वाली एलर्जी

इस तरह की एलर्जी में हमारे शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) भोजन में शामिल किसी खास प्रोटीन के प्रति अतिसंवेदनशीलता प्रकट करता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की थोड़ी-सी मात्रा खाने से एलर्जी के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। कुछ खास खाद्य एलर्जन्स में दूध, अंडे, मछली और अन्य मांसाहारी भोजन, सोया, प्रिजर्वेटिव्स, फास्टफूड्स और गेहूं भी शामिल हैं। फूड इनटॉलरेन्स और फूड एलर्जी में एक खास अंतर यह होता है कि एलर्जी में प्रतिरक्षा तंत्र एक अनावश्यक प्रतिक्रिया प्रकट करता है, जो उस खाद्य पदार्थ में शामिल किसी खास प्रोटीन के कारण होता है। दूसरी ओर फूड इनटॉलरेन्स किसी पाचक एन्जाइम की कमी के कारण होता है।

लेटेक्स एलर्जी

लेटेक्स रबर के पौधे से स्त्रावित दूध जैसा दिखने वाला चिपचिपा द्रव होता है, जिसमें कुछ रसायन मिलाकर रबर का निर्माण किया जाता है। इसका इस्तेमाल दस्ताने, गुब्बारे, रबर बैन्ड, इरेजर व खेल के सामान बनाने में किया जाता है। इस तरह की एलर्जी उन लोगों में ज्यादा देखने को मिलती है, जो लेटेक्स की बनी चीजें ज्यादा उपयोग में लाते हैं। उदाहरण के तौर पर डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों को संक्रमण से बचाव के लिए लेटेक्स से बने दस्ताने पहनने होते हैं।

ऐसे लोगों में यह एलर्जी ज्यादा देखी गई है। लेटेक्स एलर्जी से पीड़ित 50 फीसदी लोगों में अन्य तरह की एलर्जी भी देखी गयी है। ऐसे लोगों में खाद्य एलर्जी भी तुलनात्मक रूप से ज्यादा होती है। परफ्यूम, इत्र और रसायन कुछ लोगों को सुगंधित स्प्रे, इत्र, व रसायनों से भी विभिन्न प्रकार की एलर्जी हो जाती है।

खिलौनों से एलर्जी- विशेषतः सॉफ्ट टॉयज और फर वाले टेडी बियर से बच्चों में त्वचा की एलर्जी व दमा की शिकायत हो जाती है।

त्वचा की एलर्जी के मुख्य लक्षण

- त्वचा पर खुजली होना।
- बार-बार त्वचा का संक्रमण।
- शरीर के जोड़ों वाले भागों पर ज्यादा असर होना।
- रोग का पारिवारिक इतिहास।
- त्वचा पर पपड़ी का जमना।
- मुंह के कोनों का फटना।
- हाथ या पैर में खुजली होना।

दवाओं से एलर्जी

दवाओं से एलर्जी के प्रभाव का दायरा काफी बड़ा है। हर व्यक्ति के शरीर पर इसके अलग-अलग असर देखने को मिल सकते हैं। किसी व्यक्ति के शरीर पर चकत्ते और खुजली हो सकती है, वहीं दूसरे को कोई दिक्कत न हो ऐसा भी संभव है। इस तरह की एलर्जी कुल होने वाली एलर्जी का 5 से 10 फीसदी होती है। कुछ दवाओं के प्रति एलर्जी ज्यादा देखी जाती है।

एंटीबॉयोटिक्स में जैसे पेंसिलीन, दर्द निवारक दवाएं, मिर्गी के दौरों की दवाएं और कीमोथेरेपी (कैंसर की दवाएं)। दवाओं से होने वाली गंभीर प्रकार की एलर्जी के लक्षणों में उल्टी से लेकर बालों का झड़ना, पेट खराब होना और दस्त आदि शामिल हैं। कई बार ब्लड प्रेशर के इलाज में दी जाने वाली कुछ दवाओं के एंजाइम से खांसी, चेहरे और जीभ में सूजन जैसे लक्षण प्रकट हो जाते हैं।

डायग्नोसिस

त्वचा परीक्षण: ये परीक्षण एलर्जी उत्पन्न करने वाले पदार्थ की पहचान के लिए किए जाते हैं।

रक्त परीक्षण: रक्त में विशिष्ट एंटीबॉडी से संबंधित परीक्षण किया जाता है।

इनविट्रो परीक्षण: फूड एलर्जी की संभावना का पता करने के लिए किया जाता है।

कीटों के डंक से एलर्जी हममें से अनेक लोग मधुमक्खियों और बर्र के डंक की पीड़ा बर्दाश्त कर चुके हैं और तब आपको यह भी ध्यान जरूर होगा कि उस जगह पर किस तरह से तीखी पीड़ा के साथ लालिमा और सूजन आ जाती थी। जो लोग इस तरह की एलर्जी से पीड़ित होते हैं, उनमें यह स्थिति और ज्यादा गंभीर हो जाती है। अन्य गंभीर लक्षणों में चेहरे, गले और जीभ पर सूजन, सांस लेने में दिक्कत, शरीर में भारीपन, पेट में मरोड़, जी मिचलाना और शरीर में चकत्ते व खुजली आदि को शुमार किया जाता है। पालतू जानवरों से एलर्जी पालतू जानवरों के रोएं, रूसी, लार और पेशाब में पाए जाने वाले पदार्थ एलर्जी पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा इन जानवरों के रोएं में एकत्र होने वाले परागकण और फफूंद के बीजाणु (स्पोर्स) भी एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इस तरह की एलर्जी के लक्षणों में छींके आना, खुजली होना, आंखों से पानी आना और अस्थमा तक के लक्षण शामिल हैं। पालतू जानवरों की उपस्थिति अन्य किस्म की एलर्जी से पीड़ित लोगों में लक्षणों की तीव्रता बढ़ाने का कारण बन सकती है।

उपचार

एलर्जी का इलाज काफी लंबा चलता है। इसलिए रोगी को धैर्यपूर्वक इलाज कराना चाहिए। डॉक्टर के परामर्श से दवाओं का सही व नियमित प्रयोग करना चाहिए। एलर्जी की समस्या में कुछ दवाएं कारगर होती हैं।

जैसे सेट्रीजीन (ब्रांड नेम नहीं बल्कि केमिकल एलीमेंट है), लीवो सेट्रीजीन, फैक्सोफेनाडीन, क्लोरफेनीरामीन और मोंटील्यूकास आदि। एलर्जी के इलाज में इम्यूनोथेरेपी का भी इस्तेमाल किया जाता है।

नीम एक लेकिन फायदे अनेक

सेहत के लिहाज से नीम एक सौगात की तरह है। इसके पत्ते और छिलकों में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिनमें गंभीर बीमारियों को ठीक करने की क्षमता पाई जाती है। नीम का जूस हालांकि कड़वा होता है लेकिन इसके जूस को पीने से तन और मन दोनों तंदुरुस्त रहते हैं। नीम के सेवन के फायदों पर डालते हैं एक नजर

त्वचा के लिए फायदेमंद

नीम के पत्तों में विटामिन सी पाई जाती है। नीम के पत्तों को पीसकर शरीर पर लगाने से त्वचा से संबंधित रोग ठीक होते हैं। नीम के पत्ते त्वचा पर बने कालेधब्बों को हटाने और त्वचा को साफ रखने में फायदेमंद हैं।

अस्थमा के इलाज में कारगर

नीम की पत्तियां नियमित रूप से खाने पर अस्थमा के इलाज में मदद मिलती है। नीम की पत्तियां श्वास रोग, कफ और बलगम रोकने में सहायक हैं।

घावों को भरने में फायदेमंद

पेट की बीमारियों के लिए नीम काफी उपयोगी है। नीम पीएच स्तर को नियंत्रित करने में उपयोगी होने के साथ ही अल्सर होने से रोकता है।

मधुमेह को नियंत्रित रखने में मददगार

नीम की पत्तियां शरीर में शूगर के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करती हैं। नीम का उपयोग टाइप-2 मधुमेह के इलाज में किया जा सकता है। नीम एक तरीके से इंसुलिन का काम करता है।

दांतो के लिए फायदेमंद

नीम का दातुन नियमित रूप से इस्तेमाल करने से दांतो में पाए जाने वाले कीटाणु नष्ट हो जाते हैं। इससे मसूड़े मजबूत, दांत चमकीले और निरोगी हो जाते हैं।

ये हैं सबसे उम्दा देश...

हाल ही में हुए एक सर्वे में दुनिया के 196 देशों में से 10 सबसे उम्दा देशों को चुना गया है। यह सर्वे गुड कंट्री इंडेक्स द्वारा कराया गया। सबसे बेहतर देश आयरलैंड को चुना गया। हैरानी की बात है कि इस सूची में भारत, चीन और यहां तक कि अमेरिका जैसे देश शामिल नहीं हैं। इन देशों को पर्यावरण और कुदरती संसाधनों को बचाने में सहयोग, विश्व शाांति बनाए रखने में योगदान, समानता, समृद्धि और साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आगे रहने के चलते 'टॉप टेन' में जगह दी गई।

फिनलैंड

उत्तरी यूरोप में स्थित इस देश को साइंस एंड टेक्नोलॉजी और समृद्धि के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। इस देश के नाम सबसे ज्यादा नोबेल प्राइज हैं। यह क्वालिटी इंटरनेशनल पब्लिकेशन और एक्सपोर्ट के लिए जाना जाता है।

स्विटजरलैंड

यह देश अपने खूबसूरत पहाड़ों, विंटर स्पोर्ट्स और मनोहारी प्राकृतिक नज़ारों के लिए जाना जाता है। यहां के लोगों का 'स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' काफी अच्छा है।

आयरलैंड इस देश को 'टॉप टेन' देशों में पहला स्थान मिला है। यह देश सभी मामलों में नंबर एक माना गया है। कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, हेल्थ, लोगों का उच्च जीवन-स्तर, यूएन की स्वैच्छिक सेवाओं में मजबूत भागीदारी को देखते हुए इसे सर्वे में पहले नंबर पर रखा गया।

नीदरलैंड: यह देश अपने 'पॉजिटिव ग्लोबल इंपैक्ट' के लिए मशहूर है। नीदरलैंड अपने कल्चर, वर्ल्ड ऑर्डर, समानता, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर की वजह से इस सूची में है। इसी के साथ नीदरलैंड को 'फ्रीडम ऑफ मूवमेंट' और 'प्रेस फ्रीडम' के लिए भी रेट किया गया है।

न्यूजीलैंड

इस देश को पर्यावरण और साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए इस सूची में शामिल किया गया है। यहां के लोग 'इको फ्रेंडली' घरों को ही तरजीह देते हैं।

नॉर्वे

प्राकृतिक खूबसूरती और शहरों के विकास के लिए नॉर्वे को आठवें स्थान पर रखा गया है। नार्वे पर्यावरण संरक्षण, विश्व शांति के लिए प्रयास और लोगों के 'हाई स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग' के लिए जाना जाता है।

यूनाइटेड किंगडम

क्वीन एलिजाबेथ के देश यूनाइटिड किंगडम को इस रैंक में 7वां स्थान मिला है। इस देश को समानता, समृद्धि, स्वास्थ्य और लोगों के उच्च जीवन स्तर के लिए इस सूची में जगह दी गई है। इसके अलावा यह साइंस और टेक्नोलॉजी में नंबर-1 देश है।

डेनमार्क

यह खूबसूरत देश अपने कल्चर, बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं और लोगों के उच्च जीवन-स्तर के लिए जाना जाता है। डेनमार्क को फार्मास्यूटिकल एक्सपोर्ट, दूसरे देशों को खाद्यान्न में मदद और गरीब देशों को डोनेशन देने में आगे रहने के लिए इस सूची में शामिल किया गया है।

बेल्जियम

यूरोप का यह देश समानता, समृद्धि और लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अव्वल देशों में गिना जाता रहा है। इसके अलावा भी इस देश को बेहतरीन क्रिएटिव गुड्स एक्सपोर्ट, फ्रीडम ऑफ मूवमेंट और प्रेस फ्रीडम के लिए 'टॉप टेन' की सूची में शामिल किया गया है।

स्वीडन

यह देश अपने हाउसिंग स्टोर 'इकेया', स्विस चॉकलेट और वोदका के लिए मशहूर है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण में यह देश आइसलैंड और कनाडा के बाद तीसरे नंबर पर है। यह देश सीओ2 और ग्रीन हाउस गैसों के कम से कम उत्सर्जन के लिए भी जाना जाता है।

रेसिपी

हरी मटर का पराठा

कितने लोगों के लिए 8

सामग्री

3 कप आटा, 2 टे.स्पून घी, आधा टी स्पून नमक।

भरावन के लिए:

2 कप उबली हुई हरी मटर, 5 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टी स्पून जीरा, 1 टे.स्पून घी, नमक स्वादानुसार। तलने के लिए आवश्यकतानुसार घी।

विधि

भरावन तैयार करने के लिए: उबली हुई मटर को हाथ से अच्छी तरह मैश कर लें। एक पैन में घी गर्म करें जब घी गर्म हो जाए तो उसमें जीरा डाल दें। जब जीरा चटकने लगे तो हरी मिर्च, मैश की हुई मटर और नमक डालकर 1 मिनट तक भूने और मिश्रण को ठंडा होने के लिये रभ दें।

पराठे के लिए आटे को छानकर उसमें नमक और घी मिलाकर, पानी डालकर मुलायम गूंध लें। 15 मिनट तक ढ़क कर रख दें। उसके बाद आटे की लोइयां बनाकर उसमें एक-एक चम्मच भरावन की सामग्री भरकर अच्छी तरह बंद कर दें, चकले बेलन की सहायता से बेल कर गर्म तवे पर डालकर दोनों तरफ से घी लगाकर अच्छी तरह सेक लें। गर्मागर्म मटर का पराठा चटनी या अचार के साथ सर्व करें।

सेब की चटनी

कितने लोगों के लिए 10

सामग्री

500 ग्राम हरे सेब(छीलकर कटे हुए), 2 टे.सपून घी या तेल, 1-1/2 टी स्पून जीरा, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 2 टी स्पून पिसा अदरक, 1 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/4 कप पानी, 1/2 टी स्पून दालचीनी, 1 चुटकी जायफल (पिसा हुआ), 1 कप चीनी।

विधि

तेल या घी को गर्म करके जीरे को भून लें। हरी मिर्च व अदरक पेस्ट डालकर 1 मिनट पकाएं फिर सेब और हल्दी डाल कर 2-3 मिनट तक हिलाएं। आंच धीमी कर के पानी, दालचीनी व जायफल डालें। जब तक सेब नरम न हो जाए तब तक बीच-बीच में हिलाते हुए पकाते रहें। चीनी डाल कर चटनी को तब तक पकाएं जब तक कि जैम जैसी न लगने लगे।

संपादकीय

भगदड़ से शमशान घाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन

भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई । महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई । देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं जिसका ताजा घटनाक्रम 15 फ़रवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई । अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे । रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है । ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फ़रवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी । 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे ।2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल व रेलवे स्टेशन शमशानघाट बनते रहेगें।

आयकर कानून के सरल होने विवाद घटेंगे

ललित गर्ग

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में गुरुवार को 64 साल पुराने आयकर कानून-1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रविधानों को समाप्त करने के उद्देश्य से नया इनकम टैक्स बिल-2025 पेश कर दिया। 622 पन्नों के इस विधेयक में 536 धाराएं शामिल हैं। जबकि आयकर कानून-1961 में 1647 पन्ने और 819 धाराएं रही है। इस विधेयक में कई पुराने और जटिल प्रावधानों को हटाकर करदाताओं के लिए इसे आसान और पारदर्शी बनाया गया है।

आयकर के नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रिया को स्पष्ट, सहज, सरल और कानूनी उलझनों से मुक्त बनाना है जिससे लंबे समय तक चलने वाले विवादों की संख्या कम हो। इसे लागू करने की संभावित तारीख 1 अप्रैल 2026 तय की गई है। निश्चित ही नये आयकर कानून से टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता के नए दौर की शुरुआत होगी, यह आयकर कानून का नया सूरज है, जो जटिलताओं एवं पेचिदगियों की जगह सरलता एवं सहजता की रोशनी बनेगा।

मौजूदा आयकर कानून की तुलना में नया आयकर कानून शब्दों और धाराओं की संख्या के हिसाब से काफी छोटा है, पुराने इनकम टैक्स एक्ट में 5.12 लाख शब्द थे, जबकि नए बिल में सिर्फ 2.6 लाख शब्द हैं। एक्ट के अलग-अलग चैप्टर भी 47 से घटाकर 23 कर दिए गए हैं, नए कानून में 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद यह है कि लोग आसानी से आयकर के नियम समझ सकें और टैक्स भरने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाए। यह बिल आयकर प्रावधानों को सरल और आसान बनाने के बड़े मकसद से जुड़ा है, जिसका फायदा आने वाले वर्षों में दिख सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रारंभ से ही कम-से-कम कानूनों एवं सरल-व्यवस्था के हिमायती रहे हैं।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में आर्थिक क्रांति का शंखनाद अनेक मोर्चे पर हो रहा है। न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बदली है बल्कि हमारे आसपास की पूरी दुनिया बदल चुकी है। 1961 में बने आयकर कानून में बदलती जरूरत के मुताबिक नए-नए संशोधन होते रहे, जिससे इसकी जटिलता बढ़ती चली गई। यह जटिलता न केवल करदाताओं को उलझन में डालती थी बल्कि कानूनी प्रावधानों की कई तरह से व्याख्या अनेक उलझने एवं विवाद खड़ा करती रही है। इन जटिल होती परिस्थितियों का परिणाम यह हुआ कि अपने देश में टैक्स को लेकर विवाद लगातार बढते गये। इन लगातार बढ़ते विवादों के कारण ही इसे दुनिया की टैक्स विवादों की राजधानी कहा जाने लगा। खासकर पिछले करीब डेढ दशक में यह ट्रेंड बहुत तेजी से बढ़ा। नौबत ऐसी आ गई कि 2023-24 तक टैक्स संबंधी मुकदमों में विवादित रकम बढ़कर 15.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिसका करीब 87 प्रतिशत हिस्सा डायरेक्ट टैक्स से जुड़ा है। संभावनाएं हैं एवं सराहनीय भी है कि नये कानून के लागू होने से विवाद भी कम होंगे एवं जनता भी राहत की सांस लेगी। निश्चित ही यह कदम स्वागतयोग्य है। इस कानून को लाकर मोदी सरकार और विशेषतः वित्तमंत्री ने अपने दायित्व का ईमानदारी से पालन किया है।

आयकर कानून-1961 की जटिलताओं के कारण विवादों का अंबार लगा रहा है। जबकि आयकर विभाग को इन विवादों से कोई फायदा भी नहीं होता है क्योंकि इनमें जीत का उसका रेकॉर्ड बड़ा खराब रहा है। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट (ओईसीडी) की ओर से 34 देशों में टैक्स विवादों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक 2015 में भारत में टैक्स विभाग को महज 11.5 प्रतिशत मामलों में ही जीत मिली थी। ओईसीडी देशों का औसत इस मामले में 65 प्रतिशत है। अवश्य ही यह स्थिति भारत के लिये चिन्ताजनक रही है। अब इस स्थिति में सुधार होने की संभावना है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो नए आयकर कानून से कर संहिता अधिक सरल हो जाएगी और वह आयकर अधिकारियों के साथ आयकरदाताओं को भी राहत प्रदान करेगी। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि आयकरदाताओं को जटिल नियमों के साथ आसानी से समझ न आने वाली भाषा से छुटकारा मिले।

देश में ऐसी सरल कर प्रक्रिया की अपेक्षा रही है कि कोई भी आदमी कर चुकाने के मामले में जमीनी और कागजी, दोनों ही स्तरों पर आत्मनिर्भर हो। नया कानून इस बड़ी अपेक्षा की पूर्ति करते हुए बड़ी परेशानियों से मुक्ति की राह प्रशस्त कर रहा है। ऐसे में चाहे असेसमेंट ईयर के बदले टैक्स ईयर जैसी शब्दावली तय करने की बात हो या सैलरी डिडक्शन से जुड़े तमाम प्रावधानों को एक सेक्शन में रखने की या खेती से जुड़ी आमदनी संबंधी प्रावधानों पर स्पष्टता लाने की, प्रस्तावित बिल सही ढंग से अमल में आए तो यह देश की टैक्स व्यवस्था को मजबूती देने के साथ नया भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को भी बदल देगा। चूंकि आयकर विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने का निर्णय लिया गया है, इसलिए यह आशा की जाती है कि वहां उस पर व्यापक एवं स्वस्थ विचार-विमर्श के दौरान उसे वास्तव में सरल रूप देने में मदद मिलेगी। इस अपेक्षा के साथ ही यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसा माहौल बनाने की आवश्यकता है, जिससे लोग स्वेच्छा से आयकर देने को प्रेरित हों और उनके मन में किसी तरह का भय न रहे।

यह भी समय की मांग है कि सरकार आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने के उपाय करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान में डेढ सौ करोड की आबादी वाले देश में आयकर देने वालों की संख्या चार करोड़ से भी कम है। इनमें मुख्यतः वे ही हैं, जो नौकरीपेशा हैं। आयकर विभाग को इतना चुस्त एवं दुरस्त करने की जरूरत है कि जो समर्थ होते हुए भी आयकर नहीं देते हैं, ऐसे लोगों का पता लगाये। आखिर जो संपन्न किसान एक सीमा से अधिक आय अर्जित करते हैं, उन्हें आयकर के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि कृषि आय को टैक्स के दायरे से बाहर रखने के नियम का दुरुपयोग भी किया जा रहा है। बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? खीर को ठण्डा करके खाने की बात समझ में आती है पर बासी होने तक ठण्डी करने का क्या अर्थ रह जाता है? समर्थ लोगों को स्वैच्छा से आयकर देने के लिये तत्पर होना चाहिए।

देश में आयकर का विषय विवादों से घिरा रहा है। अभी भी कुछ अर्थशास्त्री आयकर को दोहरा एवं गैर-जरूरी कराधान मानते हैं। लम्बे समय से ऐसे स्वर भी उभरते रहे हैं कि एक आम आदमी लगभग हर वस्तु और सेवा के लिये कर चुकाता है तो फिर उससे आयकर वसूलने की जरूरत क्यों है? भविष्य में इस पर भी सकारात्मक चिन्तन की अपेक्षा है। एक और बड़ी विसंगति का सामना आयकरदाता करता रहा है कि उसे आयकर विभाग हर मोर्चे पर सन्देह एवं शंका की नजर से देखता है। इसलिये जितना आवश्यक आयकर संबंधी नियम-कानून सरल करना है, उतना ही इस बात की अपेक्षा है कि आयकर विभाग लोगों से अनावश्यक रूप से न तो सवाल-जवाब करे और न ही किसी भूल-चूक पर उन्हें तंग करे। यह तब संभव होगा, जब आयकर अधिकारी आयकरदाताओं को संदेह की दृष्टि से देखना बंद करेंगे। उन्हें यह भी समझना होगा कि आयकर बचाने के उपाय अपनाने का मतलब कर चोरी करना नहीं होता। आयकर विभाग को उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते लोग आय छिपाने के जतन करते हैं। इसी के साथ ऐसी भी व्यवस्था करनी होगी, जिससे आयकर का आकलन करने और उसकी वसूली में भ्रष्टाचार न होने पाए। आयकर विभाग को लोगों के विश्वास का उपभोक्ता नहीं अपितु संरक्षक बनना होगा। निश्चित ही नया आयकर कानून भारत की कर प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे करदाताओं को अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आसानी होगी, कर प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा और कानूनी उलझनों से बचा जा सकेगा।

जयन्ती विशेष

भारत के एक महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातों को सामान्य लोगों के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होंने उन्हें अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभूति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता है। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हें कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था।

तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधि थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी।

1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होंने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नहीं थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है।

रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रूप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरू मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधना के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चौबीस घंटे में बीस-बीस घंटों तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम् शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

विचार मंथन

अमेरिका और भारत की न्यायपालिका ?

अमेरिका की अदालतें सरकार के मनमाने निर्णय पर रोक लगा रही हैं। अमेरिका की अदालत को देखकर भारतीय न्यायपालिका की कलई खुलती चली जा रही है। भारत में सरकार की तानाशाही की चक्की में सब पिस रहे हैं। भारतीय न्यायपालिका ने एक तरह से सरकार के सामने समर्पण कर दिया है। अमेरिका के संवैधानिक संस्थान सरकार के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जुडिशरी ओर वहां के जज सरकार के गलत फैसलों के सामने झुकने को तैयार नहीं है। एलन मस्क और ट्रंप की तानाशाही का असर वहां की न्यायपालिका पर नहीं पड़ रहा है। अमेरिका की न्यायपालिका जरा भी भयभीत नहीं है। अमेरिकी संविधान के अनुसार वहॉं की न्यायपालिका अपने निर्णय पूरी स्वतंत्रता के साथ ले रही है। जिसके कारण न्यायपालिका और सरकार के बीच टकराव देखने को मिल रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार के छह निर्णय जो एग्जीक्यूटिव ऑर्डर थे। अमेरिका के जजों ने पलट दिए हैं। इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, एलन मस्क और उपराष्ट्रपति जेड़ वेंस नाराज हो गए हैं। बेंस ने कह दिया न्यायपालिका अपनी हद पार कर गई है। वह ट्वीट करते हैं, जजों को एग्जीक्यूटिव की कानूनी शक्तियों को रोकने की इजाजत नहीं दी जाएगी।एलन मस्क ने भी ट्वीट किया। एक जज को पूरी जिंदगी जज बने रहने का विचार एक बकवास है। जजों को उठा के अटलांटिक में फेंक दो। अमेरिका की न्यायालयों ने ट्रंप सरकार के 6 फैसले पलट दिए हैं, या फैसलों पर रोक लगा दी है। बर्थ राइट सिटीजनशिप के निर्णय पर सीटल के एक जज ने रोक लगा दी। उससे पहले मैरीलैंड के एक जज ने इसी फैसले के ऊपर रोक लगा दी। तीसरे जज ने भी इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीन जजों ने इस निर्णय को रोक दिया है। ट्रंप सरकार का दूसरा निर्णय सरकारी कर्मचारियों को बाहर निकालने का था।20 लाख सरकारी कर्मचारियों को 6 फरवरी की डेडलाइन दी गई थी। 65000 लोगों ने इसको स्वीकार किया। नौकरी से निकलने के निर्णय के खिलाफ कर्मचारी यूनियंस कोर्ट मे चले गए। कोर्ट के फेडरल जज ने सरकार के इस निर्णय पर रोक लगा दी। तीसरा निर्णय यूएस एड को खत्म करने का फैसला था।1960 के दशक में यूएस द्वारा मदद शुरू की गई थी। कई देशों में 100 से ज्यादा यूएस एड के तहत प्रोग्राम चलते हैं।वहां पर भी हजारों कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया। यह एलन मस्क का फैसला था। इस निर्णय को कोर्ट के अंदर चैलेंज किया गया।उसके बाद जज साहब ने इस निर्णय पर पूरी तरह से रोक लगा दी। एक फेडरल जज ने जिन लोगों को सरकार ने जबरिया छुट्टी पर भेजना और उसकी रिपोर्ट करने का ऑर्डर दिया था। उस निर्णय पर भी एक संघीय जज ने रोक लगा दी। चौथा फैसला फेडरल हेल्प फेडरल ग्रांट्स का था। इसमें एनजीओ होते हैं। नॉन गवर्नमेंटल ऑर्गेनाइजेशन होती हैं। रिसर्च, कैलेमिटी के लिए हेल्प की जाती है। ट्रंप सरकार के इस निर्णय पर भी 28 जनवरी को जज लॉरेन अली खान ने रोक लगा दी। पांचवा मामला ट्रांसजेंडर का था। 5 फरवरी को वाशिंगटन डीसी के फेडरल जज रॉय सी लैमर्ट ने रोक लगा दी। छठवां मामला ट्रेजरी से संबंधित था। एलन मस्क ट्रेजरी की सारी इंफॉर्मेशन चाहते थे। इस विवाद में ट्रंप प्रशासन फंस गया।ट्रेजरी की गोपनीय जानकारी दिए जाने के निर्णय पर कोर्ट ने रोक लगा दी। फेडरल जज ने अपने निर्णय में कहा मस्क गोपनीय जानकारी हासिल नहीं कर सकते हैं, यह उनके अधिकार में नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ लिए हुए अभी एक महीना भी पूरा नहीं हुआ है। जिस मनमाने तरीके से वह आदेश जारी कर रहे हैं। अमेरिका की फेडरल कोर्ट में सरकार के निर्णायों को चुनौती दी जा रही है। वहां की अदालतें संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए बिना डर - भय अथवा प्रलोभन के फैसला देने में जरा भी देर नहीं करती हैं। 2014 के बाद भारतीय न्यायपालिका एक तरह से सरकार के साथ सहयोग करके निर्णय करने लगी है। भारत में सरकार की अनुकूलता के हिसाब से मामलों की सुनवाई होती है। वही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी न्यायपालिका की बनाना चाहते हैं। अमेरिका की न्यायपालिका पूरी तरह से स्वतंत्र है। वह सरकार के किसी भी दबाव में नहीं आ रही है। जिसके कारण अमेरिका में सरकार, न्यायपालिका पर दबाव बनाने के लिए वह हर-हथकंडा अपना रही है, जो अपना सकती है। अभी जो निर्णय न्यायपालिका के सामने आए हैं। उसको देखकर ऐसा नहीं लगता है, अमेरिका की न्यायपालिका सरकार की दबाव में आएगी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके मंत्री एलन मस्क जिस मनमाने ढंग से संविधान और लोकतंत्र की अवहेलना करते हुए निर्णय ले रहे हैं। अमेरिका की न्याय पालिका के फेडरल जज जिस मुखरता के साथ निर्णय ले रहे हैं। उसकी अमेरिका के नागरिकों तथा दुनया के अन्य देशों न्यायपालिका पर विश्वास बढ़ा है। इसकी बड़ी सुखद प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भारतीय न्यायपालिका को भी अपनी जिम्मेदारी समझना होगी।

राजनीतिक चर्चा

दिल्ली का नया मुख्य मंत्री कौन होगा ?

देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों बंसत की बहती ब्यार के संग सता के सिंघासन पर कौन,दिल्ली का नया मुख्य मंत्री कौन होगा,इस पर चर्चा,चिन्तन व चिंताए दिखने लगी है। जैसा कि आप को मालुम है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव सम्पन्न व परिणाम भी हफ्ते बीत गए है। दिल्ली की जनता अपने नए मुख्य मंत्री का स्वागत करने का तत्पर है। लेकिन 48 सीट पर विजयश्री का सेहरा पहनें के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की जनता को उनका मुख्य मंत्री देने में लाचार दिख रही है।8 फरवरी को दिल्ली विधान सभा के नतीजे आए।हालॉकि मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान कभी भी हो जाएगा।नए सीएम के नाम की घोषणा में देरी की वजह प्रधानमंत्री मोदी का देश से बाहर होना था।ये बातें हम सब जानते हैं। सीएम पद के दावेदारों के रूप में कई नाम पर कयास लगाये जा रहे है।रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता दिल्ली के नए मुख्यहो सकते हैं।श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के स्टूडेंट रहे विजेंद्र गुप्ता धीर गंभीर इंसान हैं। दिल्ली के मसलों को खूब जानते हैं।तीन बार नगर निगम पार्षद और चौथी बार विधायक बने हैं।वही जनकपुरी से विधायक आशीष सूद के नाम की भी चर्चा है।डेसू के अध्यक्ष रहे हैं।

कुछ लोगों के अनुसार प्रवेश वर्मा सी एम बनाए जायेंग या उन्हें कैबिनेट में शामिल किए जा सकते हैं। दिल्ली की कैबिनेट में राजौरी के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा को भी लिया जा सकता है। जंगपुरा से विधायक मारवाह या गांधी नगर वाले लवली के कैबिनेट में जगह बनाने की उम्मीद कम है।इसके पीछे उनका मूलतः कांग्रेसी होना है। जीके से विधायिका शिखा राय को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वो भी पंजाबी हैं।कैलाश गहलोत को नई कैबिनेट में कोई खास विभाग मिलना निश्चित है।वो केजरीवाल सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री थे। समझदार नेता हैं।जाट समाज से आते हैं।अगर मुस्तफाबाद से विधायक बने मोहन सिंह बिष्ट को विधान सभा का स्पीकर बनाया जा सकता है।वो भी लगातार विधायक बन रहे हैं। खैर ! वही राजनीति के पांडितयों के मध्य इन दोनों अरविन्द केजरीवाल व उनकी पार्टी आप की हार पर गहन अध्ययन व विवेचन किया जा रहा है। मै आप को बता दूँ कि भारतीय राजनीति के क्षितिज पर अन्ना हजारे के आन्दोलन का अबलम्बन ले कर जिस तरह आम आदमी के आशा व उम्मींद की नई किरण के साथ अरविन्द केजरीवाल ना केवल आया बल्कि अपने पार्टी का भी आम आदमी पार्टी रखा। जिस पर दिल्ली की भोली जनता ने दिल्ली सरकार के सता ना केवल तीन बारे के शीला दीक्षित को बाहर निकाल फेक कर अरविन्द केजरीवाल की सता पर आसीन किया। केजरीवाल के तीन बार मुख्यमंत्री बने रहें। भाग्य की विडम्बना देखिए जिस भ्रष्टाचार , अपराध मुक्त विरोध में बुलन्द आवाज झण्डा चलते है।अंत स्वयं वे व उनकी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता जेल चले गए,बाद में जेल से जमानत पर है।जहाँ तक इस बार दिल्ली विधान सभा का प्रशन है।तो मै स्पष्ट कर दूँ कि कुछ महीने पुर्व से ही केजरीवाल व उनकी पार्टी के खिलाफ माहौल चल रहा था।चुनाव आते आते 'कट्टर ईमानदार' केजरीवाल के कल तक जो कट्टर समर्थक थे और इसके जबरदस्त विरोधी हो गये थे।ठीक वैसे ही जैसे पाँच वर्ष पूर्व पहले से ही दबी जुबान में भी डंका केजरीवाल का ही बोल रहा था।दिल्ली की जनता जर्नादन का संदेश साफ साफ था कि केजरीवाल जी तुम्हारी' गुमराहगीरी अब नहीं चलेगी।तुम अपने झूठ के सहारे एक बार नही बल्कि दो दो बार सता पा सकते हैं लेकिन बार बार नहीं,दिल्ली की जनता अब समझ चुकी थी कि अरविन्द केजरीवाल अपने विरोधी भाजपा व कॉंग्रेस पर जो आरोपों के सहारे तस्वीर बना रहे हैं।उनसे उनकी व आप की हार की लहर इन तस्वीरों में झलक रही थी।अरविंद केजरीवाल व उनकी पार्टी की हार पर निश्चित तौर पर भाजपाई में खुशी है कि भारतीय राजनीति में केजरीवाल की मौकापरस्त व उनकी मूल्यविहीन राजनीति की हार है। उनका कहना है कि जिस अन्ना आंदोलन से लेकर अरविंद केजरीवाल ने अपना राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। सर्वविदित रहे कि अन्ना आंदोलन में सबसे पहले मंच पर भारत माता की बड़ी तस्वीर लगाई गई थी।लेकिन केजरीवाल और कंपनी ने जब देखा कि उससे इतना ज्यादा आकर्षण नहीं आ रहा है तो तुरंत उन्होंने अन्ना हजारे के पीछे महात्मा गांधी का बड़ा चित्र लगा दिया।परिणान स्वरूप अरविंद केजरीवाल रातों-रात त्याग तपस्या की मूर्ति व ईमानदारी का चोला ओढ़कर सबसे बड़े गाँधीवादी बन गए।कई बार उन्होंने राजघाट पर बापू की समाधि पर मौन व्रत और शांतिपूर्ण धरना भी दिया।लेकिन पहला मौका पाते ही उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यालय और फिर पंजाब में बनी सरकार के मुख्यमंत्री के कार्यालय से भी महात्मा धी की तस्वीर गायब कर दी।केजरीवाल की मौका परस्ती का यह बहुत बड़ा उदाहरण है। यहाँ पर मै स्पष्ट कर दूँ कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(आरएसएस) हमेशा से गाँधी की विचारधारा का विरोधी रहा है लेकिन आरएसएस की पार्टी भाजपा के नेताओं ने भी कभी महात्मा गांधी की तस्वीर हटाने की हिम्मत नहीं की।जहाँ तक दिल्ली के मुसलमान के प्रशन है,तो दिल्ली के मुस्लीम मतदाताओं ने तीन चुनाव से आम आदमी पार्टी को वोट दे रहा है लेकिन शाहीनबाग में महिलाओं के धरने प्रदर्शन में मुख्यमंत्री केजरीवाल या उनका कोई व्यक्ति नहीं गया।दिल्ली के दंगों में उनकी भूमिका मुस्लिम विरोधी रही।सी ए ए(CAA)व एन आर सी(NRC)के मुद्दे पर वे खामोश रहे।भारत के इतिहास में जब पहली बार कश्मीर के रूप में किसी राज्य का पूर्ण राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया तो केजरीवाल ने सबसे पहले उसका स्वागत किया। और राजनीति में सत्यता और ईमानदारी की बात करने वाले केजरीवाल अंततः शराब घोटाले में फंस गए।मैं नहीं जानता कि वाकई यह घोटाला हुआ या नहीं, इसमें केजरीवाल या उनके लोगों ने पैसा खाया या नहीं,लेकिन इतना तो सब लोग जानते हैं कि उन्होंने दिल्ली के घर-घर में शराब आसानी से उपलब्ध कराने की नीति बनाई थी। कम से कम यह नीति उस नैतिकता के बिल्कुल उलट है,जिसका स्वांग केजरीवाल भरा करते थे। उनके आलीशान सरकारी बंगले की नुमाइश भी उनके सादगी के अभिनय पर भारी पड़ी।जब इन सब बातों को एक साथ मिलकर देखते हैं तो सोचना पड़ता है कि अगरभाजपा की जगह केजरीवाल जीत जाते तो आखिर भारत के संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कोई फायदा होने वाला तो नहीं था।

रूस के खिलाफ मैदान-ए-जंग में उतरेगी यूरोप की सेना

कीव, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने की डोनाल्ड ट्रंप की कोशिश किस रास्ते पर जाएगी यह कहना थोड़ा मुश्किल लग रहा है क्योंकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यूरोप की सेना बनाने के बारे में बात की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को झूठा-कमजोर कहा. दिलचस्प तो यह है कि 47 वर्षीय यूक्रेनी नेता ने जब अपने यूरोपीय सेना के सपने को जिक्र किया, तो उन्होंने इसमें अमेरिकी भागीदारी को कोई जिक्र नहीं था। यह तब आया है जब डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन से युद्ध को जल्दी समाप्त करने के लिए तरीका खोजने का निवेदन किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही ज़ेलेंस्की और पुतिन दोनों के साथ फोन पर बातचीत की है, जिसमें तीनों शांति समझौते पर सहमत होने की कोशिश कर रहे हैं।

बिना यूक्रेन की सेना के यूरोप की सेना रूस को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होगी

तानाशाह पुतिन से उम्मीद की जा रही है कि जब वह अंतत: ट्रंप से यूक्रेन शांति वार्ता के लिए मिलेंगे तो वह कई पागल मांगें करेंगे। ज़ेलेंस्की ने कहा है कि वह किसी भी शांति समझौते को तब तक स्वीकार नहीं करेंगे जब तक उनके देश को सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जाती। जर्मनी में ज़ेलेंस्की ने यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक नई योजना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि कई नेताओं ने यूरोप के बारे में बात की है और कहा है कि उसे अपनी खुद की सेना की जरूरत है, एक यूरोप की सेना और मुझे लगता है कि समय आ गया है।

यूरोप की सशस्त्र सेनाओं का निर्माण किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि बिना यूक्रेन की सेना के यूरोप की सेना रूस को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। केवल हमारी सेना के पास यूरोप में असली, आधुनिक युद्ध का अनुभव है, लेकिन हमारी सेना भी अकेले पर्याप्त नहीं है।

हमें आपकी मदद की जरूरत है - हथियार, ट्रेनिंग, प्रतिबंध, पैसों की मदद, राजनीतिक दबाव और एकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि यूरोप को नाटो से अलग एक ऐसी सेना बनाने पर विचार करना चाहिए ताकि अगर अमेरिका यूरोप को किसी मुद्दे पर ना कह दे जो उसे खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि तीन साल की लड़ाई के बाद, यूक्रेन ने एक यूरोपीय सेना की नींव तैयार कर ली है और अब इस पर काम करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

चीनी मूल का अमेरिकी नागरिक हजारों डॉलर और कई मोबाइल फोन के साथ काठमांडू हवाईअड्डे से गिरफ्तार

काठमांडू। काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर बीती रात सुरक्षाकर्मियों ने एक चीनी मूल के अमेरिकन पासपोर्टधारी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 12 हजार रुपए अमेरिकी डॉलर के अलावा कई मोबाइल फोन और दर्जनों सिमकार्ड भी बरामद हुआ। शनिवार देर शाम काठमांडू हवाईअड्डे पर सिक्योरिटी चेक के दौरान चीनी मूल के अमेरिकी नागरिक नी यान के हैंड बिग से अवैध अमेरिकी डॉलर बरामद किया गया। नेपाल पुलिस के एसएसपी और हवाईअड्डा सुरक्षा बल के प्रमुख कृष्ण शर्मा पोखरेल ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पास से 12 हजार अमेरिकी डॉलर मिला है जिसके स्रोत के बारे में वो कुछ भी नहीं बता पा रहा है। एसएसपी पोखरेल ने यह भी बताया कि नी यान के पास अमेरिकी डॉलर के अलावा 20 आईफोन और विभिन्न देशों के 25 सिमकार्ड भी बरामद हुए। पुलिस ने यह भी बताया कि इनमें से किसी के भी बारे में गिरफ्तार व्यक्ति कुछ भी नहीं बता रहा है।

अक्षरधाम मंदिर न्यू जर्सी पहले साल पहुंचे 25 लाख श्रद्धालु, अक्षरधाम ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया

ट्रेन्टन। बर्फ की चादर में सजा अक्षरधाम मंदिर न्यू जर्सी में पहले साल 2.5 मिलियन (25 लाख) से अधिक श्रद्धालुओं और पर्यटक पहुंचे। यह इसका वैश्विक आकर्षण और आध्यात्मिक महत्व दर्शाता है। भगवान स्वामीनारायण की स्वर्णिम मूर्ति सफेद आभा के बीच दिव्यता की चमक बिखेरती है, जबकि संगमरमर से अलंकृत शिखर और भव्य नक्काशीदार स्तंभ इस आध्यात्मिक धरोहर की भव्यता को दर्शाते हैं। यह मंदिर न केवल एक स्थापत्य चमत्कार है, बल्कि शांति, भक्ति और आत्मचिंतन का दुर्लभ अनुभव प्रदान करता है। अक्षरधाम के निर्माण ने न्यू जर्सी को वैश्विक आध्यात्मिक मानचित्र पर स्थापित कर दिया है। यह मंदिर हिंदू संस्कृति और भारतीय कला का भव्य प्रतीक बनकर उभरा है, जो स्थानीय समुदाय, पर्यटकों और श्रद्धालुओं को समान रूप से आकर्षित करता है। इसके निर्माण से न केवल भारतीय मूल के प्रवासियों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का एक पवित्र स्थान मिला, बल्कि यह न्यू जर्सी के सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को भी समृद्ध कर रहा है। इसके अलावा अक्षरधाम ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है क्योंकि यह हजारों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन, व्यवसाय और सामुदायिक विकास को नई गति मिली है। बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था द्वारा निर्मित, यह मंदिर हिंदू संस्कृति की समृद्ध परंपरा को संजोए हुए है। अक्षरधाम न्यू जर्सी विश्वभर के श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा और शुद्धता का प्रतीक बना हुआ है, जहां सर्दियों की इस दिव्य छटा में भक्ति और आध्यात्मिकता का अदभुत संगम देखने को मिल रहा है।

अमेरिका की जमीन तक पहुंचने वाली मिसाइल बना रहा तानाशाह किम

सोल। उत्तर कोरिया जल्द ही अमेरिका की जमीन तक पहुंचने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) का निर्माण शुरू कर सकता है। अमेरिका के शीर्ष सैन्य कमांडर ने कहा कि उत्तर कोरिया पूरे उत्तरी अमेरिका में अपने लक्ष्यों पर परमाणु बम गिरा सकता है। गिलोट अमेरिकी उत्तरी कमान और उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस रक्षा कमान के प्रमुख हैं। गिलोट ने पिछले अक्टूबर में ह्वासोंग-19 (एचएस-19) आईसीबीएम के शुरुआती उड़ान परीक्षण का विवरण दिया। इसके बारे में विश्लेषकों का मानना है कि यह अधिक लम्बे समय तक और ज्यादा ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। डोनाल्ड्र ट्रंप पिछली बार प्योंयांग को लेकर काफी सकारात्मक बातें कर चुके हैं। ट्रंप ने 23 जनवरी को कहा कि वे किम जोंग उन से संपर्क करेंगे। उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता को स्मार्ट शख्स बताया जिनसे वह तीन बार पहले मिल चुके हैं।

अमेरिका में ट्रंप और मस्क की बढ़ी मुश्किलें एक दर्जन से अधिक राज्यों ने किया केस

वॉशिंगटन, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वॉशिंगटन डीसी में संघीय अदालत में गुरुवार को दायर की गई शिकायत में कहा गया है, सरकार को उसके कर्मचारियों से वंचित करने और एक कलम या माउस के एक क्लिक से पूरे विभागों को खत्म करने की मस्क की असीमित और अनियंत्रित शक्ति, इस देश की स्वतंत्रता जीतने वालों के लिए चौंकाने वाली रही होगी। इस मामले में अमेरिका के 14 राज्यों ने ट्रंप और मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर किया है, जिसमें नए सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में एलन मस्क की भूमिका को चुनौती दी गई है। कोर्ट में केस करके आरोप लगाया गया है कि मस्क की नियुक्ति अमेरिकी संविधान का उल्लंघन है।

न्यू मैक्सिको राज्य के नेतृत्व में दायर मुकदमे में तर्क दिया गया है कि संविधान के नियुक्ति संबंधी खण्ड के अनुसार मस्क जैसे महत्वपूर्ण और व्यापक प्राधिकार वाले व्यक्ति को राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक रूप से नामित किया जाना चाहिए और अमेरिकी सीनेट द्वारा उसकी पुष्टि की जानी चाहिए। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज और एरिजोना, मिशिगन, मैरीलैंड, मिनेसोटा, कैलिफोर्निया, नेवादा, वर्मोंट, कनेक्टिकट, रोड आइलैंड, मैसाचुसेट्स, ओरेगन, वॉशिंगटन और हवाई के अधिकारियों द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया है, लोकतंत्र के लिए इससे बड़ा कोई खतरा नहीं है कि राज्य की शक्ति एक अकेले, अनिर्वाचित व्यक्ति के हाथों में जमा हो जाए। हालांकि हमारी संवैधानिक प्रणाली 18वीं सदी के राजा के दुरुपयोग को रोकने के लिए बनाई गई थी, लेकिन 21वीं सदी के तकनीकी दिग्गज के हाथों में अनियंत्रित शक्ति के साधन कम खतरनाक नहीं हैं। 14 राज्यों में से दो का नेतृत्व रिपब्लिकन गवर्नर कर रहे हैं।

इसके अलावा, अलग से 26 वर्तमान और पूर्व यूएसएआईडी कर्मचारियों और ठेकेदारों ने गुरुवार को मस्क के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया, जिसमें वही संवैधानिक दावा किया गया है। मैरीलैंड में संघीय अदालत में दायर किए गए इस मुकदमे में न्यायाधीश से मस्क और डीओजीई के किसी भी अधीनस्थ को बजट में कटौती करने वाले काम को जारी रखने से रोकने के लिए कहा गया है, जब तक कि मस्क को ट्रंप द्वारा आधिकारिक पद के लिए नामित नहीं किया जाता है और सीनेट द्वारा पुष्टि नहीं की जाती है। मुकदमे में कहा गया है कि उनके कार्यकारी अधिकार का दायरा और पहुंच अमेरिकी इतिहास में अभूतपूर्व प्रतीत होती है।

पीएम मोदी से मुलाकात के कारण एलन मस्क की मां बेहद खुश हुई

वाशिंगटन। पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के बीच हुई मुलाकात को लेकर मस्क की मां बेहद खुश हैं। उन्होंने इस मुलाकात से संबंधित दो पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर की। मेय मस्क ने पीएम मोदी और अपने बेटे एलन मस्क की मुलाकात से संबंधित एक पोस्ट को कोट करते हुए लिखा, अपने पोते-पोतियों से बहुत प्यार करती हूं। पोस्ट के अंत में तीन दिल वाले इमोजी भी जोड़े। इसके बाद मेय मस्क ने एक और पोस्ट शेयर किया, जिसमें एलन मस्क और पीएम मोदी की मुलाकात से जुड़े एक वीडियो थे। यह वीडियो सॉयर मेरिट नामक ट्विटर यूज़र द्वारा साझा की गई थी, जिसमें एलन मस्क ब्लेयर हाउस में पीएम मोदी से मिलने के लिए प्रवेश करते हुए दिखाई दे रहे थे। मस्क के साथ उनकी गर्लफ्रेंड और तीन बच्चे भी थे। पोस्ट में लिखा था, एलन मस्क प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए पहुंचे।एलन मस्क से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने लिखा, यह एक खुशी की बात थी कि मैंने एलन मस्क के परिवार से मुलाकात की और कई विषयों पर चर्चा की! वहीं पीएम मोदी के ट्वीट को शेयर करते हुए एलन मस्क ने लिखा, मुलाकात करना सम्मान की बात थी।विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पीएम मोदी और एलन मस्क ने भारतीय और अमेरिकी संस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की, जिसमें नवाचार, अंतरिक्ष अन्वेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सतत विकास के साथ-साथ उद्यमिता और अच्छे शासन पर भी विचार किया गया।

क्या सच में दुनिया में वैम्पायर थे, इस संदिग्ध कंकाल के कारण उठे सवाल

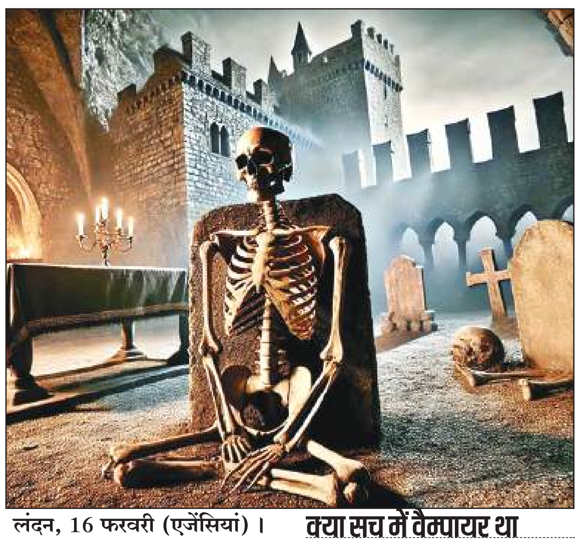

लंदन, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

वैम्पायर की कहानियां भले ही हॉलीवुड फिल्मों तक सीमित लगती हों, लेकिन इतिहास में कई बार इसतरह के दावे किए गए हैं कि लोग कभी इन्हें सच मानते थे। अब क्रोएशिया के एक मध्ययुगीन किले में एक संदिग्ध वैम्पायर का कंकाल मिला है, इस कंकाल को अनोखे तरीके से दफनाया गया था।

पुरातत्वविदों ने क्रोएशिया के राचेसा किले में एक 15वीं शताब्दी के कंकाल को खोजा, इसका सिर धड़ से अलग कर दूर रखा गया था और शरीर को उल्टा दफन किया गया था। इसके बाद शोधकर्ताओं का मानना है कि ऐसा करने का कारण यह था कि लोग इस शख्स को वैम्पायर मानते थे और डरते थे कि वह दुबारा जिंदा न हो जाए। मुख्य शोधकर्ता के मुताबिक, शव को सामान्य तरीके से नहीं दफनाया था, बल्कि किसी ने जानबूझकर शव के साथ छेड़छाड़ की थी। शव के सिर को धड़ से 30 सेंटीमीटर दूर रखा गया था, पैरों के बीच एक बड़ी ईंट रखी गई थी, और सिर के नीचे एक भारी पत्थर रखा गया था।

क्या सच में वैम्पायर था

शोधकर्ता का कहना है कि क्रोएशिया जैसे देशों में लोगों का वैम्पायर पर गहरा भरोसा था। बताते हैं कि 1656 में मरने वाले जुरे ग्रांडो अलिलोविच को वैम्पायर माना गया था। पुराने समय में जिन लोगों को संदेहास्पद माना जाता था, उन्हें मारकर उनके शव को क्षत-विक्षत किया जाता था ताकि वे फिर से जीवित न हो सकें। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह शख्स संभवतः एक सैनिक या शूरवीर हो सकता है। उसके शरीर पर तीन गंभीर चोटों के निशान हैं, जिसमें से एक बहुत बड़े ब्लेड से लगी थी, जिससे उसका चेहरा विकृत हो गया था। शायद इसी कारण लोग इस शख्स को वैम्पायर समझने लगे।

वैज्ञानिकों का निष्कर्ष

वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि यह शव किसी इंसान का ही है, लेकिन उस समय के अंधविश्वासों के कारण उसे वैम्पायर मान लिया गया और मौत के बाद भी उसके शव के साथ क्रूरता की गई। यह खोज इतिहास में वैम्पायर जैसी मान्यताओं को समझने में मदद करती है।

विरोध प्रदर्शन

लेबनान में बेरुत हवाई अड्डे के पास हिज्बुल्ला समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के दैरान एक महिला आंसू गैस छोड़े जाने का विरोध करती हुई।

भयंकर बेइज्जती, 48 घंटों में करीब 12 देशों ने 131 पाकिस्तानियों को बाहर का रास्ता दिखाया

करांची, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने दुनिया में अपनी ऐसी छवि बनाई है कि हर जगह से पाकिस्तानी नागरिकों को खदेड़ा जा रहा है। पिछले 48 घंटों में करीब 131 पाकिस्तानियों को 12 देशों से विभिन्न कारणों से निर्वासित किया गया है। इसमें अधिकतर वे लोग शामिल हैं, जो नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों में पकड़े गए थे और अवैध प्रवेश और नौकरी छोड़ने के बाद भी अवैध रूप से निवासरत थे।

इमिग्रेशन अधिकारियों के अनुसार, सऊदी अरब ने नशीली दवाओं की तस्करी और बिना सूचना के नौकरी छोड़ने के लिए 74 पाकिस्तानियों को निर्वासित किया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी अवैध प्रवेश, चोरी और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों के आरोप में कई पाकिस्तानियों को निष्कासित किया। उसमें से एक व्यक्ति को यूएई पहुंचने पर प्रवेश की अनुमति देने से इंकार कर दिया और तुरंत पाकिस्तान डिपोर्ट कर दिया गया। एक अन्य व्यक्ति को कथित तौर पर आत्महत्या करने का प्रयास करने के लिए यूएई से निर्वासित किया गया। इसके अतिरिक्त, कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को ओमान, कंबोडिया, बहरीन, अजरबैजान, इराक और मैक्सिको से निर्वासित किया गया। एक अलग घटना में, मानव तस्करी के आरोपी दो व्यक्तियों को मॉरिटानिया और सेनेगल से निर्वासित किया गया।

निर्वासित व्यक्तियों में से 16 को पाकिस्तान की फेडरल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) के मानव तस्करी निरोधक सर्कल की हिरासत में भेज दिया गया, जबकि छह को आगे की जांच के लिए लरकाना, कलात, गुजरांवाला, साहीवाल और रावलपिंडी में पुलिस को सौंप दिया गया। इस बीच, कराची के जिन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने भी इसी अवधि के दौरान विभिन्न कारणों से 86 यात्रियों को उतार दिया।

रेटिना की मोटाई में कमी जुड़ी होती है कई बीमारियों से: अध्ययन

मेलबर्न, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

रेटिना की मोटाई में कमी टाइप 2 डायबिटीज, डिमेंशिया और मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एमएस) जैसी गंभीर बीमारियों का शुरुआती संकेत हो सकती है। वैज्ञानिकों ने यह खुलासा किया एक महत्वपूर्ण शोध में। यह अध्ययन वॉल्टर और एलाइजा हॉल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च (डब्ल्यूईएचआई) के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय शोध में 50,000 से अधिक आंखों का विश्लेषण किया गया ताकि यह समझा जा सके कि रेटिना में होने वाले बदलाव किस तरह से बीमारियों से जुड़े हो सकते हैं। वैज्ञानिकों ने रेटिना का बहुत बारीकी से नक्शा तैयार किया और पाया कि इसकी मोटाई में कमी कई बीमारियों से जुड़ी होती है। रेटिना एक लाइट-सेंसिटिव परत होती है, जो आंख के पीछे स्थित होती है और सीधे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का हिस्सा होती है।

डिमेंशिया, डायबिटीज और एमएस जैसी बीमारियां इस तंत्र के कमजोर होने या गड़बड़ी से जुड़ी होती हैं। जब रेटिना की मोटाई कम होती है, तो यह ऊत्तकों की धीरे-धीरे कमी को दर्शाता है, जिसे लैटिस डिजेनेरेशन कहा जाता है। डब्ल्यूईएचआई की प्रमुख शोधकर्ता विकी जैक्सन ने कहा कि इस शोध से यह पता चलता है कि रेटिना इमेजिंग का इस्तेमाल केंद्रीय तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली को समझने और बीमारियों का जल्द पता लगाने में किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हमारे नक्शों से मिली जानकारी यह दर्शाती है कि रेटिना की मोटाई और कई सामान्य बीमारियों के बीच गहरा संबंध है। इस शोध में यूके और अमेरिका के वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया था।

इजराइल ने रिहा किए 369 फिलिस्तीनी कैदियों की टी-शर्ट पर लिखा हम न भूलेंगे और न माफ करेंगे

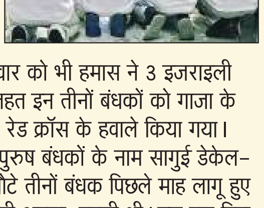

तेलअवीव । हमास की कैद से इजराइली बंधकों की रिहाई के बाद इजराइल ने भी 369 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इन कैदियों को एक खास तरह की टी-शर्ट पहनाकर रिहा किया गया है। इन सभी टी-शर्ट पर हम न भूलेंगे और न माफ करेंगे लिखा हुआ है। दरअसल, हमास हर बार इजराइली बंधकों की रिहाई से पहले एक इवेंट करता है। इसमें सभी बंधकों को लाकर उनसे हमास की तारीफ करवाई जाती है। इस इवेंट में हजारों फिलिस्तीनी जुटते हैं। इजराइल इसी बात से नाराज है। शनिवार को भी हमास ने 3 इजराइली बंधकों को रिहा कर इवेंट का आयोजन किया। सीजफायर डील के तहत इन तीनों बंधकों को गाजा के खान यूनिस इलाके में सुबह 10 बजे (इजराइली समय के मुताबिक) रेड क्रॉस के हवाले किया गया। इसके बाद इन्हें इजराइली सेना को सौंपा गया। रिहा होने वाले तीनों पुरुष बंधकों के नाम सागुई डेकेल-चेन, साशा ट्रोफानोव और इएयर हॉर्न हैं। 498 दिन बाद इजराइल लौटे तीनों बंधक पिछले माह लागू हुए सीजफायर डील के तहत बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की यह छठी अदला-बदली थी। इस बार रिहा हुए तीनों इजराइली बंधक पिछले सप्ताह रिहा हुए बंधकों की तुलना में ज्यादा स्वस्थ दिखे थे।

आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियस को 2 विकेट से हराया

वडोदरा, 16 फरवरी (एजेंसियां)। **वीमेंस प्रीमियर लीग 2025 के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियस को आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हरा दिया है। इस मैच में मुंबई ने पहले खेलते हुए 164 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली ने आखिरी गेंद पर दो रन भागते हुए जीत सुनिश्चित की।**

वड़ोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 164 रन का स्कोर खड़ा किया।

मुंबई के लिए नैट साइवर ब्रंट ने नाबाद 80 रन की पारी खेली और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 42 रनों का योगदान दिया। जबकि मुंबई के आठ बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। दिल्ली के लिए एना सदरलैंड ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए और शिखा पांडे ने भी दो विकेट लिए। जबकि मिन्नु मनी और एलिस कैप्सी को एक-एक सफलता मिली।

165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत काफी अच्छी रही। कप्तान मेग लैनिंग और शफाली वर्मा ने पावरप्ले में ही टीम का स्कोर 60 के पार पहुंचा दिया।

लैनिंग 15 रन बनाकर आउट हो गईं। जबकि शफाली ने 18 गेंद में 43 रन की पारी खेली। मिडिल ओवरों में दिल्ली जब जीत से दूर होती दिख रही थी तब निकी प्रसाद ने 35 रन की धीमी लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेल टीम को जीत के करीब ले जाने का काम किया।

आखिरी ओवर में दिल्ली को जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी और तीन विकेट हाथ में था। हालांकि 20वें ओवर की पहली गेंद पर चौखा मारकर निकी प्रसाद ने टीम पर से दबाव कम किया।

फिर अगली गेंद पर दो रन लिया। इसके बाद तीसरी और चौथी गेंद पर क्रमशः एक-एक रन मिला। इस तरह जीत के लिए दो गेंद पर दो रन जरूरत थी। तभी पांचवी गेंद पर निकी आउट हो गई।

तब एक बार फिर गेम में मुंबई को आस बधी। लेकिन अरुंधती रेड्डी ने आखिरी गेंद पर दो रन दौड़ कर दिल्ली की जीत सुनिश्चित कर दी।

न्यूज ब्रीफ

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत पर हावी रही है पाकिस्तान टीम

मुम्बई। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में सभी को भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को होने वाले अहम मुकाबले का इंतजार है। दोनो ही टीमों को इसमें जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। अभी दोनो ही टीमें अच्छे फॉर्म में हैं। ऐसे में इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम हमेशा ही आईसीसी टूर्नामेंटों में हावी रही है और वह केवल एक बार ही हारी है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की टीम को अधिक सफलता मिली है। उसने भारतीय टीम को 3 बार हराया है. ऐसे में टीम इंडिया को उसके खिलाफ मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक 5 मुकाबले हुए हैं। इनमें से भारतीय टीम दो ही जीत पायी है। वहीं पाकिस्तान ने ने तीन मैच जीते हैं। इसके अलावा उसने पिछली बार फखर जमां के शतक से 2017 में खेले गये इस टूर्नामेंट में खिताब भी जीता था। दोनों ही टीमों में उस समय के आधे खिलाड़ी अब भी हैं। ऐसे में भारतीय टीम इस बार उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार 1998 में आयोजित हुई पर भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 2004 में हुआ। इंग्लैंड में खेली गई चौथी चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें पहली बार टकरायीं। तब पाकिस्तान ने यह मुकाबला 3 विकेट से जीता। इसके बाद 2009 में भी पाक ने भारतीय टीम को 54 रन से हराया। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को पाकिस्तान पर पहली जीत साल 2013 में मिली। तब भारतीय टीम ने बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले को 8 विकेट से जीता। उस मै खेले रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा अब भी भारतीय टीम में शामिल हैं। साल 2017 में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाक के बीच दो बार मुकाबला हुआ। तब भारतीय टीम ने ग्रुप मैच में पाकिस्तान को 124 रन से हराया पर फाइनल में पाक टीम को जीत मिली। पाकिस्तान ने फाइनल में भारतीय टीम को 180 रनों से हराया था।

राजस्थान के दीपक को एलएलसी लीग के लिए कानपुर चीफ टीम ने 42.50 लाख रुपये में खरीदा

जोधपुर। राजस्थान के दीपक गौड़ को लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में शामिल किया गया है। दीपक

को उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली इस लीग के लिए कानपुर चीफ टीम ने 42.50 लाख रुपये में खरीदा है। दीपक के चयन से उनके क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुरेश रैना कानपुर चीफ टीम के मेंटर होंगे जिनके अनुभवों का लाभी टीम को मिलेगा। दीपक जोधपुर की कॉल्विन शील्ड टीम से खेलते हैं और अंडर-19 जोधपुर टीम के कप्तान भी रहे हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली और रणजी ट्रॉफी के कैंप में भी शामिल रहे हैं। आईपीएल में वह राजस्थान रॉयल्स के नेट गेंदबाज रहे हैं। अब देखना है कि दीपक इस लीग में कैसा प्रदर्शन करते हैं। दीपक गौड़ ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता देवीलाल गौड़ को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया. उनके चयन पर शास्त्री सोहनलाल गौड़, गौड़ ब्राह्मण समाज महाराष्ट्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशन गौड़, डॉ. अशोक गौड़, एडवोकेट गोविंद गौड़, डॉ. नमन गौड़, सरपंच महिपाल भडियार, अनिल गौड़, सुनील गौड़ और वाईकिंग एकेडमी के कोच विक्रम सिंह राजावत ने शुभकामनाएं दीं।

मुंबई इंडियंस ने चोटिल गजनफर की जगह मुजीब को टीम में किया शामिल

मुम्बई। पांच बार की चैंपियन मुम्बई इंडियंस ने अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान को टीम में शामिल करने की घोषणा है। मुजीब को हमवतन अल्लाह गजनफर के रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में जगह दी गई है। गजनफर चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से बाहर हो गए हैं। आईपीएल मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने गजनफर

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 3-2 से हराया

भुवनेश्वर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। **भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां के कलिंगा स्टेडियम में हुए एफआईएच प्रो लीग के अपने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड टीम को 3-2 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से वैष्णवी फाल्के और दीपिका ने पहला और दूसरा गोल किया जबकि नवनीत कौर ने तीसरा गोल किया। इस मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही दबाव बनाया। छठे मिनट में वैष्णवी ने पेनाल्टी कार्नर पर पहला गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी जबकि दीपिका ने 25 वें मिनट में दूसरा गोल किया। वहीं नवनीत कौर ने मैच समाप्ति होने के एक मिनट पहले गोल कर टीम को जीत दिला दी।**

दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से डार्सी बूर्ने ने 12वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि फियोन क्रेकल्स ने 58वें मिनट में एक गोल कर मैच बराबरी पर ला दिया। ब्रेक के बाद भारतीय टीम ने अंतिम सत्र में तेजी से हमले किये। तीसरे क्वार्टर में मिडफील्ड में ही खेल होता रहा पर अंतिम 15 मिनट में इंग्लैंड ने अच्छा खेल दिखाया। इंग्लैंड की फियोना ने मैच समाप्त होने के दो मिनट बाकी रहते गोल करके स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था कि नवनीत ने तीसरा गोल कर भारतीय टीम को जीत दिला दी।

नीदरलैंड महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 मैचों के लिए भुवनेश्वर पहुंची

भुवनेश्वर। चैंपियन नीदरलैंड महिला हॉकी टीम भारत में अपने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 मैचों से पहले रविवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। वर्तमान में चार मैचों में नौ अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर चल रही नीदरलैंड टीम अपने पहले मैच में 21 फरवरी को प्रतिष्ठित कलिंगा हॉकी स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगी। भारत आने पर नीदरलैंड की कप्तान पिएन सैंडर्स ने कहा कि हम यहां आकर रोमांचित हैं, क्योंकि यहां का माहौल हमेशा शानदार रहता है और हम आगे के मैचों के लिए वास्तव में उत्सुक हैं। हमारा लक्ष्य खिताब की रक्षा करना है और भारत में होने वाले चार मैचों के लिए सभी 12 अंक सुरक्षित करना है। आगे की ओर देखते हुए, मेरा मानना है कि भारतीय टीम हमारी सबसे कठिन चुनौती होगी, खासकर जब घरेलू दर्शक उनका पूरा समर्थन करेंगे।

पूर्व क्रिकेटर बोला, ऑलराउंडर अशरफ के चयन से नाराज हैं कप्तान

लाहौर, 16 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान के मना करने के बाद भी जिस प्रकार चयनसमिति ने ऑलराउंडर फहीम अशरफ को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शामिल किया है।

उससे रिजवान नाराज हैं, बासित ने कहा कि इस प्रकार चयनसमिति और कप्तान के बीच मतभेद होने का नुकसान टीम को हो सकता है। इस बात के सामने आने के बाद से ही पाक क्रिकेट में व्याप्त मतभेद सामने आ गये हैं। बासित ने कहा कि एक कप्तान तब गेंदबाज को नहीं बदलता जब वह अपने स्पेल में कम रन दे रहा हो। उन्होंने कहा कि फहीम के चयन से रिजवान नाराज हैं।

इसी कारण दो ओवर में केवल नौ रन देने के बाद रिजवान ने उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्राई सीरीज के फाइनल में बदल दिया था। इस मैच में पाक टीम ने अपने तेज गेंदबाजों शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के साथ गेंदबाजी शुरु की। वहीं अशरफ को पहले बदलाव के रूप में लाया गया जहां उन्होंने दो ओवर में ही नौ रन दिए।

इसके बाद भी उन्हें गेंदबाजी नहीं दी गयी। न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मैच से पहले अशरफ ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में खेला था। इस क्रिकेटर ने इससे पहले सितंबर 2024 में एशिया कप में ही भारत के खिलाफ था। फिर भी अशरफ को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाक टीम में शामिल किया गया। इस चयन पर तमाम पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं।

वहीं पूर्व कप्तान और दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने चयनकर्ताओं की आलोचना करते हुए कहा कि टीम में काफी ऑलराउंडर रखे ये हैं जबकि टीम को अधिक स्पिनरों की जरूरत थी। भारतीय टीम ने 4 स्पिनर रखे हैं पर पाक ने केवल एक स्पिनर ही शामिल किया है।

अस्ट्रिया में अल्पाइन स्कीइंग

अस्ट्रिया में अल्पाइन स्कीइंग मुकाबले में जीत के बाद खुशी मनाती हुई स्विटजरलैंड की कैमिल सहिल अन्य दूसरे और तीसरे स्थान पर रही खिलाड़ी।

खेलो इंडिया महिला फुटबॉल लीग में मेथोडिस्ट ने 7-0 से जीता मैच

मुरादाबाद, 16 फरवरी (एजेंसियां)। अस्मिता खेलो इंडिया व भारतीय खेल प्राधिकरण के समन्वय से यूपी फुटबाल संघ द्वारा आयोजित महिला फुटबाल लीग में रविवार को दो मुकाबले हुए। पहले मैच में मेथोडिस्ट की टीम ने सर सैय्यद एकेडमी के खिलाफ 7-0 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच जिला फुटबाल एसोसिएशन व दिल्ली पब्लिक ग्लोबल स्कूल की टीम के बीच ड्रॉ रहा।

पंडित नगला स्थित दिल्ली पब्लिक ग्लोबल स्कूल के मैदान पर आयोजित अंडर-15 आयु वर्ग की लीग में पहले मैच के पहले हॉफ में मैथोडिस्ट सर सैय्यद एकेडमी पर हावी दिखी। ऐश्वर्या ने एक के बाद एक लगातार 4 गोल किए और स्कोर 4-0 हो गया। दूसरे हॉफ में ऐश्वर्या ने 2 और गोल दागे।

सर सैय्यद की खिलाड़ी मेथोडिस्ट की रक्षा पंक्ति को भेदने में लगातार असफल होते रहे। अंतिम मिनट में मेथोडिस्ट विशी ने एक गोल दागकर स्कोर 7-0 कर दिया। बड़ी जीत के बाद मेथोडिस्ट के खिलाड़ियों ने मैदान पर जश्न मनाया।

दूसरे मैच में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। जेडएफए की मध्य पंक्ति को फलक व फॉरवर्ड पोजिशन पर खेल रहीं वर्षा ने अच्छे मूव बनाए।

इसके बावजूद गोल करने में कामयाबी नहीं मिली। दूसरी ओर डीपीजीएस की खिलाड़ी भी जेडएफए की रक्षा पंक्ति को नहीं भेद पाई। इस तरह यह मैच 0-0 से ड्रॉ रहा। मुकाबलों के दौरान निर्णायक की भूमिका में नासिर कमाल, माधुरी देवी, निशिता, रेनू काम्बुज, राजकुमारी व मोहम्मद फरमान रहे।

गंभीर के बाद अश्विन ने भी सुपरस्टार संस्कृति की आलोचना की, पैर जमीन पर ही बनें रहें

चेन्नई, 16 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्य कोच गौतम गंभीर के बाद अब हाल में खेल से संन्यास लेने वाले अुनभवी स्पिनर आर अश्विन ने भी टीम में स्टार संस्कृति शुरु होने की आलोचना की है। अश्विन ने कहा है कि हम क्रिकेटर हैं, कोई एक्टर या सुपरस्टार नहीं है। हसलिए भारतीय टीम में सुपरस्टार संस्कृति के लिए कोई जगह नहीं है। इसके साथ ही क्रिकेटरों को चीजों को सामान्य रखना होगा जिससे उनके पैर जमीन पर ही बने रहें। अश्विन ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों के शतक को सामान्य शतक की तरह लेना चाहिये क्योंकि वे अपने कैरियर में पहले ही बहुत कुछ हासिल कर चुके हैं।

अश्विन ने कहा कि भारतीय क्रिकेट में चीजों को सामान्य रखने की जरूरत है। हमें इस सुपरस्टार संस्कृति और सुपर सेलिब्रिटी कल्चर से बचना होगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में चीजों को

और हमें ऐसे रहना होगा कि आम आदमी हमारे करीब आकर हमसे बात के साथ ही तुलना भी कर सके। गौरतलब है कि हाल ही में भारतीय टीम के संस्कृति की आलोचना की थी। अश्विन ने कहा कि अगर आप रोहित ओर विराट ने कैरियर में काफी कुछ हासिल कर लिया है। इसलिए अब

श्रेयंका डब्ल्यूपीएल से बाहर हुई

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की श्रेयंका पाटिल फिट नहीं होने के कारण महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के तीसरे सत्र से बाहर हो गयी हैं। आरसीबी के अनुसार श्रेयंका अपनी चोट से नहीं उबर पायी हैं। इसी कारण उनकी जगह पर ऑलराउंडर स्नेह राणा को शामिल किया गया है। फ्रेंचाइजी ने उनके बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा कि ये खिलाड़ी अपनी पिंडली की चोट से परेशान हैं जिसका वह अभी इलाज करायेंगी। श्रेयंका ने आरसीबी की ओर से पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 8 मैचों में 13 विकेट लिए थे। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। लीग में श्रेयंका के अलावा आशा शोभना और सोफी मोलिनक्स की चोटिल होकर बाहर हो गयी हैं। श्रेयंका की जगह पर शामिल राणा ने गुजरात जायंट्स के लिए डब्ल्यूपीएल के दो सत्रों के 12 मैचों में भाग लिया है।

चालू वित्त वर्ष में मदर डेयरी को अपना कारोबार 17,000 करोड़ के पार होने की उम्मीद

मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी, कंपनी ने अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

अपने खाद्य उत्पादों की बेहतर मांग तथा उत्पादन क्षमता के साथ वितरण नेटवर्क के विस्तार से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख दुग्ध आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी का कारोबार 15 प्रतिशत बढ़कर 17,000 करोड़ रुपये से अधिक रहने की उम्मीद है। दूध और अन्य डेयरी उत्पादों के अलावा मदर डेयरी धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल और सफल ब्रांड के तहत बागवानी उत्पाद बेचती है। मदर डेयरी की स्थापना 1974 में हुई थी। अब यह राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। मदर डेयरी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि इसने अपनी स्थापना के 50 साल पूरे किए हैं। हम चालू वित्त वर्ष में 15 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ साल का समापन 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार के साथ करेंगे। वित्त वर्ष 2023-24 में मदर डेयरी ने 15,037 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल किया था। डेयरी कारोबार ने कुल वार्षिक राजस्व में लगभग 75 प्रतिशत का योगदान दिया था। यह मजबूत प्रदर्शन हमारी रणनीतिक पहल का प्रमाण है। दिल्ली-एनसीआर से परे हम राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति बढ़ा रहे हैं, नई पीढ़ी के वितरण चैनल के माध्यम से अपनी पहुंच को मजबूत कर रहे हैं, विनिर्माण क्षमता का विस्तार कर रहे हैं और उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए नए रोमांचक उत्पाद पेश कर रहे हैं। क्षमता विस्तार के लिए मदर डेयरी 500 करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित निवेश के साथ महाराष्ट्र के नागपुर में एक विशाल दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित कर रही है। इस नई सुविधा के 2026 तक चालू होने की उम्मीद है और यह मध्य और दक्षिणी क्षेत्र के बाजारों को उत्पादों की आपूर्ति करेगा।

न्यूज ब्रीफ

अरबिंदो फार्मा कंपनी यूरोपीय बाजार में उत्पादों की आपूर्ति शुरू करेगी

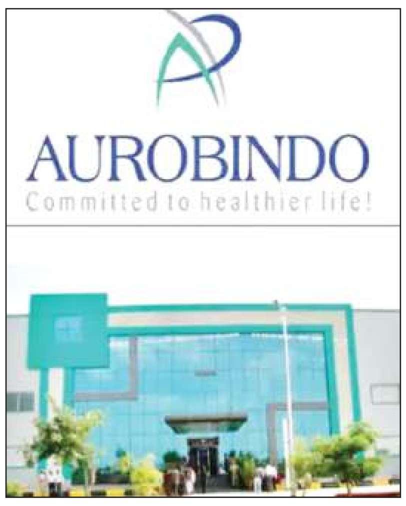

नई दिल्ली। दवा निर्माता अरबिंदो फार्मा कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने घोषणा की है कि कंपनी अपने चीन के संयंत्र से यूरोप के बाजारों में अप्रैल महीने से उत्पादों की आपूर्ति शुरू करेगी। कंपनी ने नवंबर, 2024 के अंतिम सप्ताह में इस संयंत्र का परिचालन शुरू किया था और अब उत्पादन बढ़ाने की प्रक्रिया में है। सुब्रमण्यन ने बताया कि यूरोप से नियामकीय मंजूरियां मिल चुकी हैं और वहां उत्पादों की आपूर्ति शुरू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि कंपनी को अगले 2-3 वर्षों में चीन संयंत्र से अच्छी कमाई की उम्मीद है। वे ने राजस्व अनुमान के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि दो से तीन साल में महत्वपूर्ण राजस्व मिलने की उम्मीद है। इस साल कंपनी ने अपने उत्पादों को महत्वपूर्ण बाजारों में लाने के लिए कई कदम उठाए हैं और अप्रैल से यूरोप में आपूर्ति शुरू करने का नया प्रस्ताव भी इसी दिशा में कदम है। यह अगले कुछ महीनों में कंपनी के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है और इसके साथ ही यूरोप के रोजगार की वृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण समाचार है। अरबिंदो फार्मा ने अपने उत्पादों की गुणवत्ता के मामले में भी अच्छी प्रतिष्ठा हासिल कर ली है और इसका यूरोप में उत्तराधिकारी हो या न करने का संकेत हो सकता है।

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), निवेश का सही रास्ता

नई दिल्ली। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) एक ऐसा निवेश माध्यम है जो नियमित रूप से निवेश करने के माध्यम से रिटेल इन्वेस्टर्स को आवश्यक धन वृद्धि का अवसर प्रदान करता है। यह निवेश प्रक्रिया एक डिसिप्लिन तथा विश्वसनीय उपाय है जिसमें साप्ताहिक, मासिक या तिमाही आधारित निवेश करने की स्वतन्त्रता होती है। एक रिपोर्ट दर्शाती है कि 7 साल की एसआईपी एक अधिक रियलिस्टिक और व्यापक रूप से उपयुक्त समय-सीमा है। इस अवधि के दौरान, बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक को ज्यादा रिटर्न की संभावना होती है एवं उनका निवेश भी कम जोखिमपूर्ण होता है। एक और अध्ययन में 2005 से 2025 तक के दौरान निफ्टी स्मॉलकैप 250 का मिनिमम रिटर्न -7.3 फीसदी रहा जबकि निफ्टी मिडकैप 150 ने 27.3 फीसदी रिटर्न प्रदान किया। यह दिखाता है कि स्मॉलकैप में निवेश करने वाले निवेशकों को थोड़ा जोखिम झेलना पड़ता है, जबकि मिडकैप में निवेश करने वालों को ऐसा अनुभव नहीं होता। यानी कि एसआईपी एक बेहतरीन निवेश विकल्प है जो निवेशकों के लिए धन का उत्थान करने में मदद कर सकता है, परंतु उन्हें इसे दीर्घकालिक एवं नियमित रूप से अपनाना होगा।

हीरो मोटोकॉर्प का अगले वित्त वर्ष में राजस्व में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। देश की लीडिंग दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपने नए उत्पादों और खंडों में सतत निवेश के माध्यम से अगले वित्त वर्ष में अपने राजस्व में दो अंकीय वृद्धि का लक्ष्य घोषित किया है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी ने इसकी जानकारी दी, जिसके अनुसार दिसंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व 10,260 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी की नजर नए उत्पादों और खंडों पर निवेश करने की ओर है, जिससे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की एकीकृत परिचालन आय में वृद्धि होगी। वित्त वर्ष में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद है।

भारत के एक्सपोर्ट में आई तेजी, 446 अरब डॉलर के निर्यात का अनुमान

निर्यात 109.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत के व्यापारिक निर्यात में चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 124.8 बिलियन डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है। इस वृद्धि के दृष्टिकोण में इंडिया एक्जिम बैंक के अनुमानों के अनुसार, कुल व्यापारिक निर्यात 446.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। निर्यात में गैर-तेल निर्यात में तीव्र वृद्धि के साथ 109.3 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का व्यापार घाटा दिसंबर में घटकर 21.94 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि नवंबर में इसमें वृद्धि हुई थी। हालांकि, दिसंबर में आयात में गिरावट आई। इसके बावजूद, व्यापार नीति की अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव के चलते चुनौतियाँ बनी रही हैं। सालाना आधार पर दिसंबर के दौरान व्यापार घाटा बढ़ा, लेकिन निर्यात में कुछ मामूली गिरावट आई। यह स्थिति व्यापारिक निर्यात को गुजरने वाले समय में वृद्धि की संभावना को दर्शाती है। नए अनुमान स्थिर सुधार की दिशा में हैं, जो कि मजबूत विनिर्माण गतिविधि और मांग में वृद्धि के साथ समर्थित होने का संकेत देते हैं। व्यापार नीति की अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक विखंडन जैसी चुनौतियों के बावजूद, निर्यात में सकारात्मक गति अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जारी रहने की संभावना है. नवीनतम अनुमान स्थिर सुधार का संकेत देते हैं, जो कि मजबूत विनिर्माण गतिविधि, लचीले कृषि निर्यात और वैश्विक मांग में सुधार द्वारा समर्थित हैं। इस बीच, भारत का व्यापार घाटा दिसंबर में घटकर 21.94 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 32.84 बिलियन डॉलर था, क्योंकि मासिक आधार पर निर्यात में वृद्धि हुई, जबकि आयात में गिरावट आई. दिसंबर में व्यापारिक निर्यात बढ़कर 38.01 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि नवंबर में यह 32.11 बिलियन डॉलर था, जबकि आयात घटकर 59.95 बिलियन डॉलर रह गया, जो नवंबर में 64.95 बिलियन डॉलर था। हालांकि, सालाना आधार पर दिसंबर के दौरान व्यापार घाटा बढ़ गया, जबकि दिसंबर 2023 में यह 18.76 बिलियन डॉलर था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.6 बिलियन डॉलर तक बढ़ा, भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है

नई दिल्ली। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार ने 7 फरवरी तक 7.6 बिलियन डॉलर बढ़कर 638 डॉलर बिलियन हो गया। यह तीसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। पिछले साल सितंबर में भारत का उच्च स्तर 704.885 अरब डॉलर था। 2023 में वृद्धि के साथ भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 58 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली। स्वर्ण भंडार में भी 1.3 बिलियन डॉलर की वृद्धि के साथ 72.20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ पर्याप्त वृद्धि देखी गई। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है, जो दुनिया के सबसे बड़े सोने के खरीदारों में दूसरे स्थान पर है। आरबीआई ने नीतिगत कदम के रूप में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी कर 6.25 फीसदी करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करके रुपये में अस्थिरता को प्रबंधित कर रहा है, खासकर जब विदेशी निवेशक शेयर बेचकर निकासी करते हैं। ग्लोबल अर्थव्यवस्था के साथ समर्थनात्मक स्थिति के साथ, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार और स्वर्ण भंडार देश के अर्थों में सुधार का संकेत दे रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने नवंबर 2024 में अतिरिक्त 8 टन सोना हासिल किया, जिससे महीने के दौरान वैश्विक केंद्रीय बैंक खरीद 53 टन हो गई। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब 876 टन है, जो पोलैंड के बाद 2024 में दूसरे सबसे बड़े खरीदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करता है। एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम में आरबीआई ने नवीनतम मौद्रिक नीति समिति की बैठक के दौरान रेपो दर में 25 आधार अंकों की कमी कर 6.25 फीसदी करने का निर्णय लिया, पांच वर्षों में पहली बार दर में कटौती। केंद्रीय बैंक रुपये में अस्थिरता को प्रबंधित करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करता है, खासकर जब विदेशी निवेशक शेयर बाजार से शेयर बेचकर निकासी करते हैं।

बजट में मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद कीमत 32 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 16 फरवरी (एजेंसियां)।

बजट में मखाना बोर्ड की घोषणा के बाद इसकी मांग तेजी से बढ़ी है, इससे मखाने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। बीते 10 दिनों में मखाने के दाम करीब 32 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस दौरान मखाने की कीमत 950 प्रति किलो से बढ़कर 1,250 प्रति किलो हो गए हैं। व्यापारियों के मुताबिक देश और विदेश में मखाने की बढ़ती मांग के चलते यह बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि भारत के कुल मखाना उत्पादन का 90 प्रतिशत बिहार में होता है और सरकार का लक्ष्य इसके उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा देना है।

बजट के बाद से मखाने की मांग में काफी तेजी आई है। यूके, सिंगापुर, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों से भी ऑर्डर आ रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार देश के दक्षिणी राज्यों, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे कम खपत वाले बाजारों में भी मखाने की मांग बढ़ने लगी है। बिहार के एक मखाना पैकर और होलसेलर ने कहा, हमें अभी-अभी सिंगापुर के एक खरीदार से 900 किलो भुने हुए मखाने का ऑर्डर मिला है। मांग में अचानक आई तेजी से मखाने की कीमतें बढ़ी हैं। मोदी सरकार के आम बजट के बाद से मखाने को लेकर काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि वित्त मंत्री ने बजट में मखाने पर विशेष ध्यान दिया है। बिहार के मखाना व्यापारियों को उम्मीद है कि जिस तरह 2023 और 2024 में मिलेट्स की धूम रही, ठीक उसी तरह 2025 मखाने का साल होगा। बिहार के दस जिले देश के कुल मखाना उत्पादन का 90 प्रतिशत से अधिक उत्पादन करते हैं। भारत में हर साल करीब 10,000 टन मखाना पैदा होता है। एक अन्य कारोबारी ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में कई विदेशी ग्राहकों ने मखाने के बारे में पूछताछ की है। उन्होंने कहा, हमें यूके से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। बजट के बाद अंतरराष्ट्रीय समाचार माध्यमों ने भी मखाने पर काफी ध्यान दिया है। इससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों के बीच भी मखाने को लेकर चर्चा बढ़ी है। व्यापारियों का कहना है कि मखाने की अगली फसल जुलाई में आएगी, इसके पहले कीमतों में गिरावट की संभावना नहीं है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी ने...

की आपील भी की। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने स्वागत भाषणा में कहा कि इस बार इस प्रदर्शनी में खरीदारों और प्रदर्शकों की संख्या पिछले साल से अधिक है। प्रदर्शनी में 126 देशों के 6000 खरीदार और 5000 से अधिक प्रदर्शनी लगाने वाली इकाइयां भाग ले रही हैं।

लालच लेकर...

कार्यकर्ता जब मौके पर पहुंचे तो वहां यीशु की प्रार्थना हो रही थी। उन्होंने कन्वर्जन पर आपत्ति जताई।

सूचना मिलने पर सीओ सदर श्रवणदास संत टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहां काफी समय से बाहरी लोगों का आना-जाना लगा था। आरोप है कि कुछ लोगों को 20-25 हजार रुपये देने का लालच देकर बुलाया गया था, जबकि कुछ के पास वापस जाने तक के पैसे नहीं थे। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त कर ली है।जो लोग प्रार्थना सभा में आए थे वे अंत्योदय नगर, बंगलानगर, इंद्रा कॉलोनी, मुक्ता प्रसाद कॉलोनी, उदासर के रहने वाले हैं। इनमें से ज्यादातर गरीब परिवार से हैं।

एक्टिव हुआ...

उन्होंने कहा कि भारत एकजुट नहीं है, यह भावना अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी। आरएसएस प्रमुख ने व्यक्ति और राष्ट्र के विकास के लिए समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के महत्व पर भी बल दिया और राष्ट्रीय ध्वज पर 'धम्मचक्र' (धर्म का पहिया) के प्रतीकात्मक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वैयक्तिकता के प्रति सम्मान और दमन से मुक्ति के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। भागवत ने कहा, हम चाहते हैं कि व्यक्ति आगे बढ़े और इसके लिए हमें स्वतंत्रता व समानता की आवश्यकता है। किसी को दबाया नहीं जाना चाहिए। सभी को अवसर मिलना चाहिए और भाईचारे के साथ लोग आगे बढ़ेंगे और समाज में अपनी सफलता का प्रसार करेंगे।

कौन बनेगा...

हाथ में देनी चाहिए जो दिल्ली में एक बेहतर विकासवादी चेहरा साबित हो सके और जो पार्टी की कमान लंबे समय तक दिल्ली में संभाल सके। ऐसे में किसी बड़े चेहरे के सामने आने की संभावना हो सकती है।

लेकिन भाजपा अपने निर्णयों से लोगों को चौंकाने का काम करती रही है, ऐसे में मुख्यमंत्री के रूप में किसी का नाम कहने-बताने में पार्टी के नेता भी संकोच कर रहे हैं। लेकिन मोटे तौर पर यह अवश्य माना जा रहा है कि भाजपा अपने किसी निचले स्तर के कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाकर यह संदेश देने की कोशिश अवश्य करेगी कि उसकी पार्टी में कोई निचले स्तर का कार्यकर्ता भी सर्वोच्च पद पर पहुंच सकता है।

माना यही जाता है कि भाजपा इस वर्ष होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों को लेकर पूर्वांचली समीकरण, पंजाब को ध्यान में रखते हुए पंजाबी-सिख सरदार का समीकरण, पश्चिमी यूपी-हरियाणा-राजस्थान को देखते हुए जाट जैसे समीकरणों को साधने की कोशिश करेगी। एक बेहतर सामंजस्य के साथ वह इन सभी समीकरणों को साधने की कोशिश कर सकती है। दिल्ली में विधानसभा चुनावों के लिए पांच फरवरी को मतदान हुए थे और आठ फरवरी को चुनाव परिणाम आए थे, जिसमें भाजपा ने रिकॉर्ड 48 सीटों पर जीत हासिल कर अकेले दम पर सरकार बनाने लायक बहुमत प्राप्त कर लिया था। परिणाम आने के बाद भी आठ-नौ दिनों तक सरकार न बन पाने को लेकर विपक्षी दलों ने भाजपा की आलोचना भी की थी।

नई दिल्ली रेलवे ...

प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायलों का शीघ्र स्वस्थ होना चाहिए। अधिकारी उन सभी लोगों की सहायता कर रहे हैं जो इस भगदड़ से प्रभावित हुए हैं।

कल रात बताया गया था कि शनिवार रात करीब दस बजे प्लेटफॉर्म नंबर 13, 14 एवं 15 पर कुंभ जाने के लिए बड़ी संख्या में आए यात्रियों में किसी वजह से भगदड़ मच गई जिसमें अनेक यात्री घायल हो गए थे। दिल्ली पुलिस ने घायलों की संख्या 10 बताई थी।

दिल्ली पुलिस के अनुसार जब हर घंटे रेलवे द्वारा 1500 सामान्य टिकट बेचे गए थे। यही कारण है कि भीड़ बेकाबू हो गई। प्लेटफार्म नंबर 14 के अलावा प्लेटफॉर्म नंबर 16 के पास एस्केलेटर के पास भी भगदड़ होने की सूचना मिली थी लेकिन उसकी पुष्टि नहीं हो पाई।

सूत्रों के अनुसार घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल और दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

रात में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक के साथ स्टेशन पर घटनास्थल का दौरा किया। बाद में रेलवे की ओर से बताया गया कि अचानक यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ के लिए चार विशेष गाड़ी चलाने की घोषणा की गई है। इससे भीड़ में कमी आई है और स्थिति नियंत्रण में आ गई है।

भगदड़ में मरने...

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि शनिवार रात मची भगदड़ की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है। स्थिति अब सामान्य है। श्री उपाध्याय ने कहा, घटना के समय पटना जाने वाली मगध एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म 14 पर खड़ी थी और जम्मू जाने वाली उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म 15 पर खड़ी थी। उन्होंने बताया कि यह घटना तब हुई जब फुट ओवरब्रिज से प्लेटफॉर्म की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर कुछ यात्री फिसल गए और उनके पीछे चल रहे यात्री भगदड़ में फंस गए। प्रयागराज में महाकुंभ के लिए विशेष ट्रेनों में सवार होने के लिए स्टेशन पर आने वाले यात्रियों की भारी भीड़ के कारण यह स्थिति पैदा हुई।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर इस घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द स्वस्थ हों। अधिकारी इस भगदड़ से प्रभावित सभी लोगों की सहायता कर रहे हैं।

'हाथ-पैर ...

के दो से तीन घंटे के भीतर ही उसे पकड़ लिया गया। उसकी परेशानी 17 जनवरी को शुरू हुई, जब एक एजेंट ने उसे अमेरिका भेजने के लिए 45 लाख रुपये लिए। इसके बदले उसे एक हफ्ते के लिए मलेशिया ले जाया गया, फिर 10 दिनों के लिए मुंबई, फिर एम्स्टर्डम, पनामा, तापचूला और मैक्सिको सिटी। वहां से वे 3-4 दिनों की यात्रा करके अमेरिका पहुंचे।

आखिरकार सीमा पार करने के बाद भी उनकी परेशानी खत्म नहीं हुई। पुलिस उन्हें पुलिस स्टेशन ले गई और फिर उन्हें एक शिविर में भेज दिया, जहां वे 15-18 दिन तक रहे। उन्होंने बताया, किसी ने हमारा बयान नहीं लिया, किसी ने हमारी अपील नहीं सुनी। हमारे हाथ-पैर बांध दिए गए, हमारे फोन जब्त कर लिए गए और जब हम विमान में सवार हुए, तभी हमें बताया गया कि हमें निर्वासित किया जा रहा है।एक अन्य निर्वासित गुरबचन सिंह के पिता जतिंदर पाल सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को अमेरिका भेजने के लिए 50 लाख रुपये का भुगतान किया, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि उसे डंकी रूट से ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास अपने बेटे को विदेश भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, क्योंकि उन्हें भारत में नौकरी नहीं मिल पा रही थी।

एलन मस्क...

इसके तहत लगातार विदेशी सहायता निधि में कटौती की जा रही है। सरकारी लागतों में होने वाले खर्च में कमी की जा सके।

इसी के तहत मोजाम्बिक में पुरुषों के खतना के लिए 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर, मॉल्दोवा की राजनीतिक प्रक्रिया के लिए 22 मिलियन डॉलर, बांग्लादेश 20 मिलियन डॉलर, नेपाल के लिए जैव विविधता संरक्षण के लिए 39 मिलियन डॉलर, लाइबेरिया के लिए 1.5 मिलियन डॉलर, माली का 14 , दक्षिण अफ्रीका के लिए 2.5 मिलियन डॉलर और एशिया में लर्निंग के लिए लगने वाले 47 मिलियन डॉलर की राशियों को रद्द कर दिया है।

गौरतलब है कि देश के चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप की बातें कई बार उठाई जा चुकी हैं। सरकार ने भी कई बार विदेशी हस्तक्षेप को लेकर बात की थी। ऐसे में 21 मिलियन डॉलर की राशि का खुलासा चौंकाने वाला है।

पुष्य नक्षत्र में मंगल करेंगे गोचर

कर्क, कन्या और मीन राशि के दूर होंगे दुख

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, जब मंगल ग्रह शनि के स्वामित्व वाले नक्षत्र पुष्य में प्रवेश करेगा, तो 'मंगल पुष्य योग' का निर्माण होगा। इस योग के प्रभाव से तीन राशियों का भाग्य बदल जाएगा और इन राशियों के दुख और दरिद्रता समाप्त हो जाएगी।

सभी ग्रह अपनी-अपनी गति से राशियों और नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं, जिसे गोचर कहा जाता है। जब कोई ग्रह अपने गोचर के दौरान अपनी राशि या नक्षत्र बदलता है, तो इसका प्रभाव, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, सभी राशियों के जातकों पर पड़ता है। मंगल का पुष्य नक्षत्र में गोचर कई राशियों के जातकों के लिए कई शुभ अवसर लेकर आएगा। इस अवधि में इन राशियों के जातकों को आर्थिक लाभ के साथ-साथ करियर में नई उन्नति के अवसर मिलेंगे। ज्योतिषियों के अनुसार, मंगल पुष्य योग विशेष रूप से तीन राशियों के जातकों के लिए समृद्धि और खुशहाली का संकेत दे रहा है, और इस समय उनकी आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होगी, साथ ही धन लाभ के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

मंगल पुष्य योग का निर्माण

वैदिक ज्योतिष में मंगल ग्रह को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे भूमिपुत्र और ग्रहों का सेनापति भी कहा जाता है। मंगल ऊर्जा, उत्साह, साहस, आत्मबल और शारीरिक शक्ति का प्रतीक है। मंगल की खगोलीय स्थिति का ज्योतिषीय दृष्टिकोण से हमेशा विशेष महत्व रहा है। जब भी मंगल ग्रह की राशि या नक्षत्र में परिवर्तन होता है, यह सभी राशियों पर प्रभाव डालता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 12 अप्रैल 2025 को सुबह 6:32 बजे मंगल ग्रह शनि के स्वामित्व वाले नक्षत्र पुष्य में प्रवेश करेगा, जिससे 'मंगल पुष्य योग' का निर्माण होगा।

कर्क राशि – जब मंगल ग्रह पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेगा, तो कर्क राशि के जातकों के लिए यह समय बेहद शुभ और लाभकारी साबित होगा। इस अवधि में आपकी किस्मत आपके साथ होगी, जिससे आपको समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपको पुरस्कार या मान्यता मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहेगी और पारिवारिक संबंधों में मिठास आएगी। यदि आपके पास कोई फंसा हुआ धन है, तो वह वापस मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस समय सभी प्रकार के धन संकट समाप्त हो जाएंगे। घर में कोई शुभ कार्य या मांगलिक कार्यक्रम भी आयोजित हो सकता है। स्वास्थ्य के मामले में भी यह समय अनुकूल रहेगा, लेकिन संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या का पालन करना आवश्यक है।

कन्या राशि– मंगल का पुष्य नक्षत्र में गोचर कन्या राशि के जातकों के लिए कई शुभ अवसर लेकर आएगा। इस समय आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ करियर में नई उन्नति के अवसर मिलेंगे। आपकी मेहनत और प्रतिभा को मान्यता मिलेगी, जिससे आप नई ऊंचाइयों को छू सकेंगे। गरीबी का साया आपके जीवन से हट जाएगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, जो आपको जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाने में मदद करेगी। वैवाहिक जीवन सुखद और संतोषजनक रहेगा। यदि आप नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं, तो यह समय बहुत ही अनुकूल है। हालांकि, इस दौरान स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। तनाव से बचें और नियमित व्यायाम तथा संतुलित आहार का पालन करें।

मीन राशि– मंगल का पुष्य नक्षत्र में गोचर मीन राशि के जातकों के लिए खुशहाली और समृद्धि लेकर आएगा। इस अवधि में आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नए धन लाभ के अवसर सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यदि आप व्यापार में हैं, तो इस समय लाभ के नए रास्ते खुल सकते हैं। व्यापार से प्राप्त धन को संभालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वाहन या संपत्ति खरीदने के अवसर भी बन सकते हैं, जिससे आपके जीवन में स्थिरता आएगी। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी और रिश्तों में गहराई आएगी। प्रेम जीवन में रोमांस का उत्साह बढ़ेगा। हालांकि, इस समय अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचना चाहिए।

काल भैरव देव की पूजा के समय करें इन मंत्रों का जाप, दूर हो जाएंगे सारे संकट

वैदिक पंचांग के अनुसार, 20 फरवरी को फाल्गुन माह की कालाष्टमी है। यह पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन काल भैरव देव की पूजा की जाती है। साथ ही विशेष काम में सफलता पाने के लिए कालाष्टमी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही जीवन में व्याप्त दुख और संकट दूर हो जाते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो फाल्गुन माह की अष्टमी पर कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में भगवान शिव के रौद्र रूप काल भैरव देव की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। साथ ही मनचाहा वरदान प्राप्त होगा। अगर आप भी काल भैरव देव की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो कालाष्टमी पर भक्ति भाव से काल भैरव देव की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय इन मंत्रों का जप करें।

24 को होगा अर्धकेंद्र योग का निर्माण

तीन राशियों की रहेगी चांदी

24 फरवरी को सुबह 3:25 बजे बुध और यम 45 डिग्री के कोण पर स्थित होंगे, जिससे अर्धकेंद्र योग का निर्माण होगा। इस स्थिति कई राशियों को विशेष लाभ मिल सकता है।

ज्योतिष शास्त्र में बुध को ग्रहों का राजकुमार माना जाता है। बुध एकाग्रता, बुद्धिमत्ता, तर्क और व्यापार के लिए महत्व-पूर्ण ग्रह है। वर्तमान में बुध कुंभ राशि में स्थित हैं। जब भी बुध अपनी गति में परिवर्तन करते हैं, इसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर पड़ता है।

महाशिवरात्रि से पहले, 24 फरवरी 2025 को सुबह 3:25 बजे, बुध और यम एक-दूसरे से 45 डिग्री के कोण पर होंगे, जिससे अर्धकेंद्र योग का निर्माण होगा। इस योग के कारण कई राशियों को विशेष लाभ मिलेगा और उनके रुके हुए कार्य भी संपन्न होंगे। आइए जानते हैं कि कौन सी राशियाँ इस योग से लाभान्वित होंगी।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए अर्धकेंद्र बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। इस राशि के लोग काम के सिलसिले में कई लंबी यात्राएं कर सकते हैं, जिससे उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकते हैं। करियर में आपके प्रयासों के चलते भाग्य का पूरा सहयोग मिल सकता है। व्यापारियों के लिए भी लाभ के अच्छे संकेत हैं। इसके अलावा, पार्टनर के साथ समय बिताने का अनुभव सुखद रहेगा।

मिथुन राशि–इस राशि के जातकों के लिए सुख-सुविधाओं में तेजी से वृद्धि संभव है। इसके साथ ही, उन्हें अपने बड़ों का पूरा सहयोग मिल सकता है। लंबी दूरी की यात्रा या विदेश यात्रा करने का अवसर भी मिल सकता है, जो करियर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। धन लाभ के संकेत भी बन रहे हैं, और आप धन संचय में सफल हो सकते हैं। प्रेम जीवन और दांपत्य जीवन के संदर्भ में, जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा, जिससे आपके जीवन में खुशियों की दस्तक हो सकती है। आत्मविश्वास में भी वृद्धि देखने को मिलेगी।

सिंह राशि – इस राशि के जातकों के जीवन में कई सुखद अनुभव हो सकते हैं। आपके कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप सफलता प्राप्त हो सकती है, और आपके काम की सराहना भी की जा सकती है। आपकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो सकती है, और आप पैसे बचाने में भी सफल हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। आप ऊर्जा और उत्साह से भरे हुए महसूस कर सकते हैं।

राहु-गुरु और बुध की युति बनेगा त्रिग्रही योग

27 फरवरी को बुद्धि और वाणी के कारक ग्रह बुध मीन राशि में गोचर करेंगे, जहां पहले से ही राहु और शुक्र की युति मीन राशि हैं। इस तरह से मीन राशि में बुध, गुरु और राहु की युति होगी, जिससे त्रिग्रही योग बनेगा।

फरवरी माह में बहुत ही खास योग बनने जा रहा है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फरवरी के आखिरी सप्ताह में तीन ग्रहों के संयोग से त्रिग्रही योग का निर्माण होने जा रहा है। यह त्रिग्रही संयोग मीन राशि में होगा। आपको बता दें कि 27 फरवरी को बुद्धि और वाणी के कारक ग्रह बुध मीन राशि में गोचर करेंगे, जहां पहले से ही राहु और शुक्र की युति मीन राशि हैं। इस तरह से मीन राशि में बुध, गुरु और राहु की युति होगी, जिससे त्रिग्रही योग बनेगा। इस त्रिग्रही योग में राहु संग बुध और गुरु के होने से कुछ राशि वालों पर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। जिससे कुछ की परेशानियों में इजाफा देखने को मिलेगा।

मेष राशि– मेष राशि वालों के बुध, गुरु और राहु के द्वारा बनने वाला त्रिग्रही योग अच्छा नहीं कहा जा सकता है। जीवन में परेशानियों में इजाफा हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी में काम का दबाव बढ़ सकता है। वहीं बिजनेस में कामकाज के सिलसिले में भी भारी हानि उठानी पड़ सकती है। ऐसे में आने वाले समय में आपको काफी सोच-समझकर कदम उठाना पड़ सकता है। आर्थिक रूप से परेशानियों में भी इजाफा रहेगा। कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं।

सिंह राशि– फरवरी के आखिरी दिनों में त्रिग्रही योग से सिंह राशि वालों ज्यादा सावधान रहने की जररूत है। मानसिक रूप से उथल-पुथल की संभावना है। नौकरी और व्यापार में आपको उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले कई बार सोच-विचार करना होगा। अचानक से धन के खर्चे बढ़ सकते हैं। वाहन चलाते समय आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी। दांपत्य जीवन में परेशानियां बढ़ सकती है।

तुला राशि –तुला राशि के जातकों के लिए आने वाले कुछ दिन परेशानियों से भरे रह सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में ज्यादा कार्य के चलते उलझन और लड़ाई-झगडों में इजाफा हो सकता है। बेरोजगार लोगों को काम के सिलसिले में अभी सफलता नहीं मिलेगी। किसी से बिना बात के वाद-विवाद हो सकता है। लगातार काम में असफलता के कारण आपको मन परे-शान और बेचैन रह सकता है। वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

अमावस्या पर दान पुण्य करने से मिलता है अक्षय पुण्य

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि को बहुत ही खास माना गया है और धर्म ग्रंथों में चंद्रमा की 16 वीं कला को अमा कहा गया है। अमा में चंद्रमा की 16 कलाओं की शक्ति शामिल होती है। इस दिन पितर और पीपल की पूजा करने का विधान है, मान्यता है कि ऐसा करने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हर माह में एक अमावस्या आती है। इनमें शनि अमावस्या और सोमवती अमावस्या का महत्व अधिक है। पंचांग के अनुसार, इस वर्ष दो बार शनि अमावस्या और एक बार सोमवती अमावस्या आएगी। नया साल आने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है और वर्षभर में 12 अमावस्या होती हैं यानी हर माह एक अमावस्या आती है। अमावस्या तिथि कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन होती है और इस दिन आकाश में चांद दिखाई नहीं देता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या के दिन पितरों की पूजा के साथ भगवान शिव, माता लक्ष्मी और माता काली की पूजा करने का विधान है। साथ ही इस दिन पितृलोक से पूर्वज पृथ्वी पर आते हैं इसलिए इस तिथि पर पूजा पाठ या पितरों के नाम का दान करने से जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती और धन धान्य में वृद्धि होती है।

अमावस्या तिथि हिंदू धर्म में विशेष रूप से महत्व-पूर्ण मानी जाती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, अमावस्या 30 दिन में आती है, जो कृष्ण पक्ष की आखिरी तिथि होती है। इस दिन आकाश में चांद नजर नहीं आता है। हिंदू धर्म में इस दिन का बहुत महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या के दिन पितृ लोक से हमारे पूर्वज धरती पर आते हैं। इस दिन श्राद्ध कर्म और तर्पण करने से पितर प्रसन्न होते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन दान करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। अन्न, वस्त्र, और धन का दान पितरों की आत्मा की तृप्ति के लिए किया जाता है, जो परिवार की सुख-समृद्धि और शांति के लिए अनुकूल होता है।

अमावस्या का दिन केवल श्राद्ध कर्म तक ही सीमित नहीं है; इसे ध्यान, साधना, और दान के लिए भी आदर्श माना जाता है। आप अमावस्या के दिन पितरों के नाम पर अन्न और धन का दान कर सकते हैं, इससे पितरों का आशीर्वाद आप पर बना रहता है। इसके अलावा, इस दिन नदी या पवित्र जल में स्नान करना और भगवान विष्णु तथा शिव की पूजा करना भी अत्यंत फलदायी होता है। साल 2025 में अमावस्या की तिथियां धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं। श्राद्ध और दान जैसे कार्यों से पितृ दोष शांत होता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। इसलिए, इस दिन को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है और अपने पितरों का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

महत्व– साल भर में 12 अमावस्या तिथि आती हैं और दिन के हिसाब से जब अमावस्या तिथि सोमवार, मंगलवार और शनिवार को आती है, तब इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। सोमावर को अमावस्या तिथि होने पर सोमवती अमावस्या, मंगलवार के दिन भौमवती अमावस्या, शनिवार के दिन शनि अमावस्या कहते हैं। इसके अलावा अन्य अमावस्या तिथि का भी विशेष महत्व है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अमावसा को चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच में होता है, जिसके कारण चंद्रमा दिखाई नहीं देता और पृथ्वी पर चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव अधिक होता है। इस दिन जप-तप, पूजा-पाठ या पितरों के नाम का दान करने का विशेष महत्व है।

27 को फाल्गुन अमावस्या मनाई जाएगी

हर महीने में अमावस्या का पर्व मनाया जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और पितरों की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही पितरों का पिंडदान और तर्पण किया जाता है। इससे पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उनकी कृपा से व्यक्ति का जीवन खुशहाल होता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान, ध्यान करना बेहद फलदायी साबित होता है।

फाल्गुन अमावस्या 2024 डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की शुरुआत 27 फरवरी को सुबह 08 बजकर 54 मिनट से होगी और इसके अगले दिन यानी 28 फरवरी को सुबह 06 बजकर 14 मिनट पर तिथि का समापन होगा। ऐसे में फाल्गुन अमावस्या का पर्व 27 फरवरी को मनाया जाएगा।

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त – प्रातः 05 बजकर 09 मिनट से 05 बजकर 58 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 07 मिनट से शाम 06 बजकर 42 मिनट तक

निशिता मुहूर्त – रात्रि 12:08 मिनट से 12 फरवरी रात 12:58 मिनट तक

अभिजीत मुहूर्त – दो. 12:11 मिनट से दोपहर 12:57 मि.तक

सूर्योदय और सूर्यास्त का समय

सूर्योदय – सुबह 06 बजकर 48 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 20 मिनट पर
चंद्रोदय – कोई नहीं
चन्द्रास्त – शाम 05 बजकर 42 मिनट पर

फाल्गुन अमावस्या पूजा विधि

फाल्गुन अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनें। इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। इस दौरान सच्चे मन से पितरों की मोक्ष प्राप्ति की कामना करें।

दीपक जलाकर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करें।

फल और मिठाई का भोग लगाएं।

विष्णु जी के मंत्रों का जप करें।

इसके बाद जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें।

मंदिर या फिर गरीब लोगों में श्रद्धा अनुसार अन्न, धन और कपड़े का दान करें। धार्मिक मान्यत है कि फाल्गुन अमावस्या के दिन दान करने से व्यक्ति को जीवन में किसी भी चीज की कमी नहीं होती है।

फाल्गुन अमावस्या के दिन पितरों का श्राद्ध करने का विशेष महत्व है।

अमावस्या तिथि 2025

फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 27 फरवरी

चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 29 मार्च दि

वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 27 अप्रैल

ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 27 मई

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 25 जून

श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 24 जुलाई

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 23 अगस्त

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 21 सितंबर

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 21 अक्टूबर

मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 20 नवंबर

पौष मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि – 19 दिसंबर

रणधीर कपूर, बबिता से कर रहे थे टाइम पास सालों बाद बताई अलग होने की वजह

कहा- उसे लगा मैं एक भयानक आदमी था जो....

कपूर फैमिली की खूबसूरत जोड़ी रणधीर कपूर और बबीता के बारे में तो सभी जानते हैं। यह जोड़ी करिश्मा कपूर और करीना कपूर जैसी दो खूबसूरत एक्ट्रेस के पेरेंट्स हैं। रणधीर कपूर पिता की फिल्म संगम के सेट पर थे और बबीता अपने पिता के साथ यहां आई थी और पहली ही नजर में रणधीर को न्यूकमर एक्ट्रेस बबीता से प्यार हो गया था। बबीता ने साल 1966 में फिल्म दस लाख से डेब्यू किया था। वहीं, साल 1969 में रणधीर कपूर और बबीता ने पहली बार फिल्म में साथ में काम किया था और इनके बीच प्यार परवान चढ़ने लगा। दो साल तक डेटिंग करने के बाद रणधीर को लगता था कि वह टाइम पास कर रहे हैं और वहीं बबीता भी अपना धैर्य खोती जा रही थीं। बबीता ने रणधीर से कह दिया कि वह शादी करना चाहते है तो करें नहीं इस रिश्ते को यही खत्म कर दें।

राज कपूर नहीं चाहते थे बहू काम करे

रणधीर और बबीता को फिल्म कल आज और कल (1969) में पहली बार साथ में देखा गया था, जिसे खुद रणधीर ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में पिता राज कपूर और दादा पृथ्वीराज कपूर एक साथ नजर आए थे। राज कपूर को पता था कि रणधीर और बबीता एक दूसरे से मिल रहे हैं। रणधीर ने कहा, 'मैं तो टाइम पास किए जा रहा था, पापा ने कहा शादी-वादी करने का इरादा है या नहीं?। रणधीर ने कपिल के शो में भी बताया था कि उनके पिता ने उनसे कहा था कि जब वो बुड्ढी हो जाएगी तब शादी करेगा उससे'। 12 मई 1971 को रणधीर-बबीता की रिंग सेरेमनी हुई और 6 नवंबर 1971 को कपल की पंजाबी रीति-रिवाज से शादी हो गई। शादी में देव आनंद, धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और रेखा समेत कई स्टार्स पहुंचे थे। शादी के बाद बबीता ने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी।

कैसे बिगड़ी बात?

बता दें, 1988 से रणधीर और बबीता अलग जरूर हुए लेकिन कभी तलाक नहीं लिया। एक इंटरव्यू में रणधीर ने बताया, 'उसे लगा कि मैं एक भयानक आदमी था, जो बहुत शराब पीता था और देर से घर आता था, जो उसे पसंद नहीं था और मैं उस तरह नहीं जीना चाहता था जैसा वह चाहती थी, और वह मुझे वैसे स्वीकार नहीं कर सकती थी, जैसा मैं हूं, हालांकि यह एक लव मैरिज थी, तो यह ठीक है। हमारे पास देखभाल करने के लिए दो प्यारे बच्चे थे, उन्हें बेहतरीन तरीके से पाला और एक पिता के रूप में मैं और क्या मांग सकता था?।

शबाना आजमी और ज्योतिका स्टारर डब्बा कार्टेल का टीजर हुआ रिलीज

28 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक

काफी समय से अभिनेत्री शबाना आजमी अपनी आगामी वेब सीरीज डब्बा कार्टेल को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं, जिसके निर्देशन की कमान हितेश भाटिया ने संभाली है। फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं।शबाना के अलावा इस सीरीज में गजराज राव, ज्योतिका और साई ताम्हणकर जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।अब आखिरकार निर्माताओं ने डब्बा कार्टेल का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें शबाना की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। टीजर को प्रशंसक पसंद कर रहे हैं।डब्बा कार्टेल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। सीरीज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। डब्बा कार्टेल को आप 28 फरवरी, 2025 से नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे।निर्माताओं ने टीजर साझा करते हुए लिखा, आज डब्बे में क्या है?इस सीरीज में निमिषा सजयन, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद, जिशु सेनगुप्ता, लिलेट दुबे और भूपेन्द्र सिंह जादावत भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। टीजर में तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

नोरा फतेही का मनीष मल्होत्रा ने सिर्फ 48 घंटों में फेमस स्नेक आउटफिट बनाया!

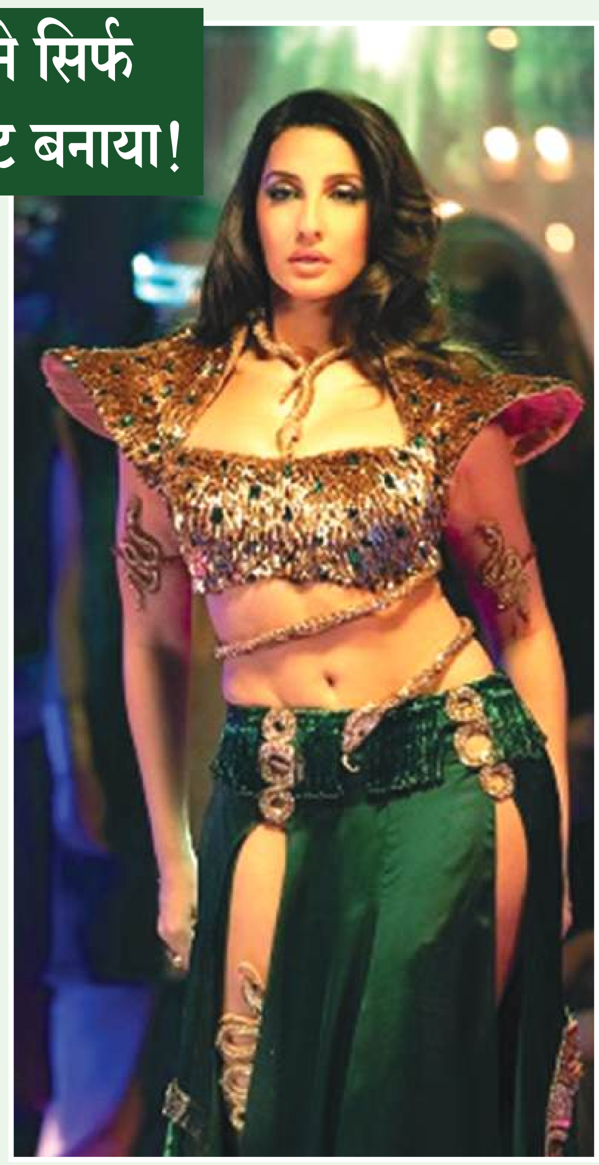

ग्लोबल सेंसेशन नोरा फतेही का म्यूजिक इंडस्ट्री में दबदबा कायम है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार जेसन डेरुलो और नोरा फतेही के सहयोग से बने उनके नवीनतम ट्रैक 'स्नेक' ने 100 मिलियन व्यूज पार कर लिए हैं। जबकि फैंस उनके शानदार विजुअल और धमाकेदार बीट्स के दीवाने हो गए हैं। एक एक्सक्लूसिव बिहाइंड-द-सीन यह खुलासा सामने आया है कि म्यूजिक वीडियो में उनका हैरान कर देने वाला आउटफिट महज दो दिनों में मनीष मल्होत्रा द्वारा डिज़ाइन किया गया था! लुक के निर्माण की एक दिलचस्प बात यह है कि मनीष मल्होत्रा ने केवल दो दिनों में प्रतिष्ठित स्नेक पोशाक तैयार की। इसके बारे में बात करते हुए, उन्होंने साझा किया, नोरा एक ऐसी शख्स हैं जिन्हें मैं सच में पसंद करता हूं। और मैं बहुत प्यार करता हूं। इसलिए मैंने सच में सोचा, मैं यह करूंगा। और मैं यह दो दिनों में करूंगा।

हाल ही में साझा किए गए एक बीटीएस वीडियो में, नोरा फतेही प्रशंसकों को अपने साहसी और ग्लैमरस 'स्नेक' लुक की अंदरूनी झलक दिखाती हैं। असाधारण पहनावा, जो एक वायरल फैशन मोमेंट बन चुका है, महज 48 घंटे में प्रसिद्ध डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा तैयार कर दिया गया है। अपने बेदाग फैशन सेंस के लिए मशहूर नोरा फतेही ने स्नेक में स्टाइल और परफॉर्मेंस की सीमाओं को आगे बढ़ाया है।

बीटीएस फुटेज में, वह प्रशंसकों को अपनी स्टाइलिंग यात्रा से रूबरू कराती है, अपने कॉस्ट्यूम ट्रायल, आखिरी मिनट में बदलाव और प्रत्येक लुक के पीछे की रचनात्मक ऊर्जा का प्रदर्शन करती है। जैसा कि स्नेक चार्ट और सोशल मीडिया ट्रेंड पर हावी है, नोरा फतेही पहले से ही अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रही है।

अपने जन्मदिन पर, उन्होंने स्नेक के प्रतिभाशाली निर्माता टॉमी ब्राउन और ब्रूनो मार्स और आरओएसई के हिट ट्रैक एपीटी पर अपने काम के लिए जाने जाने वाले ग्रैमी विजेता गीतकार थेरॉन बिली के साथ तस्वीरें साझा करके एक बड़ा संकेत दिया। रिकॉर्ड-तोड़ माइलस्टोन, अविरल वैश्विक कोलैबोरेशंस और संगीत और फैशन के लिए उनकी निडर सोच के साथ, नोरा फतेही यह साबित कर रही हैं कि वह अंतरराष्ट्रीय संगीत इंडस्ट्री में एक पॉवरहाउस हैं।

पपी लव का आनंद लेती नजर आईं अनन्या पांडे अपने प्यारे दोस्त के साथ शेयर की तस्वीर

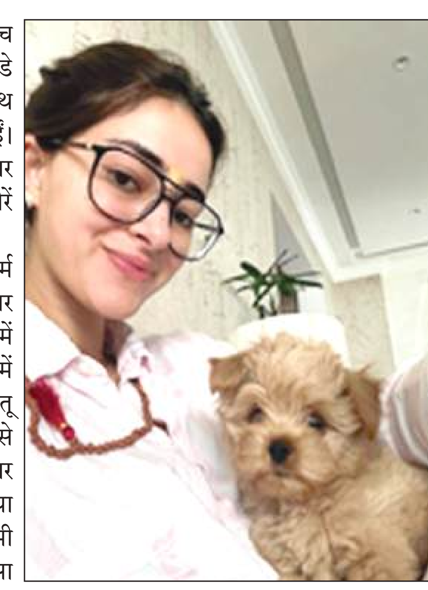

वेलेंटाइन डे के बीच अभिनेत्री अनन्या पांडे अपने प्यारे पालतू पेट्स के साथ मजेदार पल बिताती नजर आईं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इसकी कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ये तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, पपी लव। तस्वीरों में अनन्या पांडे का अपने पालतू पेट्स के प्रति प्यार स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए अनन्या ने 'लाल दिल' वाले इमोजी भी लगाए। पोस्ट पर कई कमेंट आ रहे हैं।

अनन्या की दोस्त और अभिनेत्री सुहाना खान ने भी इस पोस्ट पर कमेंट किया। अनन्या की मां भावना पांडे ने भी कमेंट सेक्शन में कई इमोजी पोस्ट किए। इसके साथ ही 'फैबुलस लाइव्स बनाम बॉलीवुड वाइव्स' फेम महीप कपूर ने भी ऐसी ही प्रतिक्रिया दी। अनन्या पांडे अपने पालतू जानवरों के साथ अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। एक हालिया पोस्ट में उन्होंने कहा था, दोस्तों, मेरे बेबी जान को नमस्ते कहो, यह सबसे प्यारा छोटा लड़का है और मैं इसे बहुत मानती हूं। अनन्या पांडे का यह प्यारा दोस्त समय-समय पर अभिनेत्री के सोशल मीडिया पर दिखाई देता रहता है।

अनन्या पांडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह निर्देशक करण सिंह त्यागी की अपकमिंग फिल्म में अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। वकील सी शंकरन नायर के जीवन पर आधारित फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस ने किया है। उन्होंने 1920 के दशक में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी थी। अनन्या पांडे 'चांद मेरा दिल' में भी काम कर रही हैं।

विवेक सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन के तहत करण जौहर, अदार पूर्णवाला और अपूर्व मेहता ने किया। इसके साथ ही अनन्या पांडे लोकप्रिय शो 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में 'बेला चौधरी' के रूप में अपनी भूमिका को दोहराती नजर आएंगी।

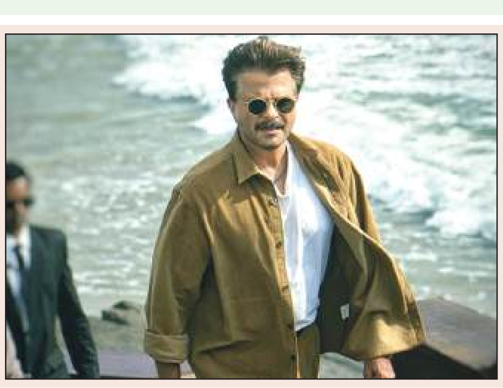

एमी-नामांकित द नाइट मैनेजर के 2 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने विचार साझा किया

सिनेमा आइकन अनिल कपूर ने एमी-नामांकित सीरीज द नाइट मैनेजर की दूसरी वर्षगांठ मनाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। संदीप मोदी और प्रियंका घोष द्वारा निर्देशित, इस शो में कपूर को रहस्यमय 'शैली रूंगटा' के रूप में और आदित्य रॉय कपूर को 'अभिमन्यु' के रूप में दिखाया गया था। यह मनोरंजक जासूसी-थ्रिलर कपूर के करियर में एक विशेष स्थान रखती है, एक ऐसी परियोजना को चिह्नित करती है जिसने रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाया और वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाला। अपनी रोमांचक कथा, तीक्ष्ण बुद्धि और स्टाइलिश एक्शन के लिए प्रशंसकों की पसंदीदा, द नाइट मैनेजर ने कपूर को एक नए अंदाज़ में पेश किया है। एम्मीज़ में सीरीज की नामांकन ने इसकी सफलता को और मजबूत किया, जिससे यह भारतीय मनोरंजन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई। कृतज्ञता से भरे हुए, कपूर ने कहा: द नाइट मैनेजर के दो साल - एक यात्रा जिसने सीमाओं को चुनौती दी, एक दिलचस्प कहानी सुनाई, और कई लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई।

अविश्वसनीय टीम, हमारे दर्शकों के प्यार और एमी नामांकन के सम्मान के लिए आभारी हूं। यह हमेशा खास रहेगा! इंडस्ट्री जगत और प्रशंसक समान रूप से अनिल कपूर की कहानी कहने के प्रति प्रतिबद्धता और जोश की सराहना करते हैं। उनकी आगामी फिल्म सूबेदार के लिए उत्साह बढ़ने के साथ, प्रशंसित निर्देशक सुरेश त्रिवेणी के साथ उनका सहयोग अत्यधिक प्रतीक्षित है। प्राइम वीडियो पर हाल ही में जारी किए गए टीज़र ने पहले ही हलचल मचा दी है, जिसमें अनिल कपूर को एक गहन और शक्तिशाली नए अवतार में झलक पेश की गई है।

अभिनेता जितेंद्र को ज्येष्ठ नागरिक सम्मान

बेटी एकता कपूर ने जताया नितिन गडकरी का आभार

अभिनेता जितेंद्र को हाल ही में 'ज्येष्ठ नागरिक' के रूप में सम्मानित किया गया। उनकी बेटी और टीवी-फिल्म निर्माता एकता कपूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'सहयोग' के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताते नजर आईं। एकता कपूर ने इंस्टाग्राम पर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आपके सहयोग के लिए धन्यवाद। वीडियो को अपने एक्स हैंडल पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी शेयर किया, जिसमें वह अभिनेता के साथ मुलाकात करते नजर आए। गडकरी ने कैप्शन में लिखा, अभिनेता जितेंद्र ने आज नागपुर निवास का दौरा किया।

अभिनेता को ज्येष्ठ नागरिक संकुलन महोत्सव में 'ज्येष्ठ नागरिक' के रूप में सम्मानित किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान का जश्न मनाया गया। अभिनेता के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान जितेंद्र 200 से ज्यादा फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारत के केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान नितिन गडकरी ने सीनियर अभिनेता की उपलब्धियों की सराहना की और युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के उनके निरंतर प्रयासों को भी स्वीकार किया। अपनी जड़ों के प्रति कृतज्ञता दिखाते हुए जितेंद्र ने कहा, मैं 18 साल तक गिरगांव की एक चॉल में रहा। जब मैं गिरगांव की एक छोटी सी चॉल में रहता था, तो हमेशा पर्याप्त मात्रा में प्यार मिलता था। आज मैं 83 साल का हो गया हूं और मेरा मानना है कि चॉल में बिताए साल मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन पल थे। मैं एक एक्स्ट्रा एक्टर था, एक जूनियर आर्टिस्ट, मुझे मेरा पहला ब्रेक इसलिए मिला क्योंकि शांता राव बाप को यह बहुत मजेदार लगा कि मैं एक पंजाबी लड़का होते हुए भी इतनी साफ मराठी बोलता हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं महाराष्ट्रियन हूं। मुझे इस सम्मानित पुरस्कार से नवाजे जाने के लिए आप सभी का शुक्रिया। 'ज्येष्ठ नागरिक' पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने समाज में स्थायी योगदान दिया है।

100 वर्ष की अदाकारा चित्तजल्लू कृष्णवेनी का निधन

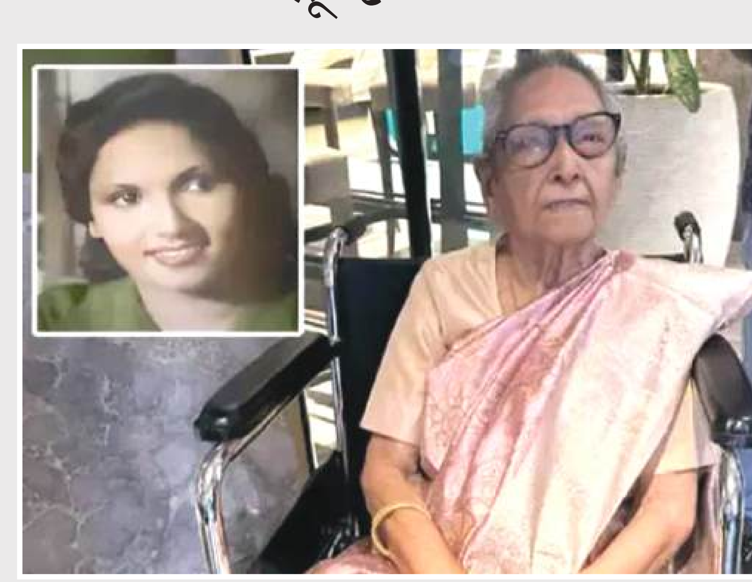

तेलुगू फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री चित्तजल्लू कृष्णवेनी का रविवार को आयु संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया। वो 100 साल की थीं। अभिनेत्री ने अपने आवास पर अंतिम सांस ली। कृष्णवेनी को उनके अभिनय और तेलुगू सिनेमा के प्रति समर्पण के लिए जाना जाता है। उन्होंने तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री को अपने काम से एक अलग आकार दिया। उन्होंने कई ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया, जिन्हें सिनेप्रेमी आज भी याद करते हैं। खास बात है कि उन्होंने एनटीआर (नंदमुरी हरिकृष्ण) और घंटासला वेंकटेश्वर राव जैसी प्रतिभाओं को भी पेश किया था। अभिनेत्री ने 1949 में आई फिल्म 'केलुगुरम' में अक्किनेनी नागेश्वर राव को कास्ट किया और कई तेलुगू फिल्मों का निर्माण किया। उन्होंने राजकुमार के साथ कन्नड़ में 'भक्त कुंबारा' भी बनाई, जिसमें श्रीदेवी भी अहम भूमिका में थीं।

तेलुगू सिनेमा में योगदान के लिए अभिनेत्री को साल 2004 में आंध्र प्रदेश सरकार ने रघुपति वेंकैया पुरस्कार से सम्मानित किया था। उन्होंने एक पार्श्व गायिका के रूप में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसने इंडस्ट्री पर एक स्थायी प्रभाव डाला। उनके निधन से फिल्म जगत में गहरा शोक है। कृष्णवेनी आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के पंगडी की रहने वाली थीं। फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले वह एक नाट्य कलाकार थीं। उनके पिता कृष्ण राव एक डॉक्टर थे। वह 1939 में चेन्नई चली गईं और उन्हें तेलुगू फिल्मों में अभिनय करने के कई प्रस्ताव मिलने लगे। उन्होंने तमिल जैसी दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्मों में भी अभिनय किया। उन्होंने 1939 में मिर्जापुरम के जमींदार से शादी की।

वह चेन्नई में अपने पति के शोभनचला स्टूडियो में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में काम करने लगीं। उनका प्रभाव अगली पीढ़ी तक भी जारी रहा, उन्होंने अपनी बेटी एनआर अनुराधा को फिल्म निर्माण के लिए गाइड भी किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वा-तावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रि से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आपको यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने-जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएं उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों स दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएं कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच-बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभा-वशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस-पड़ोस की किसी सुनी-सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल-का-ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 17 फरवरी 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 04:56 तक
नक्षत्र : चित्रा अहोरात्र
योग : शूल प्रातः 08:54 तक
करण : कौलव दोपहर 03:37 तक
चन्द्रराशि : कन्या सायं 06:03 तक
सूर्योदय : 06:41 , सूर्यास्त 06:18 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:41 , सूर्यास्त 06:26 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 06:10 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- सोमेश्वर पूजन

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

पीडब्ल्यूडी के एसई मित्तल के आधा दर्जन ठिकानों पर छापे, काली कमाई खुलासा

जयपुर,16 फरवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार सुबह सार्वजनिक निर्माण विभाग (विधुत खंड-द्वितीय, जोधपुर) के अधिशाषी अभियंता दीपक कुमार मित्तल के आधा दर्जन ठिकानों पर छापेमारी की। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और फरीदाबाद में एक साथ की जा रही इस कार्रवाई में करोड़ों की बेनामी संपत्तियों का खुलासा होने की आशंका है।

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक और बड़ी कार्रवाई में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशाषी अभियंता दीपक कुमार मित्तल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में छापा मारा। यह छापेमारी जयपुर, उदयपुर, जोधपुर और फरीदाबाद (हरियाणा) में मित्तल के छह ठिकानों पर की गई। कार्रवाई में करोड़ों रुपये की काली कमाई का पर्दाफाश हुआ। -उइ को इनके खिलाफ गोपनीय सूचना मिली थी, जिसके बाद जब जांच हुई तो खुलासा हुआ कि अभियंता की वैध आय से 203 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिली है।

एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के अनुसार, विभाग को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि मित्तल ने भ्रष्टाचार के जरिए बेहिसाब संपत्ति बनाई है। जांच में पुष्टि होने के बाद ऑपरेशन बेफिक्र को अंजाम दिया गया। एसीबी की जयपुर, उदयपुर, जोधपुर और फरीदाबाद में तैनात टीमें अल सुबह मित्तल के अलग-अलग ठिकानों पर पहुंचीं और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच में करोड़ों रुपये की संपत्ति के दस्तावेज, नगदी और सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए। एसीबी की जांच में मित्तल की संपत्ति और काली कमाई से जुड़े कई अहम दस्तावेज सामने आए। इनमें 50 लाख रुपये नकद बरामद हुए। आधा किलो सोने और 1.5 किलो चांदी के आभूषण मिले। 18 बैंक खातों में 40 लाख रुपये जमा मिले। म्यूचुअल फंड में 50 लाख रुपये का निवेश मिला। जयपुर, उदयपुर, अजमेर और ब्यावर में कुल 16 प्लॉट जिनकी कीमत करोड़ों में आंकी गई।

इसके साथ ही तीन बैंक लॉकर मिले जिनकी तलाशी अभी बाकी है। 15 लाख रुपये महंगे वाहनों पर खर्च किए गए। बच्चों की महंगी शिक्षा के दस्तावेज मिले, जिनमें जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और एम्स गोरखपुर जैसे संस्थानों में फीस के प्रमाण शामिल हैं। एसीबी को संदेह है कि अभियंता ने कई बेनामी संपत्तियां भी बना रखी हैं। जांच अभी जारी है और आगे और संपत्तियों का खुलासा होने की संभावना है।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, दीपक कुमार मित्तल ने अपने कार्यकाल में ठेकों में हेरफेर, रिश्वतखोरी और घोटालों के जरिए यह अकूत संपत्ति बनाई। बड़े सरकारी निर्माण प्रोजेक्ट्स में भ्रष्टाचार कर ठेकेदारों से कमीशन लिया गया और इस पैसे को संपत्तियों में निवेश किया गया। एसीबी के प्राथमिक आकलन में पाया गया कि मित्तल ने अपनी वेतन और वैध आय की तुलना में 203% अधिक संपत्ति अर्जित की, जो पूरी तरह से भ्रष्टाचार से कमाई गई काली दौलत मानी जा रही है। एसीबी के अनुसार, मित्तल ने अपने परिजनों और करीबियों के नाम पर भी कई बेनामी संपत्तियां खरीदी हैं। इसके लिए दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं और संपत्तियों का मूल्यांकन किया जा रहा है।

एसीबी अधिकारियों ने साफ किया है कि सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई से सरकारी तंत्र में हड़कंप मचा हुआ है और अब सवाल यह उठ रहा है कि जब एक अधिशाषी अभियंता इतनी बड़ी काली कमाई कर सकता है, तो अन्य सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार का क्या हाल होगा? क्या यह मामला बाकी भ्रष्ट अफसरों के लिए सबक बनेगा, या फिर यह खेल यूं ही चलता रहेगा?

क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन आज

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा होंगे मुख्य अतिथि

जयपुर,16 फरवरी (एजेंसियां)। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा उत्तर- 1, उत्तर-2, मध्य एवं पश्चिम क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 17 फरवरी को जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी), जयपुर में किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा एवं दिया कुमारी की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में मंजु शर्मा, संसद सदस्य, लोकसभा और मदन राठौड़, संसद सदस्य, राज्यसभा भी उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में राजभाषा विभाग की सचिव सहित बड़ी संख्या में केंद्र सरकार के कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों आदि के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली ने आज जयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा इन क्षेत्रों में स्थित विभिन्न कार्यालयों, बैंकों एवं उपक्रमों को विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (नराकासों) को नराकास राजभाषा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र तथा शील्ड देकर सम्मानित किया जाएगा।

राजस्थान में जजों की कमी : न्यायाधीश गर्ग

भीलवाड़ा,16 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर पीठ के विद्ववान न्यायाधीश मनोज गर्ग ने कहा कि राजस्थान में जजो की कमी है, जिसके चलते केस लंबित रहते है। जजों की कमी को दूर करने के लिये प्रक्रिया चल रही है, नये जज शीघ्र आयेगें। यह बात विद्वान न्यायाधीश ने शनिवार को शहर के नगर निगम सभागार में आयोजित जिला अभिभाषक संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश शर्मा व उनकी कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। कार्यक्रम में विद्वान न्यायाधीश फरजन अली व मनोरी लक्ष्मण, बार काउंसिल ऑफ इण्डिया के को चेयरमैन सुरेश श्रीमाली, जिला न्यायाधीश अजय शर्मा सहित कई अन्य न्यायाधीश उपस्थित थें।

भजनलाल शर्मा की योग गुरु स्वामी रामदेव से शिष्टाचार भेंट

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को योग गुरु स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के मध्य योग एवं आयुर्वेद पर विस्तृत चर्चा भी हुई।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौतों पर अनिल विज ने जताया दुख

अम्बाला,16 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गत दिवस हुए हादसे पर गहरा दुख जताते हुए हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले में जांच के आदेश दे दिए है और उन्हें विश्वास है कि जो भी इसमें दोषी पाया जाएगा, जिसकी वजह से इतनी बड़ी घटना हुई उसे बक्शा नहीं जाएगा। विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

हरियाणा में निकाय चुनाव को लेकर मेयर का चुनाव कांग्रेस अपने सिंबल पर लड़ने की बात कह रही है जिस पर विज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कोई भी पार्टी मुकाबला नहीं कर सकती, चाहे ये सिंबल डाल कर आए या फिर बिना सिंबल के आ जाए, किसी भी प्रकार से आ जाए।

उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास संगठन नाम की कोई चीज नहीं है। अभी तक वो अपना विधायक दल का नेता नहीं चुन पाए। उन्होंने कांग्रेस को जीरो बटा जीरो सीटें आने का दावा किया, वहीं उन्होंने निकाय चुनावों में बीजेपी की जीत का दावा किया। पंजाब के मंत्री धालीवाल के बयान कि अमेरिका से डिपोर्ट होकर भारतीय के लिए अच्छी बस भेजनी चाहिए थी पर परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि मुझे जानकारी नहीं है कि किसने क्या कहा लेकिन वह विभाग से पता करेंगे।

कुप्रबंधन और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण हुई नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ : राघव चड्ढा

चंडीगढ़,16 फरवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ पर आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने दुख जताया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई घटना बहुत दुखद है। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वे मृतकों को अपने चरणों में स्थान दें, उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। जो लोग घायल हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सांसद राघव चड्ढा ने कहा, मैंने बीती 11 फरवरी को राज्यसभा को संबोधित करते हुए रेलवे से संबंधित कई मुद्दे उठाए थे। मुझे लगता है कि मैं अपने द्वारा उठाए गए मुद्दों पर रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित नहीं कर पाया। कुप्रबंधन और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण यह घटना हुई जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, प्रयागराज महाकुंभ में जाने वाले निर्दोष लोग रेलवे के कुप्रबंधन का शिकार हो गए हैं। उन्होंने व्यवस्था को ऐसा बना दिया है कि लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसा कोई दिन नहीं है, जब रेलवे में किसी घटना की खबर न मिली हो। मैं रेलवे की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय करने की मांग करता हूं। भारतीय रेलवे को सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि ऐसी घटना न हो।

बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 13 और 14 पर शनिवार देर रात उस समय भगदड़ मच गई जब कथित तौर पर यात्रियों के बीच प्रयागराज जा रही दो ट्रेनों के रद्द होने की अफवाह फैल गई। इस हादसे में 18 लोगों की मौत की पुष्टि हुई, हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। हादसे के बाद रेलवे ने विशेष ट्रेनों की व्यवस्था कर प्लेटफॉर्म पर भीड़ का दबाव कम किया। रेलवे ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

पत्रकारों के हितों के लिए

महत्त्वपूर्ण कदम उठा रहा है भारतीय पत्रकार कल्याण मंच : चौधरी

चंडीगढ़,16 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय पत्रकार कल्याण मंच रजि. राष्ट्रीय मुख्यालय कुरुक्षेत्र की ओर से राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए पत्रकारों का एक टूर कुरुक्षेत्र के पिपली पैराकीट विश्राम गृह से हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हुआ। इस खास अवसर पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जिला परिषद कुरूक्षेत्र के वाईस चेयरमैन डी.पी. चौधरी ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत कर पत्रकारों के टूर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान भारतीय पत्रकार कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन आश्री, चंडीगढ़ से हरियाणा के वरिष्ठ पत्रकार, भारतीय पत्रकार कल्याण मंच हरियाणा प्रांत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं चंडीगढ़ स्तिथ हरियाणा सरकार के सचिवालय में हरियाणा की कवरेज करने वाले मंच से जुड़े मीडिया पर्सन्स के प्रभारी ओमप्रकाश राय, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष जसबीर दुग्गल, राष्ट्रीय सचिव सतनाम सिंह, प्रदेश के ज्वाईंट सैक्रेटरी अजय ठाकुर समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। हरी झंडी देने से पहले पत्रकारों से बातचीत करते हुए वाईस चेयरमैन डी.पी. चौधरी ने कहा कि भारतीय पत्रकार कल्याण मंच पत्रकारों को ओर ज्यादा आगे बढ़ने का मौका दे रहा है, क्योंकि पत्रकारों का सफर चुनौतियों भरा रहता है, ऐसे में बिना प्रशिक्षण के पत्रकार अपने कार्य को बेहतर तरीके से नही कर सकते, लेकिन भारतीय पत्रकार कल्याण मंच ही एक ऐसा संगठन है, जो पूरे भारत देश के पत्रकारों को समय-समय पर तरह तरह के लगातार राज्य ओर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षण दे रहा है, जोकि काबिलेतारीफ है।

2 लाख नौकरियां देना तो दूर, सीईटी तक नहीं करवा पा रही भाजपा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़,16 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि पक्की नौकरी देना तो दूर, बीजेपी इतने साल में उएढ तक नहीं करवा पा रही है। उएढ के नाम पर भाजपा ने युवाओं का घनचक्कर बना रखा है। 2 लाख पक्की नौकरियां देने का वादा करके सत्ता में आई बीजेपी अभी तक सीईटी के नियम और तारीख तक तय नहीं कर पाई।

हुड्डा ने कहा कि भाजपा अपनी चिर-परिचित नीति के तहत बेरोजगारों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। भर्तियों के इंतजार में ओवर ऐज हो रहे लाखों बेरोजगार युवा लगातार सीईटी और नई भर्तियों का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन हमेशा की तरह सरकार द्वारा तारीख पर तारीख दी जा रही है। इस मौके पर जारी बयान में उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले बीजेपी ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे सभी 1.20 लाख कर्मचारियों को पक्का करने का ऐलान किया था। इतना ही नहीं बीजेपी ने चुनाव के दौरान कांग्रेस के खिलाफ झूठ भी फलाया। उसने झूठ बोला कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो कौशल निगम को खत्म करके सभी कच्चे कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया जाएगा। जबकि सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में सभी कौशल कर्मियों को नियमित करने और उचित वेतन बढ़ोतरी का वादा किया था।

लेकिन चुनाव के बाद बीजेपी के झूठ की सच्चाई सबके सामने आ गई। अपने ही वादे से मुकरते हुए बीजेपी ने सरकार बनते ही कौशल निगम कर्मियों को नौकरी से निकालना शुरू कर दिया। एक-एक करके हर विभाग से सरकार ने कौशल निगम कर्मियों की छटनी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं कौशल कर्मियों को पक्का करने के नियम को बीजेपी हाई कोर्ट में भी डिफेंड नहीं कर पाई और हाई कोर्ट ने भाजपा द्वारा बनाए गए नियमों को अनुचित करार दे दिया।

रेलवे प्रशासन और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करता है दिल्ली हादसा : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,16 फरवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। इस हादसे में 18 लोगों की मृत्यु और कई अन्य घायल हुए हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह घटना रेलवे प्रशासन की गंभीर लापरवाही और सरकार की असंवेद-नशीलता को उजागर करती है। प्रयागराज महाकुंभ के लिए यात्रियों की भारी भीड़ की संभावना के बावजूद, स्टेशन पर उचित प्रबंधों का अभाव स्पष्ट है। सरकार और प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ न हों, और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि हो।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि शनिवार शाम से ही स्टेशन पर भीड़ लगातार बढ़ रही थी मगर वहां पर न तो रेलवे की तरफ से और न ही रेलवे पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कोई इंतजाम किए गए थे। इन प्लेटफार्म पर इक्का-दुक्का ही पुलिस वाले नजर आ रहे थे, जबकि जिस तरह से भीड़ वहां बढ़ रही थी तो हर प्लेटफार्म पर कम से कम 30 से 40 पुलिसकर्मी तैनात होने चाहिए थे, वहीं रेलवे के कर्मचारी भी नदारद थे। कुमारी सैलजा ने कहा कि रेलवे के पास पर्याप्त इंतजाम नहीं थे बावजूद इसके धडाधड़ टिकट काटे जा रहे थे। ट्रेन में इतने यात्री बैठने की सुविधा नहीं थी उससे दुगने टिकट काटे गए जिसके कारण ही स्टेशन पर भीड़ का दवाब बना। कुमारी सैलजा ने कहा कि सवाल यह उठता है कि रेलवे विभाग और रेलवे पुलिस को यह जानकारी कैसे नहीं हो सकी कि रेलवे स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ हो चुकी है। लापरवाही का आलम यह भी रहा कि जो लोग इस घटना में घायल हुए थे, उनको अस्पताल पहुंचने में भी काफी

देरी हुई, क्योंकि रेलवे स्टेशन पर केवल एक ही एंबुलेंस उपलब्ध थी जबकि इस माहौल में वहां पर एंबुलेंस की संख्या नहीं बढ़ाई गई।

कुमारी सैलजा ने कहा है कि हैरानी की बात तो यह है कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी प्रशासन को कोई खबर तक नहीं थी। प्रशासन की भी नींद तब खुली जब लोकनायक पहुंचे घायलों में 18 लोगों की मौत की पुष्टि हुई। स्टेशन पर जब हादसा हुआ तो यात्री और कुलियों ने ही सबसे पहले बचाव कार्य शुरू किया बाकी टीमें बाद में पहुंची। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार ने इस प्रकार के रेल हादसों से कोई सबक नहीं लिया, सरकार और रेलवे विभाग को अच्छी तरह से पता है कि महाकुंभ को लेकर हर स्टेशन पर भीड़ का दवाब बढ़ रहा है, रेलवे को इसे लेकर कदम उठाने चाहिए थे पर ऐसा नहीं हुआ।

रक्सौल बॉर्डर पर सात मानव तस्कर गिरफ्तार

नेपाली युवतियों को बेचने के लिए ले जा रहे थे उत्तरप्रदेश

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मोतिहारी में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम और एसएसबी 47वीं बटालियन ने गुप्त सूचना के आधार पर रक्सौल बॉर्डर से सात मानव तस्करों को गिरफ्तार किया। ये तस्कर नेपाल से युवतियों को बिहार के रास्ते उत्तर प्रदेश ले जाने की फिराक में थे। अभियान के तहत बट्टा चौक रक्सौल पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोका गया, जिसमें दो लड़कियां, दो महिला तस्कर और पांच पुरुष सवार थे। पूछताछ के लिए सभी को रक्सौल थाना लाया गया। इस संयुक्त अभियान में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम, प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर और स्वच्छ रक्सौल टीम शामिल

रही। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

उक्त सूचना के आधार पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग टीम एवं प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी और स्वच्छ रक्सौल के संयुक्त आभियान के तहत बट्टा चौक रक्सौल से एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोका गया। मानव तस्करी के संदेह के आधार पर स्कॉर्पियो पर सवार सभी 9 लोगों को पूछताछ के लिए रक्सौल थाना लाया गया। जिसमें दो लड़की सहित दो महिला तस्कर एवं पांच पुरुष सवार थे। दोनों नेपाली युवतियों की पहचान एक पर्सा जिला नेपाल व दूसरी रौतहट जिला नेपाल के रूप में की गई।

पूछताछ में एक लड़की ने बताया कि मेरे जीजा के दोस्त नेपाल के दिनेश साह और संजीत कुमार यादव ने छपरा बिहार में लक्ष्मी पूजा में बैठने के लिए बोला। हमें एक दिन के लिए जाना था। उसके लिए हमें पंद्रह हज़ार रुपये देने की बात कही गई थी। पूजा में शामिल होने के लिए पहले कुछ प्रक्रिया करने की बात कही गई थी, जिसमें मेरी इंची टेप से लंबाई चौड़ाई तथा मेरी शरीर का नाप लेते हुए वीडियो भेजने के लिए बोला गया था। हमने वीडियो बना कर दिनेश साह को भेजा था। उनके द्वारा छपरा के जितेंद्र और राजेश कुमार को भेजा गया। उनके द्वारा सिराज खान नामक व्यक्ति जो कुशीनगर उत्तर प्रदेश के रहने वाला है। उसके पास लड़कियों का वीडियो भेजा जा रहा था। सिराज खान द्वारा राजेश कुमार को लड़कियों को लाने के लिए दस हज़ार रुपये एडवांस के रूप में भेजा गया था। लड़कियों से नाप लेते हुए का वीडियो राजेश कुमार और जितेंद्र कुमार के मोबाइल में कई जगहों से आ रहा था। ये दोनों सभी वीडियो को सिराज खान को भेज रहे थे। रास्ते में किसी को शक नहीं हो इसके लिए राजेश कुमार और जितेंद्र कुमार ने छपरा की रहने वाली दो महिलाओं को पैसा का लालच देकर अपने साथ लेकर आया था। इन महिलाओं को कुशीनगर तक लड़कियों को पहुंचाने का जिम्मेवारी मिली थी।

दोनों नेपाली युवतियों ने बताया कि हमें सिर्फ़ पता था छपरा जाना है। रक्सौल आने के बाद बोले कुशीनगर उत्तर प्रदेश जाना है। हमने बोला तो कहा कल तुम्हें वापस आ जाना है। इस तरह से नेटवर्किंग बनाकर लड़कियों को मानव तस्करी में संलिप्त किया जा रहा है। सभी मानव तस्कर के ऊपर सामाजिक संस्था स्वच्छ रक्सौल के अध्यक्ष रणजीत सिंह द्वारा रक्सौल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

सहरसा के खेत में मिला युवती का शव, मामले की जांच में जुटी पुलिस

कोसी (एजेंसियां)।

जिले के महिषी थाना के सहायक थाना जलई क्षेत्र के तेलवा बहियार में एक युवती का शव ओर एक युवती के जख्मी हालत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना रविवार की अहले सुबह की बताई जा रही है। सुबह लोग शौच के लिए बहियार की तरफ गए तो मकई खेत में दो युवती को जख्मी हालत में देखा। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। प्रेम प्रसंग में घटना को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। पुलिस ने गांव के ही एक शादीशुदा और बाल बच्चेदार युवक को हिरासत में लिया है। मृतका की पहचान गांव के ही पूनम कुमारी उम्र 16 वर्ष के रूप में हुई है। जिस पर चाकू या किसी तेज धारदार हथियार से वार कर मौत के घाट उतार दिया गया है।

जख्मी युवती की पहचान रो शनी कुमारी के रूप में हुई है। उसके सिर पर गंभीर चोट लगी है। उसे पुलिस ने अस्पताल भेजा है। सूचना मिलते ही जलई थाना, महिषी थाना, नवहट्टा थाना पुलिस मौके पर पहुंच तफ्तीश शुरू कर दी है। वही एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंच साक्ष्य संकलन में जुटी है। घटना के बाद लोगो की भीड़ जुट गई है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने की कारवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार दोनों मृतिका ओर जख्मी सहेली है। मृतिका तीन बहन और तीन भाई है। घटना के बाद क्षेत्र में कई तरह की चर्चा शुरू हो गई है। कोई शौच के लिए बहियार गई युवती के साथ किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने के बाद हत्या की घटना को अंजाम देने तो कोई प्रेम प्रसंग में घटना को अंजाम देने की बात कह रहे है। हालांकि यह लोगो का कहना है। पुलिस अनुसंधान में जुटी है, अनुसंधान के बाद ही घटना का स्पष्ट कारण सामने आ सकता है। दो सहेली में एक की हत्या ओर दूसरी जख्मी हालत में मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। लोग घटना पर काफी आक्रोशित है। इधर सूत्रों के अनुसार पुलिस संदिग्ध की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है। कुछ संदिग्ध से पूछताछ भी की जा रही है। इस बाबत सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। अहले सुबह मृतका, जख्मी युवती ओर एक उसी गांव के शादीशुदा युवक आपस में मिला था। मृतिका पूनम के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जा रहा है। वहीं जख्मी युवती ओर उक्त युवक से पूछताछ की जा रही है।

प्राइवेट अस्पताल में यूट्यूब देख हो रहा था इलाज, मरीज ने तोड़ा दम

विरोध में परिजनों के किया बवाल

पटना (एजेंसियां)।

पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में प्राइवेट अस्पताल (श्री अशोका हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर) में हंगामा हो गया है। आरोप है कि यहां एक मरीज का इलाज यूट्यूब देखकर किया जा रहा था, जिससे परिजनों ने नर्सिंग होम को तोड़फोड़ दिया है। मरीज को उल्टी की शिकायत होने पर कल भर्ती कराया गया था और वह सीआईएसएफ में सलेक्ट हो चुका था। मृतक भोजपुर का रहने वाला है और उसके परिवार ने नर्सिंग होम के सभी डॉक्टर और स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

परिजनों ने आरोप लगाया की अस्पताल में यूट्यूब देखकर उनके बच्चे का इलाज किया जा रहा

था। इसी कारण उसकी मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई करें। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। इसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, घटना के बाद अस्पताल प्रबंधन, सभी डॉक्टर और नर्स फरार हो गए हैं। अस्पताल की ओर से कोई कुछ बताने के लिए तैयार नहीं है। वहीं थानेदार ने मामले की जांच के बाद ही पूरा मामला बताने की बात कही है।

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में लगी भीषण आग वनकर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर घंटों बाद बुझाई

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के बेतिया स्थित वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद जंगल धू-धू कर जलने लगा। लेकिन वनकर्मियों के घंटों प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया गया। बताया जाता है कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के मदनपुर वन प्रक्षेत्र के कक्ष संख्या-5 के सदाबहार जंगल में अचानक आग लग गई। आगलगी की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सक्रियता दिखाते हुए घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आगलगी की प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि आग वन तस्करों या असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर लगाई गई है। घटना के बाद आरोपी जंगल से

फरार हो गए हैं।

वन विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और स्थानीय ग्रामीणों और चरवाहों से जंगल में आग नहीं लगाने की अपील की है। वन विभाग के अनुसार, जंगल में आग लगने की घटनाओं के पीछे लापरवाही भी एक बड़ा कारण है। जहां जंगल बस्तियों से सटे होते हैं। वहां आग लगने की घटनाएं अधिक देखी जाती है। स्थानीय लोग घरों से निकली राख जंगल के किनारे फेंक देते है। इससे आग भड़कने की संभावना रहती है। वहीं, धूम्रपान करने वाले लोग जंगल में जलती हुई बीड़ी या सिगरेट फेंक देते है, इससे आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। वन विभाग ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे जंगल में ज्वलनशील पदार्थ न फेंके और आग लगने की घटना की सूचना तुरंत वनकर्मियों को दे।

इधर आग लगने की सूचना मिलते ही वीटीआर के वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक डॉ. नेशामणि के निर्देश पर वनपाल राजेश रोशन के नेतृत्व में वनकर्मियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने मदनपुर वन क्षेत्र के कक्ष संख्या-5 में लगी आग को घंटों कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया। हालांकि, जंगल को हुए नुकसान का आकलन अभी किया गया है।

विदित हो कि दो फरवरी को भी वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के सदाबहार जंगल में भीषण आग लग गई थी। यह आग मदनपुर वन क्षेत्र अंतर्गत कक्ष संख्या 9 मे लगी थी। आग ने देखते ही देखते भयावह रूप धारण कर लिया। पछुआ हवाओं के कारण आग तेजी से फैलने लगी, जिससे जंगल में रहने वाले वन्यजीवों में अफरा-तफरी मच गई थी।

मोबाइल फोन के विवाद में युवक की गला दबाकर हत्या, शव को सरसों के खेत में फेंका

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र के एकडेरवा बलुआ टोला गांव निवासी एक युवक की गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को सरसों के खेत में फेंक दिया गया। सूचना पर मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के एकडेरवा बलुआ टोला गांव निवासी मंजूर अली के 22 वर्षीय पुत्र अंसार अली के रूप में की गई है। युवक के मौत की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बताया जाता है कि पिछले सप्ताह अंसार अली की छत पर पड़ोस के ही नामजद युवक ने अपना मोबाइल फेंक दिया था। तभी अंसार अली ने देख लिया और मोबाइल उठाकर उससे पूछताछ करने लगा। उसके बाद दोनों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट हुई। वहीं, स्थानीय लोगों ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया।

मृतक के पिता मंजूर अली ने बताया कि पूरा परिवार मिलाद में शामिल होने गए थे। देर रात मिलाद में शामिल होकर जब अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में रुककर पेशाब करने लगा। तभी खेत से निकल कर पड़ोस के ही नामजद चार लोग भाग रहे थे। उसके बाद शक हुआ और आगे बढ़ कर जब देखा तो मेरे ही बेटा का शव पड़ा हुआ था। पहले उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई।

उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह आरोपियों ने मेरी छत पर मोबाइल फेंका था। मेरे बेटा ने देख लिया था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ और आरोपी एक युवक को मेरे बेटे ने एक थप्पड़ मार दिया था। जिसके कारण आरोपियों ने उसे गला दबाकर हत्या कर दी और सरसों के खेत में शव फेंक दिया गया।

उन्होंने बताया कि उसके घर में लड़की है और शक है कि उसने अपना मोबाइल उसी के लिए फेंका था। फिलहाल मोबाइल पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है।

वहीं, इस मामले में नगर थानाध्यक्ष ओम प्रकाश चौहान ने बताया कि शव बरामद हुआ है। पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों द्वारा मौखिक रूप से हत्या की बात कही है और अपने पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। अभी तक लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। प्राप्त आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

गया में एक ही रात पांच कार शोरूम में बड़ी चोरी, लॉकर तोड़कर लाखों रुपये ले भागे चोर

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले में चार कार एजेंसियों में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। सभी एजेंसियों के लॉकर तोड़कर लाखों रुपये ले कर चोर फरार हो गए।

चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। घटना की सूचना के बाद स्थानीय थाना की पुलिस पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने कार एजेंसियों में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। यह पूरा घटनाक्रम बीती रात का है।

मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात गया जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक साथ पांच चारपहिया वाहन के शोरूम में अज्ञात अपराधियों ने

चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना के बाद सभी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जिले के मगध यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र के मटिहानी में स्थित टोयोटा कम्पनी के बुद्धा टोयोटा शोरूम, बोधगया थाना क्षेत्र के दोमुंहान के पास स्थित मारुति सुजुकी कम्पनी का कारलो नेक्सा शोरूम व मारुति सुजुकी का ही कारलो एरिना शोरूम, धनावा के पास स्थित किया कम्पनी के राज किया शोरूम में तथा मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के हवाईअड्डा के पास स्थित मारुति सुजुकी कम्पनी के डीएमसी शोरूम सहित कुल पांच चारपहिया वाहन शोरूम में चोरी की घटना ने गया पुलिस के होश उड़ा दिए हैं। ये सभी घटना डोभी गया एनएच83 पर ही स्थित सभी शोरूम में की गई। घटना की सूचना के बाद बोधगया एसडीप-ीओ सौरभ जायसवाल, सीटी एसपी रामानंद कुमार कौशल घटनास्थल पर पहुंचे। घटनास्थल पर पहुंचकर शोरूम के कर्मचारियों से पूछताछ में जुटी है।

सीटी एसपी रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि एक साथ पांच चारपहिया वाहन के शोरूम में चोरी की घटना सम्भवतः एक ही गिरोह के द्वारा घटना कारित की गई है। घटना में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर विशेष टीम का गठन किया गया है। वहीं शोरूम के कर्मचारियों से पैसे की चोरी का आकलन किया जा रहा है। फिलहाल एजेंसियों में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के काफिले को दिखाए काले झंडे

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा में प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आज फजीहत झेलनी पड़ी। यहां आइसा-आरवाइए छात्र संगठन के नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काफिले को काला झंडा दिखाया। इस दौरान विरोध जता रहे छात्र नेता और मुख्यमंत्री के सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों के बीच नोक झोंक भी हुई। करीब 3 से 4 छात्र घायल हो गए है। जिसमें एक छात्र की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं दो छात्र फिलहाल खतरे से बाहर बताएं जा रहे हैं, जबकि पुलिस ने कई छात्रों को हिरासत में भी लिया है। घायल सभी छात्रों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मी छात्र नेता पुलिस पर बर्बरता पूर्ण लाठी चटकने और मारपीट करने का आरोप लगा रहे हैं। घायलों में आइसा नेता रौशन कुशवाहा, साहिल अरोड़ा और आरवाइए के नेता अखिलेश कुमार गुप्ता शामिल हैं।

दरअसल प्रगति यात्रा के चौथे चरण

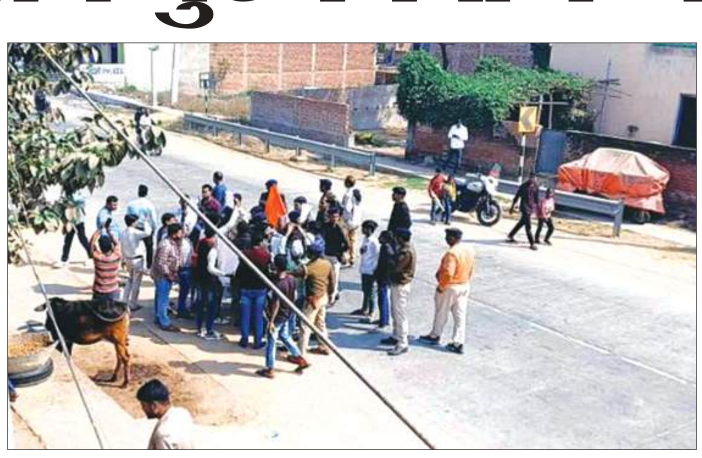

में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आरा के जगदीशपुर स्थित ककिला गांव सबसे पहले पहुंचे थे।

जहां से वो अपने काफिले के साथ पूर्व से निर्धारित मॉरीशस के प्रथम प्रधानमंत्री सर शिवसागर राम गुलाम के पैतृक गांव हरी गांव आ रहे थे। इसी बीच सिअरुआ गांव के समीप आइसा-आरवाइए के छात्र संगठन से जुड़े नेता अपनी 13 सूत्री मांग के ज्ञापन को देना चाहते थे, लेकिन जब मुख्यमंत्री का काफिला नहीं रुका तो आइसा-आरवाइए के छात्र नेताओं ने काला झंडा दिखाकर उनका विरोध करना शुरू कर दिया। वहां मौके पर मौजूद सुरक्षा में तैनात पुलिस जवानों ने विरोध कर रहे छात्रों को रोकने का काफी प्रयास किया, लेकिन छात्र मानने को तैयार नहीं हुए, इसके बाद सुरक्षा कर्मी और छात्र नेताओं में नोक झोंक हुई। जिसमें पुलिस को मजबूरन लाठी लाठी चलानी पड़ी और इसमें आइसा-आरवाइए के करीब 3 से 4 छात्र घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जख्मी छात्रों की माने तो वह मुख्यमंत्री को अपनी 13 सूत्रीय मांग को सौंपना चाहते थे, लेकिन मुख्यमंत्री उनको देखते हुए रुके नहीं और काफिले के साथ निकल रहे थे, जिस पर हम लोगों ने उन्हें काला झंडा दिखाकर विरोध किया। इस दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने हम लोगों के साथ मारपीट की और हम सभी छात्रों को जख्मी कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com